जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 199 प्रभात जालोर, सोमवार 27 अक्टूबर, 2025 पो. रजि. [illegible]/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

चुनाव आयोग कल एसआईआर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर। चुनाव आयोग देशव्यापी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा। इसमें एसआईआर को लेकर लागू किए जाने वाली योजना के बारे में जानकारी दी जा सकती है। साथ ही पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट को दोबारा जांचने के लिए

■ माना जा रहा है कि आयोग 10-15 राज्यों में एस.आई.आर. का पहला चरण शुरु करने की घोषणा करेगा।

बूथ लेवल अधिकारियों की मदद के लिए वॉलंटियर्स की नियुक्ति का घोषणा भी की जा सकती है।

निर्वाचन आयोग की 27 अक्टूबर को होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर अभी तक पूरी जानकारी नहीं आई है लेकिन उम्मीद है कि चुनाव आयोग स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) का पहला चरण शुरू करेगा। इसमें 10 से 15 राज्य शामिल होंगे। इनमें वे राज्य भी होंगे जहां 2026

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भारत की कीमत पर नहीं बनेंगे अमेरिका-पाकिस्तान संबंध'

अमेरिकी राज्य सचिव मार्क रूबियो ने अमेरिका की अन्य देशों के साथ नीति स्पष्ट की

■ अमेरिकी राज्य सचिव ने कहा कि भारत के कुछ ऐसे देशों के साथ रिश्ते हैं, जिनके साथ हमारे नहीं है। यह एक मैच्योर, प्रैक्टिकल फॉरेन पॉलिसी का हिस्सा है।

वॉशिंगटन डीसी, 26 अक्टूबर। अमेरिकी राज्य सचिव मार्क रुबियो ने यूएस-पाकिस्तान संबंधों को लेकर बड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान के साथ अमेरिका के संबंध भारत की कीमत पर नहीं बनाए जाएंगे।

अमेरिका-पाकिस्तान के रिश्तों में आए बदलाव को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में रुबियो ने कहा कि अगर हो सके तो अमेरिका इस रिश्ते को आगे बढ़ाना चाहेगा और समझता है कि इस रिश्ते में मुश्किलें और चुनौतियां भी होंगी।

रूबियों ने आगे कहा, "देखिए हम भारत और बाकी सब चीजों से जुड़ी चुनौतियों से अच्छी तरह से वाकिफ हैं, लेकिन हमारा काम उन देशों के साथ साझेदारी के मौके बनाने की कोशिश करना है, जहां यह मुमकिन हो। और काउंटरटैरर और उस तरह की चीजों पर पाकिस्तान के साथ साझेदारी करने का हमारा लंबा इतिहास रहा है।

अगर हो सके तो हम इसे आगे बढ़ाना चाहेंगे और यह समझते हुए कि इसमें कुछ मुश्किलें और चुनौतियां आएंगी। मुझे नहीं लगता है कि यह भारत या किसी और अच्छे रिश्ते की कीमत पर या उसके बदले में हुआ है।"

जब पूछा गया कि क्या भारत ने पाकिस्तान के साथ अमेरिका के बढ़ते रिश्तों पर चिंता जताई है, तो रुबियो ने भारतीयों को मैच्योर बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि यूएस एक प्रैक्टिकल फॉरेन पॉलिसी अपना रहा है जो एक साथ कई पार्टनर्स के साथ जुड़ने के लिए डिजाइन की गई है।

उन्होंने आगे कहा, "तो मुझे लगता है कि जब डिप्लोमेसी और उस तरह की चीजों की बात आती है तो भारतीय बहुत मैच्योर हैं।

देखिए, उनके कुछ ऐसे देशों के साथ रिश्ते हैं जिनके साथ हमारे नहीं हैं। तो यह एक मैच्योर, प्रैक्टिकल फॉरेन पॉलिसी का हिस्सा है।

मुझे नहीं लगता कि हम पाकिस्तान के साथ जो कुछ भी कर रहे हैं, वह भारत के साथ हमारे रिश्ते या दोस्ती की कीमत पर है, जो गहरे, ऐतिहासिक और जरूरी हैं।"

नीतीश ने छठ का प्रसाद चिराग पासवान के घर खाया

पटना, 26 अक्टूबर। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को छठ पूजा के अवसर पर खरना का प्रसाद खाने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान के घर पहुंचे।

■ पासवान की बुआ छठ व्रत कर रही हैं, इस वजह से मुख्यमंत्री प्रसाद खाने उनके घर पहुँचे।

पासवान ने अपने घर पर गमछा ओढ़ा कर नीतीश कुमार का स्वागत किया। कुमार ने खरना का प्रसाद भी खाया। इस मुलाकात में पासवान ने कुमार के पांव छू कर आशीर्वाद भी लिया और बाद में अपनी माता जी के साथ इस मिलन का एक फोटो भी साझा किया। इस मौके पर जमुई के सांसद अरुण भारती भी मौजूद थे।

गौरतलब है की पासवान की बुआ छठ व्रत कर रही हैं और मुख्यमंत्री इसी वजह से प्रसाद खाने उनके घर पहुंचे।

इस मुलाकात के कई राजनीतिक मायने भी हैं और आज की इस मुलाकात को दोनों के बीच रिश्तों की नई शुरुआत के रूप में भी देखा जा रहा है।

सत्ता में आये तो वक्फ कानून कूड़ेदान में फेंक देंगे- तेजस्वी यादव

मुस्लिम बहुल कटिहार जिले की एक जनसभा में राजद नेता ने यह घोषणा की

■ भाजपा ने इस घोषणा पर सवाल पूछा कि कोई भी राज्य सरकार केन्द्र के कानून को कैसे बदल सकती है।

पटना, 26 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर रविवार को तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि गठबंधन के सत्ता में आने पर इस अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर राज्य में 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनती है तो वक्फ (संशोधन) अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता ने मुस्लिम बहुल कटिहार जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि उनके पिता एवं राजद प्रमुख लालू प्रसाद ने कभी सांप्रदायिक ताकतों से समझौता नहीं किया, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हमेशा ऐसी ताकतों का साथ दिया है, जिसके कारण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और उसके सहयोगी संगठन राज्य और देश में नफरत फैला रहे हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को भारत जलाओ पार्टी करार देते हुए कहा कि भाजपा सत्ता में आई तो सांप्रदायिक एजेंडा तेज होगा।

तेजस्वी ने कहा, अगर 'इंडिया' गठबंधन सत्ता में आता है तो हम वक्फ अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक देंगे। उल्लेखनीय है कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम अप्रैल में संसद से पारित हुआ था। सत्ता पक्ष ने इसे पिछड़े मुसलमानों और समुदाय की महिलाओं के लिए पारदर्शिता और सशक्तिकरण का माध्यम बताया है, जबकि विपक्ष का आरोप है कि यह मुसलमानों के अधिकारों को प्रभावित करता है।

यादव ने आरोप लगाया कि राज्य की 20 वर्ष पुरानी सरकार से लोग ऊब चुके हैं और मुख्यमंत्री अपने होश में नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य के हर विभाग में भ्रष्टाचार व्याप्त है और कानून-व्यवस्था बदहाल है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने सीमांचल क्षेत्र को लेकर कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने क्षेत्र के विकास के लिए कुछ नहीं किया और 'इंडिया' गठबंधन के सत्ता में आने पर सीमांचल विकास प्राधिकरण का गठन किया जाएगा।

यादव ने कहा कि अगर उनकी सरकार बनी तो वृद्धावस्था पेंशन बढ़ाकर 2,000 रुपये प्रति माह की जाएगी। उल्लेखनीय है कि शनिवार को राजद के विधान पार्षद मोहम्मद कारी सोहैब भी इसी मुद्दे पर विवादों में घिर गए थे जब उन्होंने कहा था कि तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनते ही वक्फ विधेयक सहित सभी विधेयक फाड़ दिए जाएंगे। भाजपा ने इस बयान पर सवाल पूछा था कि कोई भी राज्य सरकार केंद्र के कानूनों को कैसे बदल सकती है।

भारत समुद्री सप्ताह में विश्व के 85 देश भाग लेंगे

इस आयोजन में 10 लाख करोड़ रूपए की प्रतिबद्धताओं के 600 समझौतों-एमओयू पर हस्ताक्षर होंगे

नयी दिल्ली, 26 अक्टूबर। दुनिया का सबसे बड़ा समुद्री सम्मेलन "भारत समुद्री सप्ताह" सोमवार से मुंबई में शुरू होगा जिसमें 11 देशों के विदेश मंत्रियों के साथ ही सैकड़ों प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुंबई के एनईएससीओ नेस्को मैदान में आयोजित हो रहे इस पांच दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात और ओडिशा के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहेंगे।

■ प्रधानमंत्री मोदी 29 अक्टूबर को सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इसमें महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात व ओडिशा के मुख्यमंत्री तथा 11 देशों के विदेश मंत्री शामिल होंगे।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा 27 से 31 अक्टूबर तक चलने वाले इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अक्टूबर को मैरीटाइम लीडर्स कॉन्क्लेव को संबोधित करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री विश्व भर की अग्रणी समुद्री कम्पनियों के चयनित अंतर्राष्ट्रीय सीईओ के साथ एक उच्च स्तरीय वैश्विक सीईओ फोरम की अध्यक्षता करेंगे।

मंत्रालय के अनुसार, इस वैश्विक सम्मेलन में 350 से ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय वक्ता उद्योग विशेषज्ञता और रणनीतिक संवाद करेंगे। इस आयोजन में 10 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा की निवेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आँध्र प्रदेश बस हादसे के 10 शव परिजनों को सौंपे

कुरनूल, 26 अक्टूबर। आंध्र प्रदेश के कुरनूल में भीषण बस हादसे में मारे गये यात्रियों में से दस शवों को डीएनए जांच रिपोर्ट के आधार पर रविवार को उनके परिजनों को सौंप दिया गया।

सरकारी अस्पताल में मृतकों के परिजनों के डीएनए नमूने लिये गये थे। रिपोर्ट आने के बाद शवों की

■ परिजनों के डीएनए नमूनों की जाँच के बाद मृतकों की पहचान हुई।

पहचान की पुष्टि की गयी। परिजनों को मृत्यु प्रमाणपत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज भी प्रदान किये गये। अधिकारियों ने शवों को उनके मूल स्थानों तक पहुंचाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था की।

उल्लेखनीय है कि एक निजी बस की एक मोटरसाइकिल से टक्कर के बाद बस में आग लगने से 19 यात्रियों की जलकर मौत हो गयी थी।

जदयू ने पार्टी विरोधी गतिविधियों पर कई नेताओं को निष्कासित किया

निष्कासित होने वालों में पूर्व मंत्री शैलेश कुमार, पूर्व विधान पार्षद संजय प्रसाद, श्याम बहादुर व सुदर्शन कुमार शामिल हैं

■ जदयू नेतृत्व ने स्पष्ट किया कि यह कार्यवाही संगठनात्मक मजबूती व अनुशासन कायम रखने के लिए की गई है तथा किसी के भी प्रति नरमी नही बरती जायेगी।

पटना, 26 अक्टूबर। बिहार प्रदेश जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने रविवार को विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल नेताओं के खिलाफ सख्त कदम उठाया है।

पार्टी के प्रदेश महासचिव और मुख्यालय प्रभारी चंदन कुमार सिंह की ओर से जारी निर्देश के अनुसार, संगठनात्मक आचरण के विरुद्ध काम करने और पार्टी अनुशासन तोड़ने के आरोप में कई नेताओं को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।

जारी आदेश के मुताबिक, पूर्व मंत्री शैलेश कुमार, पूर्व विधान पार्षद संजय प्रसाद, श्याम बहादुर सिंह और सुदर्शन कुमार समेत अमर कुमार सिंह, डॉ. आसमा परवीन, लव कुमार, आशा सुमन, दिव्यांशु भारद्वाज और विवेक शुक्ला को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित करते हुये जदयू से निष्कासित कर दिया गया है।

जदयू नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी अनुशासनहीनता और संगठन के खिलाफ गतिविधियों में लिप्त किसी भी नेता या कार्यकर्ता के प्रति कोई नरमी नहीं बरती जायेगी। पार्टी ने कहा है कि यह कार्रवाई संगठनात्मक मजबूती और अनुशासन कायम रखने के उद्देश्य से की गई है।

संक्रमित खून चढ़ाने से 5 बच्चे एचआईवी पॉज़िटिव हुए

■ झारखंड हाई कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य सचिव व सिविल सर्जन से जवाब मांगा।

रांची, 26 अक्टूबर। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल चाईबासा के ब्लड बैंक में लापरवाही का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। थैलीसीमिया से पीड़ित सात वर्षीय बच्चे को कथित तौर पर एचआईवी पॉज़िटिव रक्त चढ़ाने का आरोप अब बड़ा रूप ले चुका है। प्रारंभिक जांच में जहां एक बच्चे को संक्रमित रक्त चढ़ाए जाने की बात सामने आई थी, वहीं अब रांची से आई विशेष मेडिकल टीम की जांच में चार और बच्चे एचआईवी पॉज़िटिव पाए गए हैं।

मामला प्रकाश में आने के बाद पूरे स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मच गया है। मंझारी प्रखंड के रहने वाले पीड़ित बच्चे के परिजनों ने उपायुक्त और राज्य सरकार से शिकायत दर्ज कराई है। मंझारी के जिला परिषद सदस्य माधव चंद्र कुंकल ने आरोप लगाया है कि इस घटना के पीछे ब्लड बैंक कर्मी की बदले की भावना काम कर रही है। उनका कहना है कि बच्चे की बुआ के साथ एक साल पहले ब्लड बैंक कर्मचारी मनोज कुमार ने दुर्व्यवहार किया था, जिसकी शिकायत सदर थाना में दर्ज है और मामला अदालत में लंबित है। कुंकल ने उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। कहा जा रहा है कि कि ब्लड चढ़ाने से एचआईवी संक्रमित बच्चों की संख्या में और इजाफा हो सकता है। इस घटना के बाद झारखंड हाई कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य सचिव और सिविल सर्जन से जवाब तलब किया है।

पश्चिमी सिंह भूम के सिविल सर्जन डॉ. सुशांतो कुमार माझी ने कहा कि मामले की जांच तेजी से कराई जा रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि एचआईवी संक्रमण बच्चों तक कैसे पहुंचा। उन्होंने कहा कि दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इस पूरे घटनाक्रम ने जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नाम बदला

छत्रपति संभाजीनगर, 26 अक्टूबर। महाराष्ट्र के औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नाम अब आधिकारिक रूप से बदलकर छत्रपति संभाजीनगर रेलवे स्टेशन कर दिया गया है। यह परिवर्तन केंद्रीय गृह मंत्रालय की मंजूरी के बाद लागू हुआ है।

दक्षिण मध्य रेलवे के नांदेड़ मंडल के अंतर्गत आने वाला यह स्टेशन अब सभी रेलवे प्रणालियों और डेटाबेस में नए कोड, सीपीएसएन से पहचाना जाएगा।

मध्य रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि केंद्र

■ अधिकारिक रूप से इसका नाम छत्रपति संभाजी नगर रेलवे स्टेशन हो गया है।

सरकार से अंतिम स्वीकृति मिलने के बाद नाम परिवर्तन की पूरी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

अब नए नाम और कोड को चरणबद्ध तरीके से सभी प्लेटफॉर्म संकेतों, समय-सारिणियों, आरक्षण प्रणालियों और डिजिटल डिस्प्ले बोर्डों पर प्रदर्शित किया जाएगा।

यह प्रक्रिया 2022 में तब शुरू हुई थी, जब महाराष्ट्र सरकार ने औरंगाबाद का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर करने को मंजूरी दी थी। रेलवे स्टेशन का नाम बदलने के लिए गृह मंत्रालय, रेल मंत्रालय, भाषा विभाग और भू-नामकरण बोर्ड की स्वीकृति आवश्यक होती है, जो पिछले कुछ महीनों में प्राप्त की गई।

राज्य सरकार के इस निर्णय को लेकर पहले बंबई उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में याचिकाएं दाखिल की गई थीं, लेकिन दोनों अदालतों ने उन्हें खारिज कर दिया, जिससे नाम परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त हुआ।

चक्रवात "मोंथा" का सामना करने के लिए भारतीय सेना हाई अलर्ट पर

अनुमान है कि 28 अक्टूबर की शाम यह चक्रवात आँध्र प्रदेश के तट पर पहुँचेगा

■ सेना ने कर्नाटक, केरल, आँध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, लक्षद्वीप व मिनिकॉय द्वीप समूह में आपदा प्रतिक्रिया टुकड़ियों को सक्रिय कर दिया है।

नयी दिल्ली, 26 अक्टूबर। पूर्वी मध्य अरब सागर और दक्षिण पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर विकसित हो रहे चक्रवाती तंत्र के मद्देनजर भारतीय सेना को हाई अलर्ट पर रखा गया है। अगले 48 घंटों में इस चक्रवात के "मोंथा" के रूप में तब्दील होने की आशंका है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और संबंधित राज्य सरकारों के समन्वय से स्थिति पर कड़ी नज़र रखी जा रही है।

सेना के एक प्रवक्ता ने बताया कि आज तड़के दो सक्रिय मौसम प्रणालियाँ देखी गईं, जिनमें पूर्वी मध्य अरब सागर पर दबाव और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी पर गहरा दबाव शामिल है। अगले 24 घंटों के दौरान इसके पूर्व मध्य अरब सागर में पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है।

इसके अलावा दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी पर बना गहरा दबाव है। अगले 24 घंटों के भीतर इसके दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में तब्दील होने और 28 अक्टूबर तक उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए एक गंभीर चक्रवाती तूफान में और मजबूत होने की उम्मीद है।

अनुमान है कि यह प्रणाली 28 अक्टूबर की शाम/रात को तटीय आंध्र प्रदेश, विशेष रूप से मछलीपट्टनम और काकीनाडा के बीच के क्षेत्र को एक गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में प्रभावित करेगी। इस दौरान तेज हवाएं 90-100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं।

भारतीय सेना ने प्रभावित होने की आशंका वाले सभी क्षेत्रों में अपनी आपदा प्रतिक्रिया टुकड़ियों (डीआरसी) को सक्रिय कर दिया है, ताकि राज्य प्रशासन और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के साथ समन्वय में त्वरित तैनाती सुनिश्चित की जा सके।

विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में समर्पित और आरक्षित टुकड़ियों को तैनात किया गया है, जिनमें कर्नाटक , केरल , आंध्र प्रदेश, तेलंगाना , तमिलनाडु , लक्षद्वीप और मिनिकॉय द्वीप समूह और पश्चिम बंगाल में शामिल हैं।

आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वी. अनिता ने बताया कि चक्रवात मोंथा के मद्देनजर सरकारी मशीनरी को हाई अलर्ट पर रखा गया है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को ज़रूरत पड़ने पर तुरंत कार्रवाई के लिए तैयार रखा गया है।

गृह मंत्री ने राजधानी विजयवाड़ा में अधिकारियों के साथ बैठक की और चक्रवात के कारण जान-माल के नुकसान को रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों की समीक्षा की।

उन्होंने बताया कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव क्षेत्र तीव्र होकर एक भीषण चक्रवाती तूफान "मोंथा" में बदल गया है और इसके 28 अक्टूबर की शाम या रात को मछलीपट्टनम और काकीनाडा के बीच तट को पार करने की उम्मीद है। तटीय आंध्र प्रदेश के जिलों में 27 और 28 अक्टूबर को भारी बारिश होगी। उन्होंने कहा, "100 किलोमीटर की रफ़्तार से तेज़ हवाएँ चलेंगी।"

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आंध्र प्रदेश और यानम के लिए चक्रवात अलर्ट जारी किया है, क्योंकि दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने गहरे दबाव क्षेत्र के और तीव्र होने के संकेत मिले हैं।

शाम 4 बजे जारी एक विशेष बुलेटिन के अनुसार, यह चक्रवात पिछले छह घंटों के दौरान 5 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और 11.3 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 87.0 डिग्री पूर्वी देशांतर पर केंद्रित था। यह पोर्ट ब्लेयर से लगभग 620 किमी पश्चिम, चेन्नई से 770 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व, विशाखापत्तनम से 820 किमी दक्षिण-दक्षिण-पूर्व और काकीनाडा से 810 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित है।

इसके प्रभाव से, अगले 24 घंटों के दौरान काकीनाडा, कोनासीमा, पश्चिम गोदावरी, प्रकाशम, नेल्लोर, अन्नामय्या, तिरुपति और चित्तूर जिलों में भारी वर्षा होने की संभावना है।

इसी अवधि के दौरान उत्तरी और दक्षिणी तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में भी गरज के साथ बिजली गिरने और 35-45 किमी प्रति घंटे से लेकर 55 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है।

काकीनाडा, कोनासीमा, पश्चिम गोदावरी, कृष्णा, बापटला, प्रकाशम और नेल्लोर जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है, जबकि अन्य तटीय और रायलसीमा जिलों में सोमवार (कल) को भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर डबल डैकर बस में आग लगी

लखनऊ, 26 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर रविवार तड़के बड़ा हादसा टल गया। रेवरी टोल प्लाजा के पास एक डबल डेकर वातानुकूलित निजी बस में अचानक आग लग गयी, लेकिन गनीमत रही कि बस में सवार सभी 39 यात्री समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए और कोई जनहानि नहीं हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 44 सीटर स्लीपर बस दिल्ली

■ चालक ने समय से बस रोक कर यात्रियों को बाहर निकाल दिया। बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई, पर कोई घायल नहीं हुआ।

से लखनऊ होते हुए गोंडा जा रही थी। तड़के करीब चार बजकर 45 मिनट पर रेवरी टोल प्लाजा से लगभग 500 मीटर पहले पहिये से धुआं और आग निकलने लगा। इसके बाद चालक ने बस को किनारे रोका और सभी यात्रियों को नीचे उतरने का निर्देश दिया।

कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही काकोरी थाना की पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। बस पूरी तरह जलकर खाक हो गयी।

बस चालक जगत सिंह ने बताया कि आग अचानक लगी और कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। उसने कहा कि पहले धुआं निकला, फिर कुछ ही देर में लपटें उठने लगीं। बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गयी थी।

विचार बिन्दु

भ्रातृभाव का अस्तित्व केवल आत्मा में और आत्मा के द्वारा ही होता है, यह और किसी के सहारे टिक ही नहीं सकता। –श्री अरविंद

तकनीक की चमक में खोया मानवीय स्पर्श

तकनीक ने हमारे जीवन को इतना अधिक सुगम बना दिया है कि अब इस बात को दोहराना भी अनावश्यक-सा लगता है। यदि आप तकनीक से थोड़ी-सी भी दोस्ती रखते हैं, तो अपने घर, बल्कि अपने कमरे से बाहर निकले बिना ही आप लगभग हर काम कर सकते हैं। बिल जमा करना हो, किसी को भुगतान करना हो, बस-रेल-हवाई जहाज का टिकट बुक करना हो, थिएटर या सिनेमा में सीट आरक्षित करनी हो, बिजली-पानी-टेलीफोन से संबंधित शिकायत दर्ज करनी हो, घर का कोई काम करवाना हो, मालिश या सौंदर्य देखभाल जैसी सेवाएँ लेनी हों, या बाहर जाने के लिए ऑटो-टैक्सी बुलानी हो-ये सारे और ऐसे अनगिनत काम तकनीक की मदद से बिना अपनी जगह से हिले आसानी से हो जाते हैं। लेकिन यह सुविधा तभी संभव है, जब आप तकनीक के साथ सहज हों। यदि आपने तकनीक से दूरी बनाए रखी है, चाहे कारण जो भी हो, तो ये सुविधाएँ आपके लिए सुलभ नहीं होंगी। साथ ही, यदि आप किसी छोटे कस्बे या गाँव में रहते हैं, तो हो सकता है कि इनमें से कुछ सुविधाएँ अभी वहाँ उपलब्ध न हों। फिर भी, तकनीक का प्रसार तेजी से हो रहा है। जिस तरह आज न्यूयॉर्क और दिल्ली, या दिल्ली और जयपुर के बीच सुविधाओं का अंतर कम हो गया है, उसी तरह शीघ्र ही शहरों और गाँवों का अंतर भी घटने की उम्मीद है।

तकनीक ने हमारी खरीदारी के तौर-तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है। पहले, हर छोटी-बड़ी चीज के लिए हमें बाजार जाना पड़ता था। आज, धनिया-मिर्ची से लेकर फ्रिज-टीवी तक, सब कुछ ई-कॉमर्स साइट्स पर आसानी से उपलब्ध है। कई बार यह सामान बाजार से सस्ते दामों पर मिल जाता है, और अगर पसंद न आए, तो उसे बिना किसी परेशानी के बदलने या लौटाने की सुविधा भी मौजूद है। स्थिति ऐसी हो गई है कि कई दुकानदारों ने अपनी दुकानों पर नोटिस लगा दिए हैं:– कृपया हमारी कीमतों की तुलना अमेजन/फ्लिपकार्ट की कीमतों से न करें। यह एक अलग चर्चा का विषय है कि ये ई-कॉमर्स साइट्स बाजार से सस्ता सामान कैसे उपलब्ध करा पाती हैं।

बड़े शहरों में, जहाँ ट्रैफिक की स्थिति दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है, ये ऑनलाइन सुविधाएँ वरदान साबित हो रही हैं। भारतीय सामाजिक संरचना में आए बदलावों ने भी इन सुविधाओं को अपरिहार्य बना दिया है। खासकर उन परिवारों में, जहाँ पति-पत्नी दोनों नौकरी करते हैं, विशेष रूप से निजी या कॉरपोरेट क्षेत्र में, वहाँ समय की कमी एक बड़ी चुनौती है। सरकारी नौकरियों में शायद कुछ समय मिल भी जाए, लेकिन निजी क्षेत्र में समय सबसे बड़ी विलासिता है। ऐसे में, ये तकनीकी सुविधाएँ जीवन को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

लेकिन यह तस्वीर का एक पहलू है। दूसरा पहलू उतना उज्ज्वल नहीं है। तकनीक ने हमें सुविधाएँ तो दी हैं, लेकिन हमें समाज और देश-दुनिया से काट भी दिया है। मनुष्य का मनुष्य से संबंध जैसे खत्म-सा हो गया है। आप तकनीक के माध्यमों से सेवाएँ तो प्राप्त कर रहे हैं, लेकिन उनमें मानवीय स्पर्श का अभाव है। मैं अपने कमरे में बैठकर सारे काम कर लेता हूँ, लेकिन किसी अन्य व्यक्ति से मेरा कोई संपर्क नहीं होता। पहले कॉल सेंटर्स के माध्यम से, टेलीफोन पर ही सही, किसी इंसान से बात तो हो जाया करती थी। अब चैटबॉट्स ने वहाँ से भी मनुष्यों को हटा दिया है। किसी सेवा प्रदाता से शिकायत करने पर आपका सामना अक्सर 'एक दबाएँ, दो दबाएँ' वाली यांत्रिक प्रक्रिया से होता है, और दूसरी ओर कभी भी कोई जीवित व्यक्ति नहीं होता जो आपकी बात सुने या समझे।

> **तकनीक ने हमारे जीवन को सुगम बनाया है, लेकिन इसे नीरस और निष्प्राण भी बना दिया है। मानवीय स्पर्श बहुत तेज़ी से लुप्त हो रहा है। मनुष्य की जगह यंत्र ले रहे हैं, और चिंता की बात यह है कि यह यांत्रिकता हमारे जीवन में भी समा रही है। एक घर में चार लोग हों, तो सभी अपनी-अपनी स्क्रीन में डूबे रहते हैं। पति-पत्नी, माता-पिता और बच्चों, या भाई-बहन के बीच संवाद कम हो गया है। त्योहारों पर भी शुभकामनाएँ अब कॉपी-पेस्ट संदेशों या इमोजी तक सिमट गई हैं। शुभकामनाएं देना-लेना एकदम मशीनी हो गया है उसमें कोई आत्मीयता नहीं रह गई है।**

जरा उस समय को याद करें, जब ये सुविधाएँ उपलब्ध नहीं थीं। हम बैंक में पैसे जमा करने या निकालने जाते थे, लाइन में खड़े होते थे, और काउंटर पर बैठे कर्मचारी से दुआ-सलाम होती थी। बिजली, पानी, या टेलीफोन का बिल जमा करवाते समय भी यही आत्मीयता मिलती थी। पुराने जमाने में टेलीफोन ऑपरेटर से दोस्ती होती थी, जो जरूरत पड़ने पर हमारा कॉल पहले लगा देता था। बाजार की दुकानों से हमारा आत्मीय रिश्ता होता था। दुकानदार हमारे सुख-दुख में शामिल होते थे। मेरा काफी समय सिरोही जैसे छोटे कस्बे में बीता है। वहाँ किराने की दुकान का मालिक मुझे चाय और सिगरेट पिलाए और थोड़ी गपशप किए बिना दुकान से उठने ही नहीं देता था। मेरे घर के पास एक जनरल स्टोर था, जहाँ से मैं जरूरत का सामान खरीदता था। दिवाली के बाद जब मैं दुकानदार को शुभकामनाएँ देने जाता, तो वह मुझे साल में एक बार सिगरेट ऑफर करता। आज वह आत्मीयता मुझे बहुत याद आती है। अमेजन से मैं कितना ही सामान खरीद लूँ, वहाँ मुझे कोई नहीं जानता।

हालांकि, ई-कॉमर्स साइट्स ने किताबें खरीदना आसान बना दिया है, लेकिन जयपुर में शेखर की दुकान पर जाकर उससे गपशप करते हुए और बहुत सारी किताबों के पन्ने पलट कर कोई एक या दो किताबें खरीदने का सुख अब खो गया है। शेखर कहता था, यह किताब ले जाओ, पढ़कर लौटा देना, और मैं जिद करके पैसे देता। कई बार वह अपनी पसंद की किताबें पढ़ने की सलाह देता, जिसके कारण मैंने कई महत्वपूर्ण और अविस्मरणीय किताबें पढ़ीं। भला अमेज़ॉन मुझे यह सुख दे सकता है?

ई-कॉमर्स साइट्स की लोकप्रियता में हमारे व्यापारियों की भी भूमिका है। उनका रूखा व्यवहार और ग्राहकों के प्रति संवेदनशीलता का अभाव ग्राहकों को ऑनलाइन खरीदारी की ओर धकेल रहा है। व्यापारियों को इस पर विचार करना होगा कि वे अपने व्यवहार और व्यावहारिकता से ग्राहकों को कैसे आकर्षित करें। थोड़ा-सा प्रयास करके और अपने व्यवहार में बदलाव लाकर वे ई कॉमर्स साइट्स को गम्भीर चुनौती दे सकते हैं। हममें से हरेक वैयक्तिक स्पर्श को पसंद करता है। लेकिन ऐसा करने के लिए उन्हें प्रशिक्षण की जरूरत है, और यह काम सरकार, व्यापारिक संगठन, और स्वयंसेवी संस्थाओं को मिलकर करना होगा। अभी तो अधिकांश दुकानदार बहुत ही रूखा व्यवहार करते हैं। उनका टोन यह होता है कि सामान बेचकर आप पर उपकार कर रहे हैं। इस रवैये को बदले बग़ैर स्पर्धा में उनका टिका रहना नामुमकिन होगा। यदि व्यापारियों ने अपने व्यवहार में सुधार नहीं किया, तो इसका बड़ा खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा। इसकी शुरुआत तो हो ही चुकी है। तमाम आंकड़े ये बताते हैं कि ई कॉमर्स साइट्स उनसे उनका व्यापार छीनती जा रही हैं।

तकनीक ने हमारे जीवन को सुगम बनाया है, लेकिन इसे नीरस और निष्प्राण भी बना दिया है। मानवीय स्पर्श बहुत तेज़ी से लुप्त हो रहा है। मनुष्य की जगह यंत्र ले रहे हैं, और चिंता की बात यह है कि यह यांत्रिकता हमारे जीवन में भी समा रही है। एक घर में चार लोग हों, तो सभी अपनी-अपनी स्क्रीन में डूबे रहते हैं। पति-पत्नी, माता-पिता और बच्चों, या भाई-बहन के बीच संवाद कम हो गया है। त्योहारों पर भी शुभकामनाएँ अब कॉपी-पेस्ट संदेशों या इमोजी तक सिमट गई हैं। शुभकामनाएं देना-लेना एकदम मशीनी हो गया है उसमें कोई आत्मीयता नहीं रह गई है। कई बार हम किसी संदेश को पूरा पढ़े बिना ही प्रतिक्रिया दे देते हैं, जिससे अजीब स्थितियाँ बन जाती हैं। उदाहरण के लिए, किसी मित्र ने अपने परिजन की तस्वीर पोस्ट की, और किसी ने बिना पूरा संदेश पढ़े ही 'विनम्र श्रद्धांजलि' लिख दिया, जिसके बाद ऐसी प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई।

इस यांत्रिकता का एक और पहलू है। ये सुविधाएँ पश्चिम से आई हैं, जहाँ काम करने वाले हाथों की कमी है। लेकिन भारत में स्थिति उलट है। हमारे यहाँ जनसंख्या अधिक है, और हम पहले से ही बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहे हैं। तकनीक और मशीनीकरण इस समस्या को और गंभीर बना रहे हैं, क्योंकि पहले मनुष्यों द्वारा किए जाने वाले काम अब यंत्रों से हो रहे हैं। निश्चित रूप से, तकनीक का उपयोग जरूरत पड़ने पर करना चाहिए। यह हमारी जिंदगी को आसान बनाती है। लेकिन इसका दास बन जाना या बिना जरूरत के इसका उपयोग करना हमारे हित में नहीं है। हमें तकनीक और मानवीय संबंधों के बीच संतुलन बनाना होगा। सुविधा और आत्मीयता दोनों का समन्वय ही हमें एक सार्थक और संपूर्ण जीवन की ओर ले जा सकता है।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

आरक्षण..... अक्षय, सनातन

राम निवास बैरवा

आरक्षण के बहाने पूरे भारत के गली-कूंचों में सामाजिक विद्वेष की भड़ास निकालने का दौर चल रहा है। सामाजिक विद्वेष की भड़ास निकालने की यह बीमारी सरकार और कार्यपालिका के शीर्ष स्तर तक फैली हुई है। भड़ास निकालने वाले अपनी बात को संवैधानिक रूप से सही साबित करने के लिए संविधान के निर्माण का श्रेय अंबेडकर के बदले बी.एन. राव को दिये जाने का अविवेकपूर्ण प्रयास भी किया गया है। लेकिन संविधान की छाया में रह कर संविधान को नकारना बारिश में फटी छतरी ओढ़ने जैसा है। बरहाल ऐसे लोगों के साथ तर्क-वितर्क करने की, विचार-विमर्श की कोई गुंजाइश भी नहीं है।

मदन मोहन मालवीय, मोहनदास गांधी, भीमराव अंबेडकर आदि बेवकूफ थे जिन्होंने पूना पैक्ट पर हस्ताक्षर किये थे; संविधान सभा के 300 के लगभग सदस्य नालायक थे जिन्होंने संविधान में आरक्षण की बात स्वीकार की तथा राज्यों की नीति के निदेशक तत्वों में सामाजिक विषमताओं को समाप्त करने का दायित्व सरकारों पर डाला था। जिन लागों का सैद्धान्तिक और विचारात्मक रूप से पूना पैक्ट और संविधान निर्माण से दूर-दूर तक भी संबंध नहीं था, वे ही संविधान की छतरी को तार-तार करके उसमें अपने सत्ता-सुख और सामाजिक विद्वेष को जीवन दान देना चाहते हैं, यह सम्भव नहीं हो सकता।

आरक्षण को आज लोकतान्त्रिक संविधान में स्थान दिया गया है उसकी साफ तौर पर व्याख्या भूतकाल की व्यवस्था, वर्तमान के उत्तरदायित्वों और भविष्य के समाज की रूपरेखा को व्यक्त करती है। और बहुत हद तक वर्तमान शासन व्यवस्था को बनाये और उसे बचाये रखने का भी संदेश है- बचाये रखने का संदेश इस मायने में कि सामाजिक विसंगतियों के चलते सम्भावित क्रान्तियों से सरकार और समाज को बचाये रखना है।

समाज और राजनीति में एकाधिकार आरक्षण का सनातन रूप हैं, जिसमें समाज के बहुत बड़ी आबादी को सम्मानजनक सामाजिक जीवन और राजनीतिक भागीदारी से दूर रखा जाता है। लोकतन्त्रों में यदि किसी वर्ग विशेष को आरक्षण दिया जाता है तो उसका मतलब होता है कि वह विशाल आबादी उस व्यवस्था को स्वीकार कर रही है, वह उस समाज और व्यवस्था के खिलाफ क्रान्ति जैसी परिवर्तनकारी भूमिका निभाने को तैयार नहीं है।

यह सत्ताधारी एकाधिकार प्राप्त वर्गों का सौभाग्य है कि वर्तमान संविधान ने उनके एकाधिकार को पूर्ण सुरक्षा प्रदान की है, तथा क्रान्ति के संवाहक लोगों को धर्म और जातियों में विभाजित करके सत्ताधारी वर्गों के एकाधिकार में से कुछ पदों पर उन्हें आरक्षण के माध्यम से अपने एकाधिकार को सुरक्षित रखने का प्रावधान किया गया है। जबकि जिन्हें आरक्षण दिया गया है उन लोगों को सामुदायिक रूप से उस मात्रा में भागीदारी नहीं मिली है, जिसे हम नौकरियों में आरक्षण तथा शिक्षा के क्षेत्र में कुछ प्राथमिकताएं मिलने के रूप में देखते हैं जिससे कि वे प्रशासन एवं अन्य क्षेत्रों में कुछ सीमा तक भागीदार बन सके।

आरक्षण को संविधान में दो भागों में बांटा गया है, पहला- राजनीतिक, जो कि चुनावों के माध्यम से राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों के लिए है। यह आरक्षण सिर्फ लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभाओं में चुने जाने में निहित है और वह आरक्षण मूल रूप से केवल दस वर्षों के लिए था। लेकिन इस राजनीतिक आरक्षण से राजनीतिक पार्टियों के हित साधन के लिए उनको 27-30 प्रतिशत मूक समर्थक मिल जाते हैं अतः कोई भी राजनीतिक पार्टी नहीं चाहती कि अब वह आरक्षण खतम हो। इसी स्वार्थ परकता के चलते इसे हर दस वर्षों के लिए बढ़ा दिया जा रहा है- (अनुच्छेद, 330; 332; 334)।

इसके विपरीत, सरकारी नौकरियों में आरक्षण अनुच्छेद 339, 341 व 342 में प्रावधान किये गये हैं। जब शिक्षा के मापदण्ड अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजातियों के लोग पूरा नहीं कर पायेंगे तो उनका उन पदों पर वैसे भी चयन कठिन है। वहीं, दूसरी तरफ, नौकरियों में नियुक्तियां देने का अधिकार उन्हीं एकाधिकार प्राप्त लोगों का मिला हुआ है। वे अपने सामाजिक पूर्वाग्रहों से बाहर निकल कर कैसे उन्हें अपने समकक्ष बिठा पायेगे। ऐसी दशा में योग्यता-अयोग्यता का पैमाना और उसका फैसला उन्हीं अधिकारियों के पास होने के कारण संविधान की उक्त अपेक्षाएं नकारात्मक परिणाम दे रही हैं।

लेकिन फिर भी आरक्षण को इस तरह से लिया जा रहा है जैसे अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों के लोग उनके एकाधिकार को चुनौती हैं और हर तरह से कोशिश की जाती है कि वे प्रशासन में उस मात्रा में और उस स्तर भागीदार नहीं बने जहाँ उनकी नीतियों और निर्णयों को प्रभावित कर सके। यहाँ तक उनके आरक्षण को नकारात्मक बनाने के लिए संविधान की रक्षक न्यायपालिका भी उतर चुकी है। इस प्रकार के आरक्षण को और भी कमजोर और नकारात्मक बनाने के लिए अनिवार्य सक्षम शिक्षा प्राप्त करने के अवसरों को खतम किये जा चुके हैं वह चाहे फीस आदि की वृद्धि के द्वारा हो या प्रवेश को सीमित करके हो या सरकारी शिक्षा संस्थानों को बंद करके हो।

अच्छा है! आरक्षण का दान देने वाले एकाधिकार प्राप्त प्रशासनिक-राजनीतिक अधिकारी अगर ऐसे ही काम करते रहेंगे तो एक दिन ये जातियां मजदूर-किसानों के रूप में एकबद्ध होकर क्रान्ति के मार्ग पर चलकर उनके एकाधिकार को पूरी तरह खतम कर देंगे। सब परिस्थितियां भविष्य के गर्भ में है, समाज और राजनीति को किस दिशा में ले जाती हैं, भविष्य ही बतायेगा।

-राम निवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

अंध भक्त और अंध विश्वास

अशोक कुमार

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और समाज में संवाद का सबसे शक्तिशाली माध्यम भाषा है। भाषा न केवल विचारों को व्यक्त करती है, बल्कि यह हमारी सामाजिक चेतना, मूल्यों और दृष्टिकोणों को भी दर्शाती है। हाल के वर्षों में, सार्वजनिक विमर्श और राजनीतिक बयानबाजी में कुछ ऐसे वाक्यांशों का प्रयोग बढ़ा है, जो अपनी अभिव्यक्ति में भले ही राजनीतिक या वैचारिक आलोचना करते हों, लेकिन जिनका अंतर्निहित अर्थ समाज के एक विशेष वर्ग, विशेष रूप से दिव्यांग समुदाय, के प्रति अपमानजनक या असंवेदनशील हो सकता है। ऐसे ही दो प्रमुख वाक्यांश हैं: 'अंध भक्त' और 'अंध विश्वास'!

1. भाषा और दिव्यांगता: उपमाओं का अनैतिक प्रयोग

अंध भक्त और अंध विश्वास जैसे वाक्यांशों में अंध शब्द का उपयोग किसी व्यक्ति की तर्कहीनता, विवेक की कमी, या तथ्यों की अनदेखी को दर्शाने के लिए एक उपमा के रूप में किया जाता है। जब हम किसी व्यक्ति को अंध भक्त कहते हैं, तो हमारा तात्पर्य होता है कि वह व्यक्ति बिना सोचे-समझे, आँख मूंदकर किसी का अनुसरण कर रहा है। इसी प्रकार, अंध विश्वास का अर्थ है किसी बात पर बिना किसी तार्किक आधार के भरोसा करना। सतह पर, ये उपमाएँ केवल वैचारिक आलोचना लगती हैं, लेकिन इनकी गहरी समस्या यह है कि वे दिव्यांगता को नकारात्मकता से जोड़ती हैं। वे अप्रत्यक्ष रूप से यह संदेश देती हैं कि दृष्टिबाधित होना या अंध होना, तर्कहीनता, मूर्खता या आलोचनात्मक सोच की अनुपस्थिति का पर्याय है।

यह एक प्रकार का सक्षमवाद है, जहाँ दिव्यांगता को एक कमी के रूप में देखा जाता है और भाषा के माध्यम से इसका उपहास किया जाता है। दृष्टिबाधित व्यक्ति अपनी पहचान को तर्क या विवेक की कमी के रूप में नहीं देखते हैं; वे दुनिया को देखने और समझने के लिए विभिन्न संवेदी साधनों का उपयोग करते हैं। ऐसे में, किसी राजनीतिक समर्थक को अंध भक्त कहकर संबोधित करना न केवल उस समर्थक का अपमान है, बल्कि यह उन लाखों दृष्टिबाधित व्यक्तियों को भी अपमानित करता है जो अपने जीवन में पूरी तरह से सक्षम और विवेकशील हैं।

2. अंध भक्त का राजनीतिकरण और नैतिक जिम्मेदारी

पिछले कुछ वर्षों में, अंध भक्त शब्द का इस्तेमाल भारतीय राजनीतिक विमर्श में प्रमुखता से हुआ है। यह अक्सर किसी विशेष नेता या दल के समर्थकों की आलोचना करने के लिए उपयोग किया जाता है। इस शब्द का राजनीतिकरण इसे और भी अधिक समस्याग्रस्त बना देता है।

सामाजिक प्रभाव: जब मीडिया, राजनेता या सार्वजनिक हस्तियाँ इस शब्द का लगातार उपयोग करते हैं, तो यह धीरे-धीरे समाज की सामान्य शब्दावली में शामिल हो जाता है। यह अनजाने में भी दिव्यांगता के प्रति असंवेदनशीलता को बढ़ावा देता है। यह दिव्यांग व्यक्तियों के खिलाफ एक नकारात्मक सामाजिक रूढ़िवादिता को मजबूत करता है, जिससे उनके सामाजिक समावेश में बाधा आती है। यह समाज में दिव्यांगों को कमतर या दयनीय के रूप में देखने की मानसिकता को भी बढ़ावा देता है, जबकि समावेशी समाज में उन्हें पूर्ण नागरिक के रूप में देखा जाना चाहिए।

नैतिक जिम्मेदारी: भाषा का उपयोग करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वह ऐसी उपमाओं से बचे। लोकतंत्र में आलोचना आवश्यक है, लेकिन आलोचना की भाषा सम्मानजनक और समावेशी होनी चाहिए। किसी के तर्कहीन समर्थन की आलोचना करने के लिए किसी की शारीरिक स्थिति का उपहास करना या उसे नकारात्मकता से जोड़ना अनैतिक है।

3. अंध विश्वास और भाषाई शुचिता

अंध विश्वास वाक्यांश का प्रयोग भी उसी भाषाई समस्या से ग्रस्त है। इसका अर्थ होता है तर्क या प्रमाण के बिना विश्वास करना। यहाँ भी, अंध शब्द का उपयोग नकारात्मकता को दर्शाने के लिए किया गया है।

हमें यह समझना होगा कि किसी विश्वास का अंधा होना उसके अविवेकपूर्ण होने का कारण नहीं है; वह विश्वास अपने आप में अविवेकपूर्ण हो सकता है। यह कहकर कि "यह विचार तर्कहीन है" या "यह एक निराधार विश्वास है", हम सीधे उस विचार की आलोचना करते हैं, न कि किसी की शारीरिक स्थिति को नकारात्मकता से जोड़ते हैं।

विवेकपूर्ण भाषा का सिद्धांत: विवेकपूर्ण भाषा के उपयोग का सिद्धांत यह है कि हमें किसी व्यक्ति या समूह की पहचान (जाति, लिंग, दिव्यांगता, धर्म, आदि) को किसी नकारात्मक गुण (जैसे मूर्खता, कट्टरता, आलस्य) से नहीं जोड़ना चाहिए। ऐसा करने से हम जाने-अनजाने में पूर्वाग्रहों को बढ़ावा देते हैं।

4. समावेशी संवाद के लिए वैकल्पिक भाषा

एक संवेदनशील और समावेशी समाज के निर्माण के लिए, हमें ऐसे वाक्यांशों के विकल्प तलाशने चाहिए जो हमारे विचार को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें, लेकिन किसी भी समुदाय का अपमान न करें। अंध भक्त और अंध विश्वास के लिए कुछ बेहतर विकल्प निम्नलिखित हो सकते हैं:–

अंध भक्त को कट्टर समर्थक, तर्कहीन अनुयायी, आँख मूंदकर अनुसरण करने वाला! अंध विश्वास को तर्कहीन विश्वास, निराधार आस्था, बिना प्रमाण के विश्वास।

इन विकल्पों का उपयोग करने से हमारा संवाद अधिक सटीक और अधिक नैतिक बनता है। हम किसी व्यक्ति की आलोचनात्मक सोच की कमी को दर्शाते हैं, न कि किसी शारीरिक अक्षमता को।

5. निष्कर्ष: भाषा, समाज और सम्मान

भाषा एक जीवित इकाई है जो समय के साथ विकसित होती है। एक संवेदनशील समाज के रूप में, हमें उन शब्दों को त्यागना होगा जो ऐतिहासिक रूप से या उपमा के रूप में किसी समूह के लिए अपमानजनक रहे हैं।

अंध भक्त और अंध विश्वास जैसे वाक्यांशों का बहिष्कार केवल भाषाई शुद्धता का मामला नहीं है; यह सामाजिक न्याय और दिव्यांग व्यक्तियों के प्रति सम्मान का मामला है। हमें यह पहचानना होगा कि हमारी अनजाने में की गई भाषाई पसंद भी सामाजिक पूर्वाग्रहों को गहरा कर सकती है। एक समावेशी और लोकतांत्रिक विमर्श के लिए यह आवश्यक है कि हम अपनी भाषा को सचेत रूप से चुनें। आइए, हम ऐसी भाषा का उपयोग करें जो सभी नागरिकों के सम्मान को सुनिश्चित करे और दिव्यांगता को तर्कहीनता या मूर्खता के पर्याय के रूप में चित्रित करने वाली किसी भी उपमा से मुक्त हो। भाषा शक्ति है, और हमें इसका उपयोग विवेकपूर्ण, नैतिक और समावेशी तरीके से करना चाहिए।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

अलवर पुलिस ने सायबर जागरूकता साइकिल रैली निकाली

रैली में लोगों को बताया कि सायबर ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, सभी सतर्क रहें

अलवर, (निसं)। अलवर पुलिस ने रविवार को सायबर जागरूकता साइकिल रैली निकाली। रैली के दौरान पुलिस ने लोगों को माइक से आवाज लगाकर बताया कि साइबर ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए सभी को सतर्क रहना चाहिए। किसी अनजान कॉल, लिंक या मैसेज पर अपनी निजी जानकारी या बैंक डिटेल्स कभी शेयर नहीं करें। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर किसी के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी होती है, तो तुरंत 190 नंबर पर कॉल करें या वेबसाइट पर शिकायत दर्ज करें। आजकल ठग फ्रॉड करने के नए-नए तरीके तलाश रहे हैं, लेकिन किसी भी अनजान को जानकारी नहीं देनी है।

- **'किसी अनजान कॉल, लिंक या मैसेज पर अपनी निजी जानकारी या बैंक डिटेल्स कभी शेयर नहीं करें'**
- **रैली में कई थानों के एसएचओ व पुलिस लाइन के जवान शामिल रहे और लोगों को जागरुक किया**

रैली अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) कांबले शरण गोपीनाथ (आईपीएस) की अगुआई में निकाली गई। रैली सुबह नौ बजे पुलिस लाइन अलवर से शुरू होकर घोड़ा फेर, आर.आर. कॉलेज, नेहरू गार्डन, नंगली सर्किल, बिजलीघर चौराहा, भगत सिंह सर्किल, काशीराम चौराहा, घंटाघर, होप सर्कस, पुलिस कंट्रोल रूम, अशोका टॉकीज होते हुए फिर से पुलिस लाइन पर खत्म हुई।

इस अवसर पर एएसपी कांबले शरण गोपीनाथ ने बताया कि अक्टूबर नेशनल सायबर सिक्योरिटी माह है और उसके अंतर्गत अलवर पुलिस अलग-अलग तरीके से सायबर के खिलाफ लोगों को जागरूक कर रही है कि सायबर फ्रॉड से कैसे बचा जा सकता है और आजकल किस तरह की सायबर फ्रॉड एक्टिव है और फ्रॉड होने के बाद आप कहां-कहां शिकायत कर सकते हैं, जिसको लेकर ये रैली निकाली गई, इसमें कई थानों के एसएचओ व पुलिस लाइन के जवान शामिल रहे।

ग्रामीण सेवा शिविर में लोगों को राहत मिली

भीलवाड़ा, (निसं)। ग्रामीण सेवा शिविर ग्राम पंचायत फूलियाकलां में आयोजित किया गया। उपखण्ड अधिकारी फूलियाकलां ओमप्रकाश, तहसीलदार फूलियाकलां रामदेव धाकड़, कनिष्ठ अभियंता, पंचायत समिति शाहपुरा एवं प्रशासक ग्राम पंचायत फूलियाकलां के दिशा-निर्देशन में 14 विभागों ने आमजन का कार्य सम्पादित किया और मौके पर ही लोगों को राहत पहुंचाई।

- **शिविर में 14 विभागों ने आमजन का कार्य सम्पादित किया और मौके पर ही लोगों को राहत पहुंचाई**

शिविर के दौरान ग्राम फूलियाकलां तहसील फूलियाकलां निवासी प्रार्थी नानूराम पुत्र रूघनाथ एवं लालीदेवी पत्नी धनराज बैरागी ने ग्राम फूलियाकलां स्थित अपनी सह खातेदारी भूमि खसरा संख्या 4694, 4695, 4698 की आपसी सहमति से खाता विभाजन करवाने के लिए उपखण्ड अधिकारी फूलियाकलां के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। उपखण्ड अधिकारी फूलियाकलां ने तत्काल तहसीलदार फूलियाकलां को कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। तहसीलदार फूलियाकलां के निर्देशानुसार राजस्व टीम द्वारा भी तत्परता से प्रार्थियों की समस्या को संज्ञान में लेते हुए आपसी समझाइश एवं सहमति से विभाजन प्रस्ताव मौके पर ही बनाकर तहसीलदार के समक्ष प्रस्तुत किया। तहसीलदार ने विभाजन प्रस्ताव पर सहमति विभाजन के आदेश जारी किये जाकर प्रार्थीयों को राहत प्रदान की और वर्षों पुरानी समस्या का मौके पर ही समाधान किया। सहमति से खाता विभाजन होने पर प्रार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त की और राज्य सरकार तथा पूरे प्रशासन को धन्यवाद दिया। इस प्रकार ग्रामीण सेवा शिविर ग्रामीण कृषको को उनके अधिकार दिलाने में सफल हुआ तथा यह केम्प उनके लिए वरदान साबित हुआ।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 27 अक्टूबर, 2025

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, मूल नक्षत्र दिन 1:28 तक, अतिगंड योग प्रातः 7:26 तक, कौलव करण सायं 7:02 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-धनु, मंगल-तुला, बुध-वृश्चिक, गुरू-मिथुन, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज कुमार योग सूर्योदय से दिन 1:28 तक है। रवियोग दिन 1:28 से 10:47 तक है। आज सूर्य षष्ठी व्रत दूसरा दिन है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:00 तक, शुभ 9:24 से 10:47 तक, चर 1:34 से 2:58 तक, लाभ अमृत 2:58 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:37, सूर्यास्त 5:44 तक

मेष

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक जिम्मेदारियों में वृद्धि होगी। उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

कन्या

परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

तुला

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में यात्रा संभव है। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है।

धनु

व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मकर

आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

कुंभ

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

मीन

नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना बनेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित-दृढ़ सोच-विचार हो सकता है।

सार-समाचार

परिजनों ने अभिषेक के नेत्र दान किए

पाली, (नि.सं.)। किसी जरूरत मंद को दृष्टि का दान करना भी परोपकार का सबसे बड़ा माध्यम है । पाली शहर में नेत्रदान अब परिवार की परम्परा का हिस्सा बनता जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अंबे नगर, मंडिया रोड निवासी मेहता परिवार ने अपने परिवार के सदस्य अभिषेक मेहता पुत्र स्वर्गीय श्री प्रेमचंद मेहता का मरणोपरान्त नेत्रदान करवाकर प्रेरणास्पद उदाहरण प्रस्तुत किया है। किडनी की समस्या के कारण हृदयाघात से हुऐ असामायिक निधन का समाचार सुनते ही पूर्व पार्षद अशोक बाफना, विकास संकलेचा एवं आई बैंक सोसाइटी ऑफ़ राजस्थान, पाली चैप्टर के सचिव केवल चंद कवाड़ ने दिवंगत की धर्मपत्नी श्रीमती भावना काका महावीरचंद, राजेंद्र कुमार भाई अनिल कुमार, मनीष कुमार, अरविंद कुमार पुत्र चिराग पुत्री हर्षिता एवं मेहता परिवार से दिवंगत के नेत्रों के दान का निवेदन किया। जिसकी स्वीकृति प्राप्त होते ही आई बैंक सोसाइटी, पाली चेप्टर के हुक्मीचंद मेहता, हेमंत चोपड़ा एवं भंवर लाल सेमलानी ने डॉ. आर. के. गर्ग, टेक्नीशियन रईस खान सहायक राजेंद्र सिंह राजपुरोहित के सहयोग से दिवंगत की दोनों आंखे दान में प्राप्त कर सामाजिक कार्यकर्ता दयाल सिंह तंवर के सहयोग से जयपुर भिजवाई जहां कार्निया प्रत्यारोपित कर दो दृष्टिबाधित बन्धुओं को दृष्टि प्रदान की जायेगी। संस्था की और से दिवंगत के परिजनों, सहयोगी एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

पूर्व विद्यार्थियों ने पुरानी यादें ताजा की

रेवदर, (नि.सं.)। विद्या भारती शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक रेवदर में पूर्व छात्रों का स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें सर्वप्रथम संयोजक चेतन राव, सहसंयोजक हेमाराम व आशीष चौधरी एवं जिला पूर्व छात्र प्रमुख व प्रधानाचार्य प्रवीण रावल ने मां भारती एवं मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथि देवो भवः के अनुरूप अतिथियों का स्वागत तिलक, दुपट्टा पहनाकर करके किया गया।कार्यक्रम में मुख्यवक्ता प्रधानाचार्य प्रवीण रावल ने प्रतिवेदन सहित बताया कि विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद भारत का सबसे बड़ा छात्र संगठन है जो राष्ट्र रक्षा में अनवरत सर्वोपरि योगदान देता रहता है। पंच प्रण सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जागरण, नागरिक शिष्टाचार पर संबोधित किया। पूर्व छात्र तरुण अग्रवाल, नरेंद्र बंजारा, जगदीश कुमार, महावीर छीपा, जितेंद्र खंडेलवाल, सिद्धार्थ चौधरी आदि ने शिक्षा सेवा संस्कार को प्रतिदिन जीवन में लाने की प्रेरणा देते हुए अपने बचपन की यादों के विचार प्रगटीकरण किए। कार्यक्रम की प्रस्तावना एवम संचालन वरिष्ठ आचार्य भंवर दास वैष्णव ने किया । सरकारी सेवा में कार्यरत पूर्व छात्र मनोज लोहार, यजुवेंद्र सिंह का भी सम्मान किया। कार्यक्रम में सबके लिए अल्पाहार की व्यवस्था पूर्व छात्रों द्वारा मिलकर की गई। कार्यक्रम में प्रश्न मंच, आशु भाषण व रस्सी खचाखची की प्रतियोगिताओं के माध्यम से पूर्व छात्रों ने आनंद लिया। इस स्नेह मिलन में लगभग 80 से अधिक पूर्व छात्रों की उपस्थिति रही।

भाजपाइयों ने बूथों पर सुनी मन की बात

जालोर,(का.सं.)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित के नेतृत्व व जिला संयोजक एडवोकेट सुरेश सोलंकी के निर्देशन में जालौर जिले के सभी बूथों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का मन की बात कार्यक्रम सामूहिक रूप से सुना गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 127वें एपिसोड में छठ महापर्व की सामाजिक एकता और सांस्कृतिक महिमा पर प्रकाश डालते हुए सभी से इस उत्सव में शामिल होने का आठाह किया। उन्होंने कोरापुट कॉफी, स्वदेशी वस्तुओं के प्रोत्साहन, जीएसटी बचत उत्सव, पर्यावरण संरक्षण, भारतीय नस्ल के श्वानों को बढ़ावा और झीलों के पुनरुद्धार जैसे विषयों पर प्रेरक उदाहरण साझा किए। प्रधानमंत्री ने 31 अक्टूबर को रन फॉर यूनिटी में भाग लेने का आ ान करते हुए लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को राष्ट्र एकता के संकल्प के रूप में मनाने का संदेश दिया। साथ ही 7 नवंबर से 'वन्देमातरम्' के 150वें वर्ष के उत्सव की शुरुआत का उल्लेख कर सभी देशवासियों से इसमें सहभागी बनने का आग्रह किया। जिला मुख्यालय पर भाजपा नगर मंडल द्वारा मन की बात सुनी गई। जिसमें मन की बात जिला संयोजक एडवोकेट सुरेश सोलंकी, नगर अध्यक्ष रवि सोलंकी, कार्यक्रम नगर संयोजक सुरेश सुंदेशा, दिनेश महावर, डिंपल सिंह, हरीश राणावत, अमन मेहता, हेमेंद्र सिंह बगैडिया, अचल सिंह परिहार, दिलीप सोलंकी सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जीव को सुनने का स्वभाव रखें : सुमति

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर में चौरड़िया भवन में विराजित सुमति मुनि ने रविवार को अपने प्रवचन में कहा कि जीव को सुनने का स्वभाव रखना चाहिए। सुनने से लाभ होता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उन्होंने कहा कि हम जो जानते हैं वह मानते नहीं है। असत्य, माया,लोभ करना हम अच्छा नहीं मानते है लेकिन उस पर आचरण नहीं करते। यह अज्ञान है। अज्ञान को जानना ज्ञान की प्राथमिक स्थिति है। सुनकर ही अज्ञान दूर होता है एवं कल्याण मार्ग को जाना जाता है। श्रुत ज्ञान से अगर हम छोड़ने के लिए तैयार नहीं होते है तो जो लाभ मिलना चाहिये, वह नहीं मिलता है। श्रुत ज्ञान की परार्वतना कर उसे अपने भीतर बैठाने से नया आशय प्राप्त होता है। जो सुना है, समझा है उसका जीवन में उतारने का पुरुषार्थ करें। इससे पूर्व साध्वीश्री ने अपने प्रवचन में कहा कि हमारा ज्ञान सही जगह पर लगता है तो हमारे सारे गुण सही जगह पर रहेंगे। सदबुद्धि प्राप्त करने का अचूक उपाय जिनवाणी सुनना है । जिससे सम्यक ज्ञान प्राप्त होता है। अपने ज्ञान को बार बार दोहराते रहे व नित्य नये ज्ञान सीखने की ललक रहै। संघ अध्यक्ष देवराज बोहरा, मंत्री माणकराज ललवानी तथा अशोक बोहरा ने बताया कि आज बावड़ी व ब्यावर के संघ गुरुचरणों में उपस्थित हुआ ।आज जयमल जैन पाठशाला सैंकड़ों बच्चों ने रविवारिय शिविर में भाग लिया। संचालन राजेन्द्र लुणिया ने किया।

हजूरी समाज की बैठक आयोजित

जैसलमेर, (नि.सं.)। महिषासुर मर्दनी मन्दिर हजूरी समाज के प्रांगण में समाज कार्यकारणी और संरक्षक मण्डल की सयुंक्त बैठक रखी गई। श्री हजूरी समाज मीडिया प्रभारी भीमसिंह पवार ने बताया कि बैठक के प्रारंभ में गत दिनों में हुई बस दुखान्तिका एवं समाज के देवलोकगमन हुई आत्माओं की शांति के लिए 2 मिनट की श्रद्धाजंलि अर्पित की गई। तत्पश्चात विधिवत पूर्व बैठक के बिंदुओं पर चर्चा की गई। वर्तमान में प्रगतिरत महिषासुर मर्दनी जीर्णोद्धार कार्य का विवरण बताया गया। समस्त भामाशाहो के सहयोग ध्वनि मत से प्रशंषा की गई। बैठक में कमल सिंह भाटी (अध्यक्ष), भैरु सिंह महेचा (संयोजक), नारायण सिंह पाऊ (महासचिव), गोरधन सिंह चौहान (वरिष्ठ उपाध्यक्ष),भंवर सिंह महेचा (उपाध्यक्ष), राजेन्द्र सिंह भाटी (कोषाध्यक्ष), दलपत सिंह पंवार (सह कोषाध्यक्ष), गणपत सिंह सोलंकी (सह सचिव), रमन सिंह भाटी (संगठन मंत्री), रमन लाल पंवार, मोहन सिंह भाटी, दामोदर सिंह तंवर, मोती सिंह तंवर, सुजान सिंह चौहान, अर्जुन सिंह सिसोदिया, प्रेम सिंह चौहान, चंद्रवीर सिंह पंवार, अजयपाल सिंह भाटी, दलपत सिंह पाऊ, महेंद्र सिंह तंवर, भीम सिंह पंवार, विक्रम सिंह भाटी, अर्जुन सिंह भाटी, प्रेम सिंह राठौड़, विक्रम सिंह राहड़, राहुल राठौड़, प्रेम सिंह सोलंकी, रंजीत सिंह सिसोदिया उपस्थित रहे।

भारत समन्वय धाम मंदिर में अन्नकूट

जोधपुर, (कासं)। कमला नेहरू नगर स्थित भारत समन्वय धाम मंदिर में रविवार को अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर आरती में भाग लिया और भक्ति रस में लीन हो गए। मंदिर में दोपहर के समय विशेष आरती का आयोजन किया गया। आरती के पश्चात सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर राधा-कृष्ण का आकर्षक एवं मनमोहक श्रृंगार किया गया, जिसे देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि अन्नकूट महोत्सव प्रत्येक वर्ष बड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है। उद्देश्य समाज में प्रेम, एकता और सेवा की भावना को प्रबल करना है। पूरे दिन मंदिर में भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों की गूंज बनी रही।

लक्ष्मीनाथ भगवान को 56 व्यंजनों का भोग

जैसलमेर, (नि.सं.)। दुर्ग स्थित अराध्य देव श्री लक्ष्मीनाथ भगवान के मंदिर में लाभ पंचमी रविवार की शाम भव्य छप्पन भोग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लक्ष्मीनाथ भगवान के छप्पन व्यजनों का भोग लगाया गया। छप्पन भोग के आयोजन को लेकर मंदिर परिसर को पुष्प मालाओं से श्रृंगारित किया गया। शाम को छप्पन भोग के बाद आरती की गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर छप्पन भोग के दर्शन किए। साथ ही प्रसादी ग्रहण की।

पाली में विश्व हिन्दू परिषद् के कार्यक्रमों पर चर्चा हुई

पाली, (नि.सं.)। विश्व हिन्दू परिषद् की पाली जिला बैठक हंस निर्वाण सरस्वती विद्या मंदिर जोधपुर रोड में बजरंग दल के राष्ट्रीय सह संयोजक किशन प्रजापत , विश्व हिन्दू परिषद के विभाग मंत्री शैतानसिंह बिरोलिया के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई।

जिला मंत्री बाबूलाल कुमावत ने बताया कि बैठक संगठन की आचार पद्धित जिसमें मां भारती, भगवान श्री राम दरबार के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर ओंकार मंत्र, एकात्मकता मंत्र ,विजया महामंत्र के प्रारंभ की गई।

बैठक दो सत्रों में की गई। प्रथम सत्र में विभाग मंत्री शैतानसिंह बिरोलिया ने संगठन की कार्य योजना पर प्रकाश डालते हुए आगामी दो माह में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। जिसमें सत्संग विस्तार/ सत्संग दर्शन सप्ताह 26अक्टूबर से 2 नवम्बर, गोपाष्टमी कार्यक्रम 30 अक्टूबर से 2 नवम्बर,हुतात्मा दिवस के अवसर पर रक्तदान अभियान 30 अक्टूबर से 2 नवंबर, बजरंगदल संस्कार सप्ताह 9 नवम्बर से 16 नवम्बर, संत प्रवास बस्ती व प्रखंड योजना 1 दिसम्बर से 7 दिसंबर , हिन्दू शौर्य दिवस गीता जयंती 30 नवम्बर से 14 दिसंबर, धर्म रक्षा दिवस स्वामी श्रद्धानंद, गुरु गोविन्द सिंह, छत्रपति शिवाजी जैसे महा पुरुषों की जयंती 23 दिसंबर 31 दिसम्बर और बजरंगदल शौर्य प्रशिक्षण वर्ग, 25 दिसंबर से 1 जनवरी तक के कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई गई। बैठक में विभाग मंत्री शैतानसिंह बिरोलिया ने हिंदू शंखनाद कार्यक्रम का वृत पेश किया गया। वहीं प्रखंडों की समिति पूर्ण करने व जिले के सभी 80 खंडों की समिति बनाने व ग्राम समिति ज्यादा से ज्यादा बनाने पर जोर दिया।

बैठक में राष्ट्रीय सह संयोजक किशन प्रजापत ने हिन्दू शंखनाद कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाने पर सभी पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया। आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की, ताकि कार्यक्रम सफल हो। जिले में बजरंगदल द्वारा आयोजित होने वाले हुतात्मता दिवस पर रक्तदान शिविर ज्यादा से ज्यादा हो, उसको लेकर योजना दूसरे सत्र में बनाई गई।

राष्ट्रीय सह संयोजक किशन प्रजापत ने सभी कार्यक्रमों को लेकर प्रभारी नियुक्त किए। जिसमें हुतात्मता दिवस कार्यक्रम व धर्म रक्षा दिवस के किशन सिरवी मारवाड़, शौर्य दिवस व गोपाष्टमी के रानीदान रोहट, सत्संग विस्तार व संत प्रवास के बाबूलाल कुमावत पाली, बजरंगदल संस्कार सप्ताह मनीष सेन, बजरंगदल प्रशिक्षण वर्ग के भीमराज चौधरी को नियुक्त किया।

जिला मंत्री बाबूलाल कुमावत ने सबका आभार व दीपावली की शुभकामनाएं दी। शांति पाठ के साथ बैठक संपन्न हुई। जिला अध्यक्ष नरेंद्र माछर, जिला मंत्री बाबूलाल कुमावत, दुर्गावाहिनी प्रांत संयोजिका विनीता तनवानी, जिला सह मंत्री किशन सिरवी, धर्माचार्य संपर्क प्रमुख परमेश्वर शर्मा, मातृशक्ति विभाग संयोजिका प्रकाश कंवर, जिला गौसेवा प्रमुख रानीदान सहित कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

चिराग अग्रवाल जे.सी.आई के अध्यक्ष निर्वाचित

जोधपुर, (कासं)। जेसीआई जोधपुर सनसिटी के कार्यकारिणी के चुनाव होटल शीशो में सम्पन्न हुए। चुनाव के अनुसार आगामी वर्ष के लिए चिराग अग्रवाल अध्यक्ष एवं जितेन लपासिया सचिव निर्वाचित हुए।

साधारण सभा में पूर्व मंडल अध्यक्ष उमेश लीला, पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा, दीपक अग्रवाल, सुरेश भंसाली, खुश सिंघवी, विकास भंडारी, विजय जैन, जितेंद्र प्रजापत उपस्थित रहे।

वर्तमान अध्यक्षा रितिका भवरिया ने बताया कि अध्यक्ष सचिव का निर्वाचन निर्विरोध सम्पन्न हुआ आगामी दिनों में कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा। नवनिर्वाचित अध्यक्ष चिराग अग्रवाल ने भविष्य की योजनाओं पे प्रकाश डाला एवं जेसीआई के मूल उद्देश्य युवाओं में नेतत्व निर्माण, व्यक्तिगत निखार के कार्यक्रमों का उल्लेख किया।

पूर्व मंडल अध्यक्ष उमेश लीला ने नवनिर्वाचित टीम को बधाई दी।

वरिष्ठजनों ने दीपावली स्नेह मिलन समारोह किया

पाली, (नि.सं.)। रविवार को वरिष्ठ नागरिक समिति की मासिक बैठक का आयोजन कारण सिंह चाली स्थित सभागार में डॉ रामलाल मोहबारशा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

महामंत्री नरपत सिंह कुंपावत ने बताया कि आज की मासिक बैठक में सर्वप्रथम गत माह की बैठक की कार्यवाही सुनाई गई जिसे सर्व सम्मति से उपस्थित सदस्यों ने हाथ खड़े करके अनुमोदन किया। उसके पश्चात महा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम के रैना द्वारा दीपावली को लेकर आयोजित कार्यक्रम पर जिला अध्यक्ष ने चर्चा की और सभी ने प्रशंसा की।

तत्पश्चात जेतारण शाखा के नेतृत्व में परिवर्तन पर विचार किया गया। पाली जिले के गांव आउवा में 36 वीं शाखा खोलने की जिम्मेदारी महामंत्री शाखाएं गौतम चंद यति और गणपत सिंह दहिया को दी गई।

तत्पश्चात पाली जिला वरिष्ठ नागरिक समिति के संरक्षक पद जो पदमश्री अर्जुन सिंह शेखावत के देहांत के पश्चात रिक्त पड़ा था, उस पर समिति के सचिव दिनेश दवे ने डॉ के एम शर्मा के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसे उपस्थित सभी वरिष्ठ जनों ने हर्ष के साथ अनुमोदन किया।

उसके पश्चात अक्टूबर माह में जन्मे मदन गोपाल अरोड़ा, पी वाई शेषाद्री ,गोपी किशन माहेश्वरी, कांतिलाल मुथा आदि का जिला अध्यक्ष ने माला पहनकर जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी। महामंत्री नरपत सिंह कुंपावत ने उनके जन्मदिवस पर चिरायु रहने और सदैव समाज सेवा में सक्रिय रहने की शुभकामनाएं प्रकट की।

इसके पश्चात दीपावली के महत्व पर विचार विमर्श किया। जिसमें समिति सचिव दिनेश दवे, मदन गोपाल अरोड़ा, नगर परिषद पूर्व, उपाध्यक्ष श्रीमती सूरज देवी सांखला ने खचाखच भरे हॉल में विचार रखे। आज के इस कार्यक्रम में सुरेश चंद्र शर्मा को कमल प्रकाश शर्मा के प्रेरणा से नया सदस्य बनाकर जिला अध्यक्ष ने माला पहनकर स्वागत किया। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष नवरत्न मल गुप्ता, सुवालाल पेड़ीवाल, राजेश अरोड़ा, दलपत मल सिंघवी, श्रवण कुमार तंवर ,कुंदन सिंह भाटी, नरेश कुमार शर्मा , हंसा राम भायल, चैन सिंह खींची, सुनील कुमार टॉक, विष्णु कुमार गोयल, सुरेश कुमार जालोरा, रामदयाल गांधी, बाबूलाल अग्रवाल, मोहनलाल पंवार, घिसालाल अणकिया, कमल किशोर अग्रवाल, प्रमोद कुमार माथुर ,राधेश्याम भाटी, सत्यनारायण गुप्ता, मदनलाल व्यास, पीसी शाह आदि उपस्थित रहे।

ज्ञात रहे की वरिष्ठ नागरिक समिति जिला शाखा पाली की बैठक 1 नवंबर से इसी सभागार में प्रातः 11 से 12 बजे तक होगी। महामंत्री द्वारा आगंतुक सदस्यों का धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सभा का समापन किया गया।

एकता, संस्कार व हिंदू सामर्थ्य पर मंथन किया

जालोर, (का.सं.)। जालोर जिला मुख्यालय पर रविवार को बजरंग सेना जालोर की और से एक विशाल आयोजन का आयोजन किया गया। जिलेभर से संत-महात्माओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, और जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में एकता, संस्कार, और हिंदू सामर्थ्य को सुदृढ़ करना रहा।

इस अवसर पर शेरनाथ महाराज भेरूनाथ अखाड़ा जालौर तथा अर्जुननाथ महाराज हल्देश्वर महादेव मठ जालौर ने अपने आशीर्वचन प्रदान किए। संतजनों ने कहा कि धर्म और समाज की रक्षा के लिए युवाओं को संगठित होकर कार्य करना होगा।

वहीं आहोर विधायक छगन सिंह राजपुरोहित, भाजपा के रणजीत सिंह, पूर्व पार्षद व नगर अध्यक्ष दिनेश बारोट, प्रदेश मीडिया प्रभारी बजरंग सेना बलवंत सिंह रमणिया, भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष दिलीप सोलंकी, तथा हिंदू युवा वाहिनी राजस्थान प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भी उपस्थित रहे।

महिला मोर्चा से विमला बिश्नोई (पूर्व जिला महामंत्री), महिला जिला अध्यक्ष शोभा कंवर, समाजसेवी सज्जन कंवर ने महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर बल दिया।

वहीं पंडित शशिकांत शास्त्री, सुरेश सोलंकी (हिंदू युवा संगठन), डिंपल सिंह चौहान, हरीश राणावत, कानाराम परमार, सुरेश कुमार ओटवाला जिला उपाध्यक्ष सहित कई पदाधिकारियों ने संबोधित किया।

कार्यक्रम के दौरान धार्मिक गीत, अखाड़ा प्रदर्शन, और समाजिक जागरण की प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनों में ऊर्जा और उत्साह भर दिया। बजरंग सेना के कार्यकर्ताओं ने यह संकल्प लिया कि धर्म, राष्ट्र और समाज की सेवा में सदैव तत्पर रहेंगे।

दीपावली स्नेह मिलन संपन्न

पाली, (नि.सं.)। पहली बार पाली शहर में रहने वाले श्रीमाली राजकीय कर्मचारी ओर सेवानिवृत्त कर्मचारी ग्रुप मेंबर का दीपावली स्नेह मिलन जोधपुर रोड स्थित रिसोर्ट में हुआ।

अमित त्रिवेदी ने बताया कि श्रीमाली ब्राह्मण राजकीय कर्मचारी एवं सेवानिवृत राजकीय कर्मचारी दीपावली स्नेह मिलन पर आपसी सौहार्द से मिले। वृद्ध सेवानिवृत लोगों का साफा व माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इसके लिए पुनीत दवे, लोकेश ओझा, विनय व्यास, सुनील जोशी, विनय दवे, हितेश नवीन व्यास ,ऋतिक दवे ने समारोह में सक्रिय भूमिका अदा की। समारोंह में विजय लक्ष्मी, नीलिमा अचलावत, राजेश त्रिवेदी, सहित कई राज्य कार्मिक मौजूद रहे।

बालाजी मंदिर में अन्नकूट आज

जोधपुर, (कासं)। 5 वीं चौपासनी रोड अग्रवाल बगेची में स्थित महावीर बालाजी मंदिर में भव्य अन्नकूट महोत्सव का आयोजन सोमवार को रखा गया है। मंदिर के सेवाधारी रमेश अग्रवाल ने बताया कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी पांचवी रोड अठावाल बगेची में स्थित महावीर बालाजी मंदिर में सोमवार, 27 अक्टूबर को भव्य अन्नकूट महोत्सव मनाया जाएगा। कार्यक्रम के तहत दोपहर 3 बजे से सायं 5 बजे तक सुंदरकांड पाठ होगा तथा बालाजी को 56 भोग चढ़ाकर भक्तों में वितरित किया जाएगा।

राज्य कबड्डी प्रतियोगिता 4 से

जालोर, (का.सं.)। 35 वीं राज्य स्तरीय सब जूनियर राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 4 से 7 नवंबर तक रामेश्वरम पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लालचंदपुरा, निवारू रोड, झोटवाड़ा जयपुर में होगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतियोगिता में जालोर जिले की बालक/बालिका वर्ग की दोनों टीमें भाग लेगी, जिले की श्रेष्ठ टीम के चयन हेतु 27 अक्टूबर को प्रातः 9 बजे से श्रीराजाराम सीनियर सेकेंडरी स्कूल हिंगलाज नगर सांचोर में प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया है ।

जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष दानाराम चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता में 60 किलो ठाम तक वजन के बालक एवं 55 किलो ठाम तक वजन की बालिकाएं भाग ले सकती हैं । प्रतियोगिता में जालोर जिले के मूल निवासी खिलाड़ी ही भाग ले सकते है ।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों एवं खिलाड़ियों को मूल निवास, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र,बैंक पासबुक की दो-दो फोटो कापी एवं पासपोर्ट साइज की दो फोटो प्रतियोगिता स्थल पर संघ सचिव जगदीश गोदारा को अनिवार्य तौर से उपलब्ध कराना होगा । आयोजन सचिव नवीन सोलंकी बताया की प्रतियोगिता में 29नवम्बर 2009 की जन्मतिथि के पश्चात के खिलाड़ी ही भाग ले सकेंगे।

28 अक्टूबर को जिला स्तरीय जुनियर बालक एवं बालिका की कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन होगा दोनों दोनों वर्गों की प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में जालोर जिला ओलम्पिक संघ के महासचिव लाल सिंह सांखला होंगे ।

प्रतियोगिता का आयोजन कबड्डी मेट पर करवाया जाएगा सभी खिलाड़ी शू पहनकर मैदान पर आएंगे।

'समाजसेवा व संस्कार के लिए बांठिया ट्रस्ट सक्रिय'

बालोतरा, (नि.सं.)। श्री चम्पालाल बांठिया चेरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष व भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणपत बांठिया के नेतृत्व में ज्ञान पंचमी व लाभ पंचमी का पर्व अभयधाम सिवाना के महंत नृत्यगोपालराम महाराज के सानिध्य में श्रद्धा के साथ मनाया गया।

लाभ पंचमी व ज्ञान पंचमी के पर्व पर बांठिया निवास पर आयोजित कार्यक्रम में महंत नृत्य गोपालराम महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि ज्ञान पंचमी आत्म ज्ञान और सत्य की साधना का प्रतीक है।

यह दिन हमें अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर जीवन में प्रकाश फैलाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि लाभ पंचमी धर्म और कर्म से अर्जित सच्चे लाभ का प्रतीक है, जो केवल आर्थिक नहीं बल्कि आध्यात्मिक भी होता है। महाराज ने उपस्थितजनों से कहा कि हमें अपने जीवन में सेवा, करुणा, और ज्ञान के मार्ग पर चलकर समाज के कल्याण में योगदान देना चाहिए।

इस दौरान उन्होंने गणपत बांठिया की ओर से समाजसेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मकता और संस्कारों का प्रसार होता है।

भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य व ट्रस्ट अध्यक्ष गणपत बांठिया ने कहा कि ज्ञान और लाभ दोनों ही जीवन के दो आधार स्तंभ हैं। ज्ञान से व्यक्ति का आत्मविकास होता है और लाभ से समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने की शक्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सेवा के माध्यम से जन-कल्याण करना है।

बांठिया ने कहा कि महंत नृत्यगोपालराम महाराज जैसे संतों का आशीर्वाद समाज को सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे अपने जीवन में ज्ञान, सेवा और धर्म के मार्ग पर चलें ताकि समाज में प्रेम, सद्भाव और प्रगति का वातावरण बना रहे।

इस दौरान अशोक चोपड़ा ने आभार व्यक्त किया ट्रस्ट के बाबूलाल भन्साली, अशोक चौपड़ा, सजय सालेचा, विपुल चौपड़ा, नेमीचंद बारूपाल, ऋषभ तातेड़, धनराज मेघवाल, अरिहंत कुमार, भाजयुमो जिलाध्यक्ष महिपाल सिंह करनोत सहित शिव जैन भक्त मंडल के शांतिलाल लुंकड़, अशोक चौपड़ा, सजय टेंट, दिनेश गोलेच्छा, भैरुलाल सालेचा सहित कई लोग मौजूद रहे।

पुथेड़ा भांखर आश्रम में लाभ पंचमी मनाई

पाली, (नि.सं.)। मणिहारी पंचायत में पुथेड़ा भांखर आश्रम में शुभ लाभ पंचमी के अवसर पर मंहत्त चम्पापुरीजी महाराज के सानिध्य में दीपावली त्यौहार स्नेह मिलन समारोह हुआ।

शंकरपुरी व लखनपुरी महाराज की धूणी समाधि प्रांगण में श्रद्धालू भक्त भामाशाह और जनप्रतिनिधि द्वारा 501 दीपक के साथ रंग बिरंगी रंगौली सजावट कर भगवान प्रभु श्रीराम व महालक्ष्मी की प्रतिमा पर पुष्प माल्यार्पण कर प्रसादी का भोग लगाकर आरती पुजा अर्चना की। भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील भण्डारी, पूर्व विधायक ज्ञानचन्द्र पारख, पूर्व चेयरमैन महेन्द्र बोहरा, पूर्व यू.आई.टी चैयरमेन संजय ओझा, भाजपा जिला मीडिया सह संयोजक पायल पटेल, पूर्व छात्र संग अध्यक्ष कविता पटेल, भाजपा नेता हरिभाई पटेल, शिवलाल प्रजापत, प्रेम पटेल, भंवरलाल सोलंकी, भेराराम, नरसीगराम आदि मौजूद रहे।

रानीखेत एक्सप्रेस के नवंबर में 18 ट्रिप बदले मार्ग से

जोधपुर, (कासं)। जयपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य के अंतर्गत एयर कॉनकोर्स (फेज-2) की स्थापना के लिए किए जा रहे महत्वपूर्ण ब्लॉक की वजह से नवंबर और दिसंबर में ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा।

जोधपुर डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि उपरोक्त तकनीकी ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनों का संचालन नवंबर और दिसंबर में प्रभावित रहेगा। रेल प्रशासन ने यात्रियों से आग्रह किया है कि वह 9 नवंबर से 12 दिसंबर तक इस ब्लॉक अवधि के दौरान अपनी ट्रेनों की स्थिति जांच कर ही अपनी यात्रा प्रारंभ करें जिससे उन्हें कोई असुविधा न हों। तकनीकी कार्य को लेकर ब्लॉक के कारण ट्रेन 15013,जैसलमेर-काठगोदाम रानीखेत एक्सप्रेस जो 9 से 12,14,22 से 24,26 से 28 व 30 नवंबर से 2 दिसंबर व 6 से 9 दिसंबर तक (18 ट्रिप) जैसलमेर से प्रस्थान करेगी वह अपने निर्धारित मार्ग फुलेरा-जयपुर-रेवाड़ी की जगह परिवर्तित मार्ग फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी होकर संचालित होगी तथा रास्ते के रींगस, नीमकाथाना व नारनौल स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

ट्रेन 15014, काठगोदाम-जैसलमेर रानीखेत एक्सप्रेस जो 8 से 11, 13,21 से 23,25 से 27 और 29 नवंबर से 1 दिसंबर और 5 से 8 दिसंबर तक (18 ट्रिप) काठगोदाम से प्रस्थान करेगी वह अपने निर्धारित मार्ग रेवाड़ी-जयपुर-फुलेरा की जगह परिवर्तित मार्ग रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा होकर संचालित होगी और रास्ते के नारनौल,नीमकाथाना व रींगस स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

ट्रेन 18573,विशाखापट्टणम - भगत की कोठी साप्ताहिक एक्सप्रेस जो 27 नवंबर को (एक ट्रिप) विशाखापट्टणम से प्रस्थान करेगी वह परिवर्तित मार्ग सोगरिया-चंदेरिया-अजमेर- मारवाड़ जंक्शन होकर संचालित होगी और रास्ते के भीलवाड़ा, विजयनगर, अजमेर, मारवाड़ जंक्शन स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

गुड़ामालानी से पैदल संघ जसोल धाम रवाना

गुड़ामालानी ,(नि.सं.)। गुड़ामालानी कस्बे के जैन मोहल्ला स्थित माजीसा मंदिर से रविवार को सजे रथ के साथ दर्जनों पदयात्री श्रद्धालुओं का संघ रविवार को जसोल माजीसा धाम दर्शनार्थ रवाना हुआ।

एक साथ जयकारों के साथ हाथो मे ध्वजा लिए श्रद्धालुओं का संघ गाजे -बाजे के साथ कस्बे के मुख्य मार्गो से गुजरा तो माहौल आस्था व भक्तिमय हो गया।

रविवार दोपहर कस्बे के जैन मोहल्ले में स्थित माजीसा मंदिर से दर्जनों पदयात्रियों का संघ जसोल माता राणी भटियाणी धाम दर्शनार्थ रवाना हुआ। डीजे पर भक्ति भजनों के साथ संजे रथ में माजीसा की प्रतिमा एवं अखंड ज्योत के साथ हाथो मे ध्वजा लिए जयकारे लगाते पदयात्रियो श्रद्धालुओं का संघ कस्बे के मुख्य मार्गो से निकला तो जयकारो से माहौल भक्तिमय हो गया। माजीसा सेवा समिति के मदनलाल मालू , ठाकूर हेमेंद्र सिंह के नेतृत्व में गुड़ामालानी से रवाना हुए संघ में नरपत सिंह मकवाना, सुरेश शर्मा,राजेश देवेरा, महावीर जैन, अभयसिंह राजावत, दिलीप शर्मा,भरत श्रीमाली सहित दर्जनों श्रद्धालू जसोल माता राणी भटीयाणी धाम दर्शनार्थ रवाना हुए।

संघ को समाजसेवी चंद्रप्रकाश मोदी, सोहनलाल बागरेचा, अशोक दहिया, चेलाराम माली आदि स्वागत कर रवाना किया।

शास्त्र पूजन व ज्ञान आराधना का आयोजन

जोधपुर, (कासं)। अमरनगर स्थित ऊजी तारा त्रिस्तुतिक संघ भवन में रविवार को वचन सिद्ध साध्वी कल्पलता की पावन निश्रा में ज्ञान पंचमी पर्व श्रद्धा, भक्ति और ज्ञानमय भावनाओं के साथ मनाया।इस मौके शास्त्र पूजन, आराधना, ज्ञान मंत्र जाप और आगम ग्रंथों की आरती की गई।

इस अवसर पर साध्वी श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि मनुष्य मति एवं श्रुतज्ञान लेकर जन्म लेता है, लेकिन आगे के तीन ज्ञान अवधि, मनःपर्यय और केवलज्ञान की प्राप्ति के लिए गहन तप, साधना और पुरुषार्थ आवश्यक है। हमारा मति एवं श्रुतज्ञान निर्मल रहे, इसके लिए हमें निरंतर ज्ञान मंत्र का जाप करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि ज्ञान की आराधना करते समय 'ज्ञान की वीराधना' न हो, इसका विशेष ध्यान रखना चाहिए। झूठे मुख से वाचन या अध्ययन न करें। शब्दों वाले वस्त्र धारण न करें, और ज्ञान ग्रंथों या कागजों को कभी न जलाएं।

इसी प्रकार राजेन्द्र भवन में सभी साहित्य, सूत्रों और उपकरणों की सुंदर सजावट की गई। 45 आगम ग्रंथों, अभिधान राजेन्द्र कोष सहित सभी ज्ञानठांथों की विधिवत पूजा-अर्चना कर आरती उतारी गई।

संघ आराधना समिति सदस्य कलावती बागरेचा और नीलम भंडारी ने बताया कि श्रद्धालुओं ने देव वंदन, ज्ञान मंत्र जाप, प्रतिक्रमण आराधना तथा एकासना, आयम्बिल और उपवास तप किया। संयोजक अशोक पोरवाल ने बताया कि देश के विभिन्न प्रांतों एवं स्थानीय क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने गहन श्रद्धा व उत्साह के साथ ज्ञान पंचमी की आराधना में भाग लिया।

सूर्य उपासना के महापर्व छठ पर डूबते सूर्य की पूजा

जालोर, (का.सं.)। लोक आस्था और पूर्वांचल संस्कृति का अनुपम प्रतीक छठ महापर्व इस वर्ष 27 अक्टूबर को जालोर में बड़े श्रद्धा भाव और धार्मिक उत्साह से मनाया जाएगा।

छट पर्व का आयोजन सुंदेलाव तालाब के पवित्र घाट पर संपन्न होगा। चार दिनों तक चलने वाले इस व्रत की विशेषता यह है कि इसमें महिलाएं निर्जला उपवास रखकर सूर्य देव और छठी मैया की पूजा करती हैं। यह व्रत शुद्धता, संयम और तपस्या का प्रतीक माना जाता है। सायंकाल के समय श्रद्धालु महिलाएं जल में खड़ी होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगी, वहीं अगले दिन प्रातःकाल उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रत का समापन करेंगी।

घाटों पर इन दिनों छठ मइया के भक्ति गीतों की गूंज से वातावरण पवित्र बन जाता है केरवा जे फरेला घाट पे... और उगी हे सूरज देव... जैसे गीतों से हवा में भक्ति और अपनापन घुल जाता है। महिलाएं पारंपरिक साड़ी पहनकर सिर पर दउरा में प्रसाद लिए, परिवार की सुख-समृद्धि और संतान की दीर्घायु के लिए प्रार्थना करती हैं। प्रसाद की पवित्रता भी इस पर्व की विशेष पहचान है । ठेकुआ, कसार, गुड़, चावल, गन्ना और दुध जैसे सात्विक पदार्थ मिट्टी के पात्रों में सजा कर सूर्य देव को अर्पित किए जाते हैं।

आयोजन समिति के अंकित तिवारी एवं निखिल तिवारी ने बताया कि बताया कि छठ महापर्व केवल पूजा नहीं, बल्कि यह प्रकृति, सूर्य, जल और मानव जीवन के सामंजस्य का पर्व है, जो आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देता है।

जालोर जिले में आम आदमी पार्टी की बैठकें

जालोर, (नि.सं.)। आम आदमी पार्टी जालोर द्वारा जिले में संगठन विस्तार एवं सशक्तिकरण के लिए लगातार बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत अब तक जालोर, रानीवाड़ा, सांचौर और भीनमाल विधानसभा क्षेत्रों में बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इन बैठकों में स्थानीय पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और संगठन के विस्तार के लिए ठोस रणनीतियों पर चर्चा की गई।

अगले चरण में आहोर विधानसभा क्षेत्र में भी शीघ्र ही बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें नए पदाधिकारियों की घोषणा और संगठन के आगामी रोडमैप पर चर्चा की जाएगी।

इस पूरे अभियान की निगरानी आम आदमी पार्टी राजस्थान के प्रभारी श्री धीरज धोकस एवं सह प्रभारी घनेंद्र भारद्वाज द्वारा की जा रही है।इन्होंने जिले के संगठन विस्तार के लिए जिला कॉर्डिनेटर फारूक ख़ान बिशनगाढ़, नरपत सिंह जैतवात और रामलाल विश्नोई सांचौर को नियुक्त किया है।

जिला कॉर्डिनेटरों ने अब तक चारों विधानसभा क्षेत्रों का दौरा कर कार्यकर्ताओं से संवाद किया। पार्टी के जिला स्तर पर यह निर्णय लिया गया है कि आगामी नगर निकाय चुनाव, पंचायती राज चुनाव एवं जिला परिषद चुनाव में मजबूती से भाग लेगी।

घर में घुसकर युवक ने चाकू से महिला का गला रेता, हालत गंभीर

गंभीर घायल महिला को एमजी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, उपचार जारी

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र में रविवार की अल सुबह एक युवक ने घर में घुसकर महिला का गला रेत दिया। गंभीर घायल महिला को एमजी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार सुभाष नगर थाना क्षेत्र के कुवाड़ा खान में रहने वाली 40 वर्षीय आशा कंवर पत्नी शैतान सिंह पर कोटा निवासी नवीन नामक युवक ने जानलेवा हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि आरोपी युवक घायल महिला के साथ टाइल लगाने का काम करता था आशा और युवक आपस में भाई बहन की तरह रहते थे। रात को आरोपी अपने मां-बाप के साथ उनके घर पर आया और देर रात अचानक तीन से चार बजे के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। अलसुबह करीब छह बजे जब आशा रसोई में थी। उसी वक्त आरोपी ने सब्जी काटने के धारदार चाकू से आशा पर हमले कर दिया और बाद में आरोपी भी अंदर से दरवाजा बंद कर बैठ गया। अल सवेरे महिला की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर आरोपी को पकड़ लिया। बाद में उसे पुलिस को सौंप दिया गया। वहीं घायल महिला को महात्मा अस्पताल में भर्ती करवाया गया है आरोपी नवीन को पुलिस ने हिरासत में लेकर गहनता से पूछता शुरू कर दी है।

घायल महिला को इलाज के लिये अस्पताल में भर्ती कराया।

- बताया जा रहा है कि आरोपी युवक घायल महिला के साथ टाइल लगाने का काम करता था, आशा और युवक आपस में भाई-बहन की तरह रहते थे
- रात को आरोपी अपने मां-बाप के साथ महिला के घर पर आया और देर रात अचानक तीन से चार बजे के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया
- आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर आरोपी को पकड़ लिया, बाद में उसे पुलिस को सौंप दिया

जेवरात व नकदी चोरी

उदयपुर, (निसं)। सूने मकान का चोर ताला तोड़ कर चोर जेवरात व नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित चंदेसरा निवासी ओमप्रकाश मेघवाल पुत्र लोगर मेघवाल ने बाइक सवाद दो चोर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 25 अक्टूबर सवेरे घर पर ताला लगा कर काम से गया। करीब डेढ घंटे बाद लौटा तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। इस पर तलाशी ली तो सोने की टॉप्स, एक किलो चांदी के जेवरात तथा 24 हजार रूपये नकदी गायब थी। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। जिसकी जांच एएसआई शिवदत्तसिंह कर रहे हैं।

रीको की जमीन में पड़ी मार्बल स्लरी में युवक धंसा

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। मार्बल फैक्ट्रीयों से निकलने वाली स्लरी (सफेद पाउडर) राहगीरों के लिये भारी मुसीबत बन चुका है। टूंकड़ा रोड़ स्थित सीएनजी पैट्रोल पम्प के पास रीको की जमीन में पड़ी मार्बल स्लरी में युवक धंस गया। करीब दो घंटे की मशकक्त के बाद क्रेन की मदद से युवक को बाहर निकाला जा सका।

युवक पास में ही स्थित मार्बल फैक्टरी में ऑपरेटर के पद पर कार्यरत है, जिसका 70 प्रतिशत शरीर स्लरी में फंस गया। गनीमत रही मोबाइल से बात करते जा रहे पीड़ित युवक की हालात देखकर किसी ने मार्बल एसोसिएशन को सूचित कर दिया। अन्यथा बड़ा हादसा घटित हो जाता।

- दो घंटे की कड़ी मशकक्त के बाद क्रेन की मदद से युवक को बाहर निकाला
- मार्बल एसोसिएशन अध्यक्ष जैन ने रीको के प्रति नाराजगी जताई

मार्बल एसोसिएशन अध्यक्ष सुधीर जैन ने तत्काल मौके पर क्रेन भेजकर युवक को सुरक्षित बाहर निकलवाया। अध्यक्ष जैन ने बताया कि रिको की लापरवाही की वजह से फैक्टरी मालिकों द्वारा काफी समय से अवैध तरीके से रिको की जमीन पर स्लरी डाली जा रही है। निरंतर दिशा-निर्देश देने के साथ रिको अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद फैक्टरी मालिक चयनित स्थान पर स्लरी डालने के बजाय मनमर्जी से कही भी स्लरी खाली कर देते हैं। यहां तक कि ट्रेक्टर में भरी हुई स्लरी ट्रैक्टर- ट्रॉली टूटी हुई होने के कारण सड़क पर स्लरी बिखरे हुए नजर आती है, इससे सड़क पर उड़ान होने से राहगीरों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

तेज रफ्तार इनोवा कार पलटी, दो की मौत, पांच घायल

मंडावा निवासी सात युवक झुंझुनूं में एक शादी में शामिल होकर इनोवा गाड़ी से लौट रहे थे

मंडावा, (निसं)। क्षेत्र में देर रात दिल दहला देने वाला हादसा हुआ, जिसने शादी की खुशियों को पल भर में गम में बदल दिया। तेज गति से आ रही एक इनोवा कार के बेकाबू होकर पलटने से दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दर्दनाक सड़क हादसा मंडावा के तेतरा बस स्टैंड के पास देर रात को हुआ।

जानकारी के अनुसार, मंडावा निवासी सात युवक झुंझुनूं में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे और देर रात अपनी इनोवा गाड़ी से वापस मंडावा लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गाड़ी की गति बहुत तेज थी और तेतरा स्टैंड के पास पहुंचने पर गाड़ी बेकाबू हो गई। तेज रफ्तार और बेकाबू होने के कारण इनोवा गाड़ी अचानक पलट गई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही मंडावा पुलिस थाने से एएसआई मुलायम सिंह के नेतृत्व में एक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत उपचार के लिए मंडावा के स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया।

- प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गाड़ी की गति बहुत तेज थी और तेतरा स्टैंड के पास पहुंचने पर बेकाबू हो गई

एएसआई मुलायम सिंह ने बताया कि इनोवा में कुल 7 युवक सवार थे। इस हादसे में 2 युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान वार्ड 11 निवासी फाजल खत्री पुत्र अकबर हुसैन और वार्ड 13 निवासी वाशिद पुत्र नबाब के रूप में हुई है। वहीं, इस हादसे में साजिद, असरफ, रेहान, हारून और अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनका मंडावा के स्थानीय अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना का प्राथमिक कारण तेज गति और वाहन का बेकाबू होना है। दोनों मृतक युवकों के शवों का पोस्टमॉर्टम झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल में कराया गया।

घर में सो रही महिला आग लगने से जिंदा जली, मौत

खाना खाकर कमरे में सो रही थी महिला, पंखे से शार्ट-सर्किट होने से आग लगने की आशंका जताई

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां देर रात को एक महिला की जिंदा जलने से मौत हो गई। महिला अपने घर में सो रही थी। इस दौरान कमरे में अचानक आग लग गई, जिसमें उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक महिला जल चुकी थी। घटना पुरानी आबादी थाना क्षेत्र में कारगिल पार्क के पास वार्ड नं-16 की है। महिला की पहचान मधु बब्बर उर्फ ममता (57) के रूप में हुई है।

महिला के लड़के यश बब्बर (27) ने बताया कि परिवार रात को 10 बजे खाना खाकर सो गया था। उसकी मां भी अपने कमरे में अकेली सो रही थी। देर रात 12:30 बजे अचानक कमरे से धुएं और आग की लपटें निकलने लगी। जिसके बाद घर में अफरा-तफरी मच गई और परिवार के लोग शोर मचाने लगे। परिवार के लोगों ने बाल्टी, बर्तनों से पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। शोर सुनकर पड़ोसी भी जाग गए और आग बुझाने में लग गए।

- महिला पिछले 12 साल से कैंसर से पीड़ित थी और उसका इलाज चल रहा था

घटना की सूचना पुलिस व फायर ब्रिगेड को दी गई। जिसके बाद फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक महिला आग में झुलस चुकी थी। ममता बब्बर पिछले 12 साल से कैंसर से पीड़ित थी और उसका इलाज चल रहा था। पुरानी आबादी थाना प्रभारी रजीराम ने बताया- रात में आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

आग बुझने के बाद मकान की तलाशी ली गई तो अंदर महिला का जला हुआ शव मिला, जिसकी पहचान ममता बब्बर के रूप में हुई। शव को जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया। रविवार सुबह पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

उदयपुर, (निसं)। शादी का झांसा देकर पीड़िता के साथ दुष्कर्म करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता ने आरोपी पोरबंदर गुजरात निवासी फग्रेन्स मुसार नामक आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि पांच वर्ष पूर्व गुजरात में रहते हुए आरोपी से संपर्क हुआ। इस दौरान उसने नजदीकियां बढ़ने पर मुझसे शादी करने की बात कही तथा मेरे साथ दुष्कर्म किया। गत दिनों आरोपी ने मुझसे शादी करने से इनकार कर दिया। इस पर मई 2025 में वहां से लौट कर अपने पिता के पास चली आई, जहां गत दिनों उदयपुर जिला पुलिस अधीक्षक को रिपोर्ट देकर प्रकरण दर्ज करवाया। इस पर सुखेर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर घटना स्थल गुजरात साणंद का होने से रिपोर्ट वहां भेजी है।

अवैध शराब सहित चार गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। वृत्ताधिकारी पीपलू अरविन्द कुमार एवं थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा पीपलू क्षैत्र के नयागांव नहर के पास नाथडी से अवैध देशी शराब रखने पर आरोपी कमलेश चंदेल को गिरफ्तार किया और मामला दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 56 पव्वे अवैध देशी शराब के जप्त किये।

थानाधिकारी सोप के नेतृत्व में गठित टीम ने सोप क्षैत्र स्थित देहलवालजी धर्मशाला के पास से सुशील को 10 लीटर अवैध हथकड़ शराब के साथ गिरफ्तार किया। इसी प्रकार दूनी थाना पुलिस ने सत्यनारायण के कब्जे से अवैध देशी शराब के 48 पव्वे जब्त किये गये एवं विष्णु कंजर पुत्र सुवा लाल कंजर के कब्जे से देवपुरा रोड कंजर बस्ती के पास दूनी से दो लीटर अवैध हथकड़ शराब जब्त की।

बेकाबू कार ने भाजपा नेता की गाड़ी को टक्कर मारी

बीकानेर, (निसं)। यहां गंगाशहर क्षेत्र में तेज रफ्तार कार ने भाजपा नेता मोहन सुराणा सहित तीन बाइक को जबरदस्त टक्कर मार दी। गनीमत रही कि इस दौरान किसी को चोट नहीं लगी। ये कार उदयरामसर से गंगाशहर क्षेत्र में पहुंची थी और वहां खड़ी आधा दर्जन बाइकों को चपेट में लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीन बाइक्स कार के नीचे जा घुसी और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। इस दौरान बेकाबू कार ने भाजपा नेता मोहन सुराणा की कार को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में सुराणा की कार को भी नुकसान हुआ है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आसाम नंबर की यह कार तेज रफ्तार में बेकाबू होकर आई और सड़क किनारे खड़ी बाइकों में जा घुसी। हादसे के दौरान आसपास अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोग घरों से बाहर निकल आए और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। गनीमत यह रही कि सभी बाइकें उस समय बाहर खड़ी थीं और उन पर कोई सवार नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। घटना की सूचना मिलते ही गंगाशहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है और चालक की तलाश शुरू कर दी है। जिन लोगों की बाइक्स को नुकसान पहुंचा है, वो भी गंगाशहर थाने पहुंचे।

- सड़क किनारे खड़ी बाइकों में जा घुसी कार, ड्राइवर की तलाश में जुटी पुलिस

नील गायों के शिकार करने वाले दो आरोपियों को डिटेन किया

बूंदी, (निसं)। पिछले दिनों करवर थाना क्षेत्र के ग्राम कल्मिया व ग्राम जरखोदा के खेतों में मिले मृत जानवरों के अवशेषों के प्रकरण में करवर थाना पुलिस ने घटना में संलिप्त अपराधियों को डिटेन किया गया है। मामले में ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की थी।

जिला पुलिस अधीक्षक बून्दी राजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि थाना करवर क्षेत्र के ग्राम कल्मिया व ग्राम जरखोदा के खेतों में 18 व 22 अक्टूबर की रात्रि मे मिले मृत जानवरों के अवशेषों के संबंध में वन रेंज इन्द्रगढ़ में दर्ज प्रकरण तथा वन रेंज नैनवा में दर्ज प्रकरण में बून्दी पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए नील गायों का शिकार करने वाले दो अपराधियों को डिटेन करने में सफलता प्राप्त की है।

इन्होंने बताया कि 18-19 अक्तूबर की रात्रि को ग्राम कल्मिया में 4 जगह खेतों में मृत जानवरों के अवशेष मिले तथा मृत जानवरों के सिर व पैर घटना स्थल पर मिले जिनके सिर में गोली मारकर शिकार करना पाया गया था। वहीं 21-22 अक्टूबर की रात्रि में ग्राम जरखोदा-नाहरगंज के खेतों मे 4 जगहों पर मृत जानवरों के अवशेष मिले थे, जिनकी शिकारियों द्वारा गोली मारकर शिकार करना पाया गया, जिनका घटना स्थल पर पोस्टमार्टम करवाये जाकर सैम्पल लिये गये। मामले में पुलिस अधीक्षक बून्दी द्वारा घटना की गम्भीरता को देखते हुए घटना में संलिप्त अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया। करवर थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह सउनि के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा घटना स्थल का मौका मुआयना और तकनीकी साक्ष्यों के गहन विशलेष्ण के आधार पर घटना में लिप्त दो आरोपियों को डिटेन किया गया है। मामले में शेष अन्य आरोपियों सहित घटना में प्रयुक्त वाहन एक काले रंग की थार व एक अन्य पुरानी थार जीप एवं घटना में प्रयुक्त हथियारों की तलाश जारी है।

करवर थाना पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

दूषित पानी पीने से युवती की मौत

ग्रामीणों ने फैक्टरी के बाहर दिया

उदयपुर, (निसं)। जिले के फतहनगर थाना क्षेत्र के वासनीकला पंचायत के लदाना गांव में एक युवती की मौत के बाद लोगों ने प्रदर्शन किया। आक्रोशित ग्रामीण युवती का शव लेकर सीधे फैक्टरी के बाहर धरने पर बैठ गए। परिवार के लोगों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि केमिकल युक्त दूषित पानी पीने से युवती की जान गई है।

ग्रामीणों के अनुसार यूएस अमीनो प्रा.लि. नामक कंपनी से निकलने वाला केमिकल आसपास के कुओं के पानी में मिल रहा है। ग्रामीण इन्हीं कुओं से पीने का पानी लाने को मजबूर हैं और किसान भी अपनी फसलों को इसी दूषित पानी से सींचने के लिए विवश हैं। धरना स्थल पर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मावली एसडीएम रमेश सिरवी पहुंचे। हालांकि ग्रामीणों ने एसडीएम को घेर लिया और उन्हें बोतल में भरा हुआ वही दूषित पानी पीने के लिए कहा, जिससे युवती की मौत होने का आरोप है। एसडीएम ने पानी पीने से इनकार कर दिया। लोगों ने ये पूछा कि आखिर अब तक फैक्टरी बंद क्यों नहीं हुई, इस पर एसडीएम बोले कि प्रदूषण नियंत्रण विभाग ने हमें कहा कि फैक्टरी बंद है। इस पर ग्रामीण भड़क गए और बोले कि फैक्टरी चालू है। प्रदूषण नियंत्रण विभाग झूठ बोल रहा है। ग्रामीण फैक्टरी की सील करने की मांग पर अड़े हैं।

- परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि केमिकल युक्त दूषित पानी पीने से युवती की जान गई है

फैक्टरी के बाहर ग्रामीण शव के साथ एक पानी की बोतल भी लेकर बैठे हैं, जिसका रंग केमिकल की तरह झक पीला है। वहीं फैक्टरी के ठीक पास के कुएं का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें पीले रंग का पानी निकलता हुआ दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यहां स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को कई बार शिकायत कर चुके। धरने-प्रदर्शन दे चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

मामले में पुलिस ने पॉक्सो एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज किया

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना पुलिस ने अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म करने के एक मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस ने पॉक्सो एक्ट धारा में मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई ने बताया कि पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज जयपुर द्वारा एक विशेष अभियान के तहत वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया था, जिसकी पालना में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के सुपरविजन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के निर्देशन व प्रागपुरा थाना प्रभारी कश्मीर सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए प्रकरण में फरार चल रहे मालीराम पुत्र भैरुराम, मनीष पुत्र धूणाराम को गिरफ्तार किया। प्रागपुरा थानाधिकारी कश्मीर सिंह ने बताया कि पीड़िता के पिता ने 14 सितंबर 2025 को रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट के अनुसार मेरी बेटी का मालीराम पुत्र भैरुराम, मनीष पुत्र धुणाराम ने अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया, जिस पर मामला दर्ज कर वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत द्वारा अनुसंधान प्रारंभ किया गया।

प्रागपुरा थाना पुलिस ने अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म करने के एक मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जुआ खेलते तीन गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। सट्टे के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। पुलिस की टीम जुआ और सट्टा खेलने वाले अपराधियों पर लगातार नकेल कसने का काम कर रही है। विराटनगर थाना पुलिस ने भी सट्टे के खिलाफ कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से रुपए भी बरामद किए गए हैं। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई ने बताया कि लोकल एवं स्पेशल एक्ट की कार्रवाई हेतु विशेष अभियान की पालना में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन व विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर विराटनगर थाना क्षेत्र के ग्राम छितौली में रुपयों पर हार जीत का दाव लगाकर ताश के पत्तों से जुआ खेलने वाले अभियुक्त दीपक शर्मा, पप्पू उर्फ धोलाराम, धर्मपाल को 4900 रुपए व ताश के पत्तों सहित गिरफ्तार किया है।

आसींद क्षेत्र के गांव बगतु का खेड़ा में पेयजल संकट गहराया, ग्रामीण परेशान

पिछले छह महीने से गांव में चंबल पेयजल परियोजना का पानी नहीं आ रहा है, लोग एक हजार रुपये देकर पानी का टैंकर मंगवा रहे हैं

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद क्षेत्र की कावलाश पंचायत के गांव बगतु का खेड़ा में पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है, जिससे ग्रामीण, खासकर महिलाएं बेहद परेशान हैं। पिछले छह महीने से गांव में चंबल पेयजल परियोजना का पानी नहीं आ रहा है, जिससे दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि उन्होंने कई बार स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागों को इस समस्या से अवगत कराया है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। पानी की कमी के चलते ग्रामीणों को लगभग एक किलोमीटर दूर स्थित कुएं से पानी लाने को मजबूर होना पड़ रहा है। इसके अलावा, कई परिवारों ने अपने घरों में पानी के टैंक बना रखे हैं, जिनमें उन्हें 1000 रुपये खर्च करके टैंकर से पानी डलवाना पड़ता है।

ग्रामीण पप्पू गुर्जर ने अपनी व्यथा बताते हुए कहा कि न तो पशुओं के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध है और न ही घरों के उपयोग के लिए समय पर पानी मिल पाता है। पेयजल संकट से त्रस्त महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रशासन से शीघ्र समस्या के समाधान की मांग की है। प्रदर्शन के दौरान कई ग्रामीण मौजूद रहे। महिलाओं ने यह भी बताया कि करीब तीन साल पहले गांव में चंबल पेयजल लाइन डाली गई थी, लेकिन लाइन डालने के बाद एक दिन भी नियमित रूप से पानी नहीं आया। उन्होंने कहा कि बीच-बीच में एक या दो बार पानी आया होगा, लेकिन उसके बाद से एक भी बार पानी नहीं आया है। उन्होंने जोर देकर बताया कि पिछले छह महीने से तो गांव में एक बूंद भी पानी नहीं आया है। इतना ही नहीं, ग्रामीणों के अनुसार गांव में एक मात्र हैंडपंप है, वह भी खराब पड़ा है, जिससे पानी का कोई वैकल्पिक स्त्रोत भी उपलब्ध नहीं है। महिलाओं सहित ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द चंबल परियोजना की लाइन को दुरुस्त कर गांव में नियमित रूप से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

- ग्रामीणों को लगभग एक किमी दूर स्थित कुएं से पानी लाने को मजबूर होना पड़ रहा है
- परेशान महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन कर चंबल परियोजना की लाइन को दुरुस्त कर गांव में नियमित रूप से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की

36.95 ग्राम स्मैक सहित दो तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए 36.95 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए 36.95 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक सहित राहुल वर्मा और साहिल को गिरफ्तार किया है और दोनों ही आरोपत ट्रांसपोर्ट नगर इलाके के रहने वाले है। इसके अलावा मादक पदार्थ परिवहन में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन भी बरामद किया है। पुलिस आरोपियों से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे में जानकारी कर रही है।

अवैध शराब की तस्करी करने वाले दो आरोपियों को पकड़ा

वहीं दुसरी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी करने वाले दो आरोपियों को पकड़ा है और उनके पास से अवैध देशी शराब की 23 पेटी सहित शराब परिवहन में प्रयुक्त एक चौपहिया वाहन भी बरामद किया है। पुलिस ने अवैध देशी शराब की तस्करी करने वाले अविनाश देवली जिला टोंक और देवेन्द्र निवासी आमेर को गिरफ्तार कर उनके पास से अवैध देशी शराब की 23 पेटी जिसमे 1104 पव्वे जब्त किए है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है।

रिश्तेदार ने किया नाबालिग से दुष्कर्म

जयपुर। चाकसू थाना इलाके में रिश्तेदार ने ही नाबालिग लड़की से दुष्कर्म किया और किसी को ये बात बताने पर जान से मारने की धमकी । जिसके बाद आरोपी ने पीड़िता के अश्लील वीड़ियों सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। गुस्साए परिजनों ने पीड़िता को थाने ले जाकर आरोपी के खिलाफ पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया। पुलिस ने बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है। मामले की जांच कर रहे थानाधिकारी मनोहर लाल ने बताया कि थाना इलाके में रहने वाली पीड़ित पिता ने मामला दर्ज कराया है कि रिश्तेदार होने के कारण आरोपी का घर पर आना जाना था। आरोपी ने नाबालिग के अकेलपन का फायदा उठाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और किसी को ये बात बताने पर जान से मारने की धमकी दी। आरोपी रिश्तेदार ने अपने मोबाइल में बनाए नाबालिग के अश्लील वीडियो को फेसबुक और इंस्टाग्राम पर डालकर वायरल कर दिए। पीड़िता को इस मामले की जानकारी मिलने के बाद उसने अपने पिता के साथ थाने पहुंच आरोपी रिश्तेदार के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।

'महासंघ के आंदोलन की सफलता में राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा'

राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ का 11वा अधिवेशन प्रदेषाध्यक्ष दशरथ कुमार की अध्यक्षता में आायोजित हुआ

जयपुर । राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ का 11वा अधिवेषन, सेक्टर-8, सामुदायिक केन्द्र, अरावली मार्ग, मानसरोवर, जयपुर में प्रदेषाध्यक्ष दषरथ कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। समारोह मुख्य अतिथि गोपाल सिंह, सचिव, राजस्थान आवासन मण्डल, विषिष्ठ अतिथियों में महावीर प्रसाद शर्मा प्रदेषाध्यक्ष, अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ आयुदान सिंह कवैया, पूर्व प्रदेषाध्यक्ष गिरीन्द्र मिश्र, सुखेदव सिंह रमाणा संघ के पूर्व प्रदेषाध्यक्ष, कामरेड जे.के. छंगाणी, तेजसिंह राठौड़, बन्नाराम चौधरी, मण्डल के मुख्य अभियन्ता अमित अग्रवाल, टी.एस. मीणा, विभिन्न कर्मचारी संगठन के प्रदेषाध्यक्ष, महासचिव, मण्डल के अधिकारी कर्मचारियों ने भाग लिया।

आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ का 11वा अधिवेशन आयोजित किया।

संघ के महासचिव प्रदीप शर्मा एवं संयुक्त महासचिव गोविन्द नाटाणी ने बताया की सभी वक्ताओं द्वारा अपने-अपने उदबोधन में राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ द्वारा अब तक मण्डल हितों के साथ-साथ कर्मचारी हितों की रक्षा के लिए बढाये गये कदम एक कार्यों की भूरि-भूरि प्रषंसा की गई। महासंघ नेतृत्व एवं महासंघ कर्मचारी संघ की भागीदारी की प्रषंसा करते हुए बताया है महासंघ के आंदोलन की सफलता में राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारियों का विषेष योगदान रहा है। संघ के प्रदेष महामंत्री प्रदीप शर्मा द्वारा महासचिव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। संघ के प्रदेषाध्यक्ष दषरथ कुमार जो इस माह के अन्त में सेवानिवृत हो रहे है उन्हें साफा व शाल ओढाकर माल्यार्पण एवं प्रतीक चिन्हं देकर सम्मानित किया गया। संघ के द्वितीय सत्र में महासचिव के प्रतिवेदन पर सकारात्मक विचार विर्मष करते हुए संघ की मजबूति के लिए प्रस्ताव पारित किया गया तथा मण्डल की गतिविधियों का मुख्यालय संचालन हेतु सुझाव दिये गये है। कर्मचारी संघ के द्वितीय दिवस पर दिनांक 27.10.2025 को नये प्रदेषाध्यक्ष का मण्डल के कर्मचारियों द्वारा चयन किया जावेगा। संघ के द्वितीय चरण में मण्डल की अतिक्रमण, जमिनों पर से अतिक्रमण हटाने कर्मचारियों की रेन्टल स्कीम पुनः चालू करवाने, नवीन पंजीकरण योजना चालू कराने के बारे में विस्तृत चर्चा की गई।'महासंघ के आंदोलन की सफलता में राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारियों का विषेष योगदान रहा' जयपुर। राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ का 11वा अधिवेषन, सेक्टर-8, सामुदायिक केन्द्र, अरावली मार्ग, मानसरोवर, जयपुर में प्रदेषाध्यक्ष दषरथ कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

■ संघ के प्रदेषाध्यक्ष दषरथ कुमार जो इस माह के अन्त में सेवानिवृत हो रहे है उन्हें साफा व शाल ओढाकर माल्यार्पण एवं प्रतीक चिन्हं देकर सम्मानित किया

समारोह मुख्य अतिथि गोपाल सिंह, सचिव, राजस्थान आवासन मण्डल, विषिष्ठ अतिथियों में महावीर प्रसाद शर्मा प्रदेषाध्यक्ष, अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ आयुदान सिंह कवैया, पूर्व प्रदेषाध्यक्ष गिरीन्द्र मिश्र, सुखेदव सिंह रमाणा संघ के पूर्व प्रदेषाध्यक्ष, कामरेड जे.के. छंगाणी, तेजसिंह राठौड़, बन्नाराम चौधरी, मण्डल के मुख्य अभियन्ता अमित अग्रवाल, टी.एस. मीणा, विभिन्न कर्मचारी संगठन के प्रदेषाध्यक्ष, महासचिव, मण्डल के अधिकारी कर्मचारियों ने भाग लिया।

अवैध मादक पदार्थ गांजे की तस्करी करने वाला सप्लायर गिरफ्तार

जयपुर। जामडोली थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) जयपुर पूर्व ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजे की तस्करी करने वाले एक सप्लायर को गिरफ्तार कर उसके पास से एक किलो 427 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त किया है। फिलहाल आरोपी तस्करों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत जामडोली थाना पुलिस और डीएसटी पूर्व ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजे की तस्करी करने वाले तस्कर रवि तेली निवासी लालसोट जिला दौसा हाल जामडोली जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी तस्कर के पास से एक किलो 427 ग्राम गांजा बरामद किया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी रवि तेली स्वयं गांजा पीने का आदि है और यह गांजा बाहर से लेकर आता है और फिर छोटी-छोटी पुड़िया बना कर बेचता है। जिससे उसका खर्चा निकल जाता है। आरोपित को यह काम करते हुए पांच महीने हो गए है। पुलिस आरोपित तस्कर से अवैध मादक पदार्थ गांजा की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ कर रही है।

सार-समाचार

भाजपा प्रदेश कार्यालय में 'मन की बात'' कार्यक्रम को सुना

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मुख्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का सीधा प्रसारण सामूहिक रूप से सुना गया। इस अवसर पर किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर. चौधरी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, सह प्रभारी भवानी शंकर शर्मा तथा रजनीश चनाना सहित पार्टी के प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री द्वारा साझा किए गए विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और देश के विकास के लिए निरंतर जनसहभागिता बढ़ाने के संकल्प को दोहराया। भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने बताया कि ''मन की बात'' समाज के प्रत्येक वर्ग को प्रेरित करती है और जनजागरण का एक प्रभावी माध्यम बन चुकी है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया और देश के सर्वांगीण विकास में योगदान देने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

कलाकारों की पेंटिंग्स मुम्बई की आर्ट गैलेरी में कल से होंगी डिसप्ले

जयपुर। देश के छह मशहूर आर्टिस्ट्स की मिनिऐचर पेंटिंग्स की एग्जीबिशन मुम्बई की जहांगीर आर्ट गैलेरी में 28 अक्टूबर से 3 नवंबर तक लगाई जाएगी। सात दिवसीय प्रदर्शनी में दिल्ली के पद्मजय प्रकाश, हिमाचल की प्रिया गुप्ता, मुम्बई की आमी जावेरी, जयपुर के शिल्पगुरु नंदकिशोर वर्मा व हरीनारायण मारोटिया व शिल्पगुरु बाबूलाल मारोटिया के करीब 45 से अधिक आर्ट वर्क डिसप्ले किए जाएंगे। जयपुर के शिल्पगुरु बाबूलाल मारोटिया ने बताया कि प्रदर्शनी के दौरान तमाम आर्टिस्ट्स अपनी कला का लाइव डेमो भी देंगे। प्रदर्शनी में अधिकतर चित्र विभिन्न शैलियों के आधार पर जैसे जयपुर शैली, कांगड़ा, मुगल, किशनगढ़ समेत बसोली शैली के दिखाई देंगे। गौरतलब है कि साल 2017 में शल्पगुरु बाबूलाल मारोटिया की एकल चित्र प्रदर्शनी मुंबई की जहांगीर आर्ट गैलेरी में लगाई जा चुकी है।

श्रद्धांजलि अर्पित की

जयपुर। हिंदी फिल्मों के सुप्रसिद्ध हास्य अभिनेता स्वर्गीय गोरधन असरानी ,जिन्हें लोग प्यार से असरानी कहते थे ,उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए शास्त्री नगर के झूलेलाल मंदिर में सैकड़ों लोग एकत्र हुए पंचायत के अध्यक्ष हरीश असरानी और समिति के अध्यक्ष दिलीप हरदासानी ने बताया कि उनका जन्म 1 जनवरी 1941 को जयपुर में हुआ था ।उनकी शिक्षा सेंट जेवियर्स स्कूल और राजस्थान कॉलेज में हुई थी ।उन्हें बचपन से ही अभिनय का शौक था । चंद्र प्रकाश खेतानी एडवोकेट ने कहा कि उन्होंने अपनी पहचान अपने गौत्र से बनाई और सिंधी भाषा के प्रति अपना प्रेम प्रकट किया । श्रद्धांजलि देने वालों में उनके परिवार के अशोक असरानी सहित समाज के प्रमुख लोग ज्ञान देव आहूजा ,चंद्र प्रकाश खेतानी एडवोकेट ,हरीश असरानी,दिलीप हरदासानी,पार्षद जितेंद्र लखवानी ,तुलसी संगतानी ,हितेश आडवाणी , अमर गुरबाणी ,मोहन नानकानी ,रतन ऐलानी ,कैलाश आडवाणी,दिलीप पारवानी ,दिलीप भूरानी, दीपक डुलानी एडवोकेट ,सुंदर विधानी , लक्ष्मण कृपलानी ,सुरेश सब्दाणी,अर्जुन सचदेव ,पुरूषोतम गुलवानी,घनश्याम रायसिंघानी , प्रदीप रूपवाणी,भागचंद शाहनी मातृ शक्ति की सोनिया उधवानी सहित सैंकड़ों समाज बंधु उपस्थित थे।

पत्रकार कॉलोनी मे अन्नकूट का आयोजन

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी विकास समिति के तत्वावधान में सामुदायिक केंद्र पार्क में शिवालय पर अन्नकूट का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों लोगों ने पंगत प्रसादी जीमी। समिति के अध्यक्ष कानाराम कड़वा, महासचिव नरेंद्र सर्वोदयी, जेपी गुप्ता, बृजशरण गुप्ता, मदन जैन ने बद्रिश्वर्वमन्दिर मे कढी, बाजरा, चावल, मूंग, सब्जी पूरी का भोग लगाया। समिति पिछले पांच साल से अन्नकूट और पौष बड़ा का आयोजन करती रही है। अन्नकूट प्रसादी मे कांग्रेस नेता सुनील सिंघानिया, वरिष्ठ पत्रकार राधे श्याम दुसाद, श्याम माथुर, श्याम सुंदर शर्मा, अजीत तिवारी, मोहन मंगलम, पूनम चन्द्रा , डॉ जेपी गुप्ता गोविंद गोयल सहित कॉलोनी के सैकड़ों स्त्री पुरुष शामिल हुए।

अन्नकूट महोत्सव में उमड़े लोग

जयपुर। दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा आत्माराम ब्रह्मचारी गणेश मंदिर में विशाल अन्नकूट महोत्सव रविवार को आयोजित हुआ। इस मौके पर 25 हजार के आसपास श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर अन्नकूट प्रसादी ग्रहण की। इस दौरान आसपास का क्षेत्र प्रथम पूज्य के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

व्यंग्यकार प्रभात गोस्वामी को साहित्य भूषण सम्मान

जयपुर। व्यंग्यकार प्रभात गोस्वामी को हिंदी अकादमी, मुंबई की ओर से व्यंग्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए साहित्य भूषण सम्मान अर्पित किया है। हिंदुस्तानी भाषा अकादमी ,दिल्ली के सभागार में शनिवार देर शाम आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में देश के विभिन्न राज्यों के साहित्यकारों,शिक्षाविदों को सम्मानित किया गया। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष डॉ प्रमोद पाण्डेय ने बताया कि संस्था हिंदी भाषा के विश्व स्तर पर प्रचार - प्रसार के लिए देश - विदेश में कार्यक्रमों का आयोजन करती है। जहां हिंदी साहित्य की विभूतियों का सम्मान भी किया गया है। गोस्वामी विगत कई वर्षों से व्यंग्य लेखन कर रहे हैं। गोस्वामी के व्यंग्य देश के प्रमुख पत्र - पत्रिकाओं में नियमित रूप से प्रकाशित हो रहे हैं। बॉक्स एफएम पर उनका साप्ताहिक कार्यक्रम - व्यंग्य के रंग प्रभात के संग काफी लोकप्रिय रहा।

डीओआईटी के अधिकारी ने घोटाला कर पत्नी के नाम से उठाए लाखों रुपए

जयपुर । सूचना प्रौद्योगिकी विभाग और राजकॉम्प इन्फो सर्विसेस में लाखों रुपए के घोटाले का एक मामला सामने आया है। दरअसल राजकॉम्प के जॉइंट डायरेक्टर प्रद्युमन दीक्षित ने यह पूरा खेल किया है। जिसने अपनी पत्नी पूनम दीक्षित के नाम पर कागजों में खेल कर दो निजी कंपनियों से पूनम के पांच अलग-अलग खातों में 37.54 लाख रुपए की राशि ट्रांसफर करवाई। दरअसल प्रद्युमन ने अपनी पत्नी पूनम को ओरियन प्रो सॉल्यूशंस और ट्रिजेन सॉफ्टवेयर लिमिटेड नामक दो कंपनियों में बिना काम किए ही कार्यरत दिखा जनवरी 2019 से सितंबर 2020 तक 37.54 लाख रुपए का भुगतान उठा लिया। जबकि इस समय अवधि में पूनम कभी भी कार्यालय नहीं गई। डाटा सेंटर में जॉइंट डायरेक्टर रहते हुए किया घोटाला इस पूरे घोटाले को लेकर परिवादी टी.एन.शर्मा ने एसीबी में शिकायत की और तमाम दस्तावेज प्रस्तुत किए। जिसके आधार पर एसीबी ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच करना शुरू किया है।

■ एसीबी की जांच में सामने आया है कि डाटा सेंटर के ज्वाइंट डायरेक्टर रहते हुए प्रद्युमन ने पद का दुरुपयोग कर ओरियन प्रो कंपनी को टेंडर दिलवाए

एसीबी की जांच में सामने आया है कि डाटा सेंटर के ज्वाइंट डायरेक्टर रहते हुए प्रद्युमन ने पद का दुरुपयोग कर ओरियन प्रो कंपनी को टेंडर दिलवाए। टेंडर दिलवाने के बदले में अपनी पत्नी पूनम के खाते में हर महीने 1.60 लाख रुपए की राशि सैलरी के रूप में डलवाई। पूनम को एक साथ दो अलग-अलग कंपनियों में कार्यरत दिखा सैलरी के रूप में लाखों की राशि ली गई। जिन दोनों कंपनियों में पूनम को कार्यरत दिखाया गया उन दोनों कंपनियों से राशि प्राप्त कर उन्हें टेंडर भी प्रद्युमन की ओर से दिलाए गए।

हाई कोर्ट के आदेश पर एसीबी ने पीई दर्ज कर शुरू की जांच तथ्य प्रमाणित होने पर हुई एफआईआर पेशे से वकील परिवादी टी.एन.शर्मा ने तमाम सबूत जुटाने के बाद राजस्थान हाई कोर्ट में याचिका दायर की। राजस्थान हाई कोर्ट द्वारा सितंबर 2024 में दिए गए आदेश पर जुलाई 2025 में एसीबी ने प्राथमिकी दर्ज कर शिकायत की जांच करना शुरू किया।

लूटपाट करने वाले बदमाश को धर-दबोचा

जयपुर। खोरा-बीसल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चाकू दिखाकर लूटपाट करने वाले एक बदमाश को धर-दबोचा है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि 26 जून 2025 को रवि सिहाग से चाकू की नोक पर लूटपाट करने के मामले में फरार चल रहे आरोपित राहुल साहू निवासी शास्त्री नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है। वहीं इस मामले में पूर्व में एक आरोपित राहुल सिंह राठौर उर्फ रामसिया निवासी नागौर हाल हरमाड़ा को गिरफ्तार किया जा चुका है और साथ ही वारदात में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया जा चुका है।

राज्य सरकार योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार कल्याणकारी योजनाओं का पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में स्कूली शिक्षा विभाग ने पन्नाधाय बाल गोपाल योजना के तहत दूध पाउडर के दुरुपयोग की खबर का संज्ञान लेते हुए संलिप्त कार्मिकों पर कड़ी कार्रवाई की है।विभाग ने उक्त प्रकरण में प्रारंभिक जांच में दोषी पाए गए शीला बलाई (शिक्षिका स्तर-1-राजकीय प्राथमिक विद्यालय, जाटों की ढ़ाणी, गंगावास, कल्याणपुर), सुरेश कुमार (प्रबोधक-राजकीय प्राथमिक विद्यालय, नागणेसियों की ढ़ाणी, गंगावास, कल्याणपुर), मंगलाराम (वरिष्ठ अध्यापक-राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, भारी नगर, बावड़ी, जोधपुर), पप्पाराम गोदारा (व्याख्याता-राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नागाणा फाटा, बालोतरा) और राजेश मीणा (प्रधानाचार्य-मनमोरों की ढाणी) को सीसीए (1958) के नियम 13(1) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने उक्त प्रकरण की जांच के लिए स्कूल शिक्षा निदेशालय, बीकानेर के अधीन एक तीन सदस्यीय समिति का गठन भी किया है।

यह उच्च स्तरीय जांच समिति दूध पाउडर के दुरुपयोग की खबर में उल्लेखित तथ्यों का सत्यापन करेगी, साक्ष्य एकत्र करेगी और चार दिनों में एक विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इस दौरान यदि किसी अधिकारी या शिक्षक की संलिप्तता की पुष्टि होती है, तो राजस्थान सिविल सेवा (सीसीए) नियम, 1958 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी।प्रदेशभर के विद्यालयों में मध्याह्न भोजन के लिए सामग्री के किसी भी दुरुपयोग की रोकथाम सुनिश्चित करने के क्रम में स्कूली शिक्षा विभाग ने सभी संबंधित जिला शिक्षा अधिकारियों और खंड शिक्षा अधिकारियों को तीन दिनों के भीतर सत्यापित कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए हैं। साथ ही, सभी पीईईओ (पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी) और यूसीईईओ (शहरी क्लस्टर प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी) को अपने अधिकार क्षेत्र में किन्हीं दो स्कूलों (कुल लगभग 22,500 स्कूल) का गहन निरीक्षण कर जिला शिक्षा अधिकारी को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश भी जारी किए हैं।

शिक्षा विभाग का स्टाफिंग पैटर्न हो छात्रहित में : पुष्करणा

जयपुर। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश अध्यक्ष रमेश चंद्र पुष्करणा के नेतृत्व में शिक्षा जगत के ज्वलंत मुद्दों को लेकर शिक्षा मंत्री मदन लाल दिलावर से वार्ता की।इस अवसर पर प्रतिनिधि मंडल में संगठन के प्रदेश महामंत्री महेंद्र कुमार लखारा उपस्थित रहे।

संगठन के प्रदेश महामंत्री लखारा ने बताया कि संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने आज शिक्षामंत्री कार्यालय में शिक्षा मंत्री से विभिन्न शिक्षक समस्याओं पर त्वरित निर्णय लेने का आग्रह किया।आज की वार्ता में संगठन ने सरकार द्वारा अब तक किए पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त स्थानांतरण और ऐतिहासिक पदोन्नितयों के लिए धन्यवाद देते हुए शिक्षा मंत्री से अन्य सभी संवर्गों की पदोन्नितयां भी शीघ्र करने की मांग रखी।साथ ही विद्यालयों

■ राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने पदोन्नितयां,नवीन शैक्षिणक सत्र और अन्य मांगों को लेकर शिक्षा मंत्री दिलावर से की वार्ता

को दी जाने वाली सीएसजी व अन्य मद की राशि शीघ्र जारी करते हुए भविष्य में जुलाई माह में ही आवंटन करने,शिक्षा विभाग में होने वाले स्टाफिंग पैटर्न को छात्रहित में करने और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में शिक्षकों की ड्यूटी दूरस्थ स्थानों से नहीं लगाने की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष पुष्करणा ने कहा कि आज शिक्षा मंत्रीजी से संगठन ने स्पष्ट रूप से विभाग की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया।

बॉर्डर नाका बेंहठा का निरीक्षण किया

जयपुर । अंता विधानसभा उपचुनाव-2025 के तहत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक सुभानंदा एवं पुलिस पर्यवेक्षक गगनदीप गंभीर ने रविवार को शाहबाद क्षेत्र में अंतर्राज्यीय मार्ग पर स्थापित बॉर्डर नाका/चेक पोस्ट बेंहठा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पोस्ट पर तैनात पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों से आवागमन करने वाले वाहनों की जांच प्रक्रिया, संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी तथा अवैध धन, शराब या अन्य वस्तुओं की रोकथाम के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि को रोकने के लिए चेक पोस्ट पर चौकसी और सघन जांच सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर शाहबाद सीओ रिछपाल मीणा, तहसीलदार अनीता सिंह, थाना प्रभारी प्रेमसिंह मीणा तथा लाइजनिंग अधिकारी उपस्थित रहे। अंता विधानसभा उपचुनाव के तहत 11 नवम्बर को मतदान होना है। निर्वाचन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान की तैयारी के लिए प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी लगातार क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे हैं।

अन्नकूट महोत्सव मनाया

जयपुर। सुभाष चौक पांनो का दरीबा स्थित शुक सम्प्रदाय आचार्य पीठ सरस निकुंज में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन हुआ । इससे पूर्व दोपहर मे शुक संप्रदाय पीठाधीश्वर अलबेली माधुरी शरण महाराज के सान्निध्य में ठाकुर जी को पद गायन से रिझाया । सरस परिकर के प्रवक्ता प्रवीण बड़े भैया ने बताया कि इस अवसर पर ठाकुर राधा सरस विहारी जी और पूर्ववर्ती आचार्य को मूंग, मोठ, चोला, चावल, बाजरा, मिक्स सब्जी, पूरी सहित विविध मोटे अनाजों से बने व्यंजनों का भोग लगाया।

प्याज ने निकाले किसानों की आंखों से आंसू : रामपाल जाट

जयपुर । प्याज के दामों में वर्ष 2019 के फरवरी माह के उपरांत सितंबर 2025 में 49.5 की गिरावट आई। इसकी पुष्टि 'उपभोक्ता मूल्य सूचकांक' ने भी की है। यह सरकार की आयात-निर्यात सहित अन्य नीतियों का परिणाम है। सरकार के आकलन के अनुसार 1 किलो प्याज की उत्पादन लागत 8 से लेकर 10 रुपए प्रति किलो है और उत्पादक किसानों के अनुसार यह 18-20 रूपये प्रति किलो है। जबकि किसानों को खैरथल मंडी में 1 किलो प्याज 5 रुपए में बेचने को विवश होना पड़ रहा है। जिन उपजों के 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' घोषित नहीं होते सरकार ने इस प्रकार के आकस्मिक घाटों से उनके उत्पादकों को बचाने के लिए 'बाजार हस्तक्षेप योजना' बनाई हुई है, किंतु सरकार ने उसके लिए अभी कार्यवाही आरंभ भी नहीं की है।

इसी प्रकार भारत सरकार द्वारा 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' घोषित होने के उपरांत भी सरकारी खरीद की व्यवस्था नहीं होने से किसानों को मक्का, उड़द, मूंगफली, मूंग, बाजरा, सोयाबीन, कपास जैसी उपजों को 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' से कम दामों पर बेचने को विवश होने से एक क्विंटल पर 3000 रुपए तक का घाटा उठाना पड़ रहा है। राजस्थान सरकार की ओर से किसान महापंचायत के प्रतिनिधि मंडल के साथ 3 अक्टूबर 2025 को हुई वार्ता में किसानों की मांगों पर बनी सहमती के अनुसार राजस्थान सरकार द्वारा सार्थक कार्यवाही नही की गयी है। इससे किसानों में उपजे असंतोष को व्यक्त करने के लिए 17 नवंबर सोमवार को किसान महापंचायत की 'प्रदेश कार्य समिति' जयपुर के शहीद स्मारक पर तथा जिला समितियां जिला मुख्यालयों पर धरना आयोजित करेंगी। ये विचार प्रदेश के प्रमुख कार्यकर्ताओं की लाल कोठी जयपुर में स्थित किसान भवन में संपन्न बैठक को संबोधित करते हुए किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने प्रकट किए।

बैठक 6 अक्टूबर को स्थगित की गई अन्नदाता हुंकार रैली एवं आगामी रणनीति पर विचार करने के लिए आहूत की गई थी। जिसमें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष घासीराम फगोडिया एवं रोतास बोहरा,

लाल कोठी जयपुर में स्थित किसान भवन में किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने बैठक को संबोधित किया।

■ 6 अक्टूबर की स्थगित अन्नदाता हुंकार रैली' के स्थान पर 30 दिसंबर 2025 को जयपुर में आयोजन का निश्चय किया

प्रदेश अध्यक्ष मुसद्दीलाल यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष गोपीराम डबास, प्रदेश महामंत्री सुंदरलाल भावरिया एवं जगदीश नारायण खुडियाला, प्रदेश मंत्री भल्लाराम एवं मनजिंदर सिंह अटवाल, युवा प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर चौधरी, जिला अध्यक्षों में क्रमशः जयपुर, खैरथल -तिजारा, एवं टोंक के रामधन गुर्जर, वीरेंद्र क्रांतिकारी एवं गोपीलाल जाट, अजमेर जिला महामंत्री चतुर्भुज चौधरी, तहसील अध्यक्षों में हरसौली के शेर सिंह दहिया एवं मुंडावर के रामभरोस यादव, कोटखावदा तहसील के अध्यक्ष गोपाल मीणा, दूदू उपखंड उपाध्यक्ष रामकिशोर दाधीच, श्रीमाधोपुर तहसील के उपाध्यक्ष मुरलीधर मोड जैसे प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केंद्रीय दल ने अंराई एवं भिनाय में हो रहे विकास कार्यों का जायजा लिया

केंद्रीय दल द्वारा प्री मानसून में अजमेर जिले के दौरे के दौरान विभिन्न केंद्र वित्त पोषित परियोजनाओं में उक्त पंचायत समितियों में ग्रामवासियों एवं जनप्रतिनिधियों से संवाद किया था

अजमेर, (निसं)। अजमेर जिले में केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं जैसे मनरेगा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 जल ग्रहण घटक एवं पर ड्रॉप मोर क्रॉप तथा हर घर नल जल योजना, जल जीवन मिशन की प्रगति का निरीक्षण करने के लिए 23 से 25 अक्टूबर तक भारत सरकार द्वारा केंद्रीय नोडल अधिकारी निर्देशक ग्रामीण विकास विभाग भारत सरकार राज प्रिया सिंह एवं अरुणा सैनी तकनीकी सहायक केंद्रीय भूजल बोर्ड जयपुर ने पंचायत समिति अजमेर ग्रामीण किशनगढ़, अंराई एवं भिनाय में हो रहे विकास कार्यों का निरीक्षण एवं अवलोकन किया।

केंद्रीय दल द्वारा 23 मई से 26 मई तक प्री मानसून में अजमेर जिले के दौरे के दौरान जल शक्ति अभियान कैच द रेन जल संचय जन भागीदारी अंतर्गत विभिन्न केंद्र वित्त पोषित परियोजनाओं में उक्त पंचायत समितियों में ग्रामवासियों एवं जनप्रतिनिधियों से संवाद किया था तथा मौके पर जाकर प्रगति का आंकलन भी किया गया था, जिसकी रिपोर्ट भारत सरकार को दी गई, जिसमें अजमेर जिले में केंद्र वित्त पोषित परियोजना की भौतिक प्रगति पर संतोषजनक टिप्पणी की गई थी। केंद्रीय नोडल अधिकारी राजवीर सिंह ग्रामीण विकास विभाग भारत सरकार के निदेशक द्वारा पंचायत समिति अंराई में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 जल ग्रहण घटक के अंतर्गत ग्राम पंचायत देवपुरी में जलग्रहण विभाग द्वारा बनाए गए पक्के चेक डैम का अवलोकन एवं निरीक्षण किया गया। वर्षा काल के दौरान पक्के चेक डैम में संग्रहित जल का उपयोग पशु पेयजल एवं भूजल स्तर को बढ़ाने में कारगर साबित हो रहा है तथा कृषि भूमि पर बनाए गए फॉर्म पौंड जो लबालब भरे थे उसका उपयोग संबंधित कृषक रबी की फसल में सिंचाई में करेगा तथा उत्पादन के साथ-साथ आए के स्त्रोत बढ़ाने में सहायक होगा।

पंचायत समिति अराई के विकास अधिकारी शिवदान सिंह द्वारा मनरेगा योजना में भवानी सागर तालाब का जीर्णोद्धार कार्य दिखाया गया, जिसमें कुछ कार्य और अधिक मात्रा में कराए जाने के निर्देश केंद्रीय दल द्वारा दिए गए। अंराई पंचायत समिति के दादिया गांव में उद्यान विभाग द्वारा स्थापित ग्रीन हाउस राष्ट्रीय बागवानी मिशन अंतर्गत कराया गया, जिसमें लाभार्थी मनोज चौधरी द्वारा सामुदायिक डब्ल्यूएचएस का निर्माण के साथ-साथ खीरे की बंपर क्रॉप ली गई। केंद्रीय नोडल अधिकारी राष्ट्रीय बागवानी मिशन की सफलता को देखकर अभिभूत हुए तथा अन्य कृषकों को भी इस योजना का लाभ देने हेतु विभाग के अधिकारी श्रवण शर्मा को निर्देशित किया।

इस दौरान जलदाय विभाग से लोकेश सांखला अधिशासी अभियंता, संजय जैन, जयसिंह रावत, राजेश जैन अधिशासी अभियंता जल ग्रहण, श्रवण शर्मा कृषि अधिकारी उद्यान विभाग, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद अजमेर शिवदान सिंह के साथ अजमेर प्रशासन की ओर से कोऑर्डिनेटर शलभ टंडन कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियंता जलग्रहण विभाग उपस्थित रहे।

सोनार दुर्ग का वैकल्पिक मार्ग खुला, पर्यटकों को राहत मिली

जैसलमेर, (नि.सं.)। शुक्रवार को समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित होने के मात्र कुछ घंटों बाद जिला कलेक्टर प्रतापसिंह के निर्देश पर आयुक्त नगरपरिषद लजपालसिंह सोढा द्वारा सोनार दुर्ग का खिड़की वाला दरवाजा खुलवा दिया गया। इससे अब सैलानियों को राहत मिलनी शुरू हो गई है। यह रास्ता सुचारू होने से पर्यटकों को सूरज प्रोल से सीधे दुर्ग की चौथी प्रोल तक पहुंचने का मार्ग मिल गया है।

उल्लेखनीय है कि पर्यटकों की भारी भीड़ को दृष्टिगत रखते हुए इस आशय के समाचार प्रकाशित किये थे कि "भूखंड देने के बाद भी सोनार दुर्ग में वैकल्पिक मार्ग नहीं खोला, पर्यटक परेशान"। उसके बाद प्रशासन ने प्रसंज्ञान लेते हुए बंद दरवाजा खुलवाकर दुर्ग तक पैदल चलने वालों के लिए रास्ता सुगम बना दिया। जानकारी के अनुसार सूरज प्रोल के पास सीढ़ियां बनाकर एक प्राचीन वैकल्पिक मार्ग बनाया हुआ है। जिसका उपयोग 2011 में तत्कालीन जिला कलेक्टर गिरिराजसिंह कुशवाहा द्वारा खिड़की पाड़ा के पांच परिवारों का पुनर्वास करवाकर उन्हें साँवल कॉलोनी में भूखंड आवांटित किये थे। पांचों परिवार वहां शिफ्ट भी हो गए थे और खिड़की मार्ग शुरू करवाया गया था। गौरलतब है कि दीपावली की पर्यटन सीजन में हजारों पर्यटक एक साथ सोनार दुर्ग को निहारने पहुंचते हैं। उस दौरान सैकड़ों की मात्रा में स्थानीय लोग लक्ष्मीनाथ जी के मंदिर जाते हैं। किले के निवासियों की भी आवाजाही उस वक्त रहती है, अब सबको राहत मिली है।

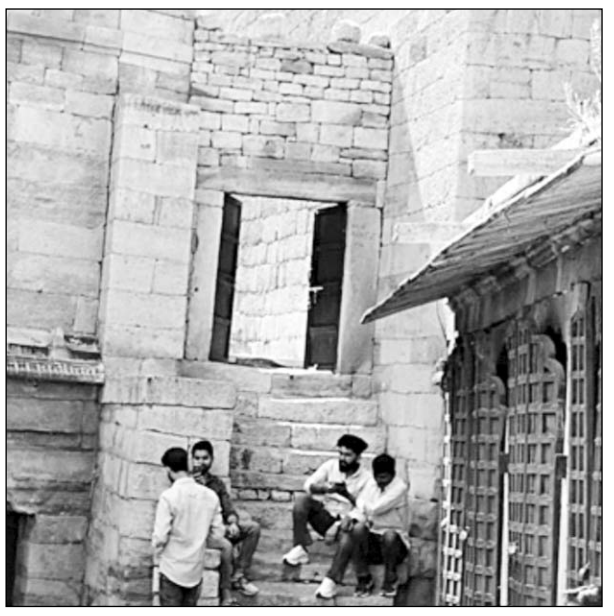

सोनार दुर्ग का वेकल्पिक मार्ग खुलने से आमजन व पर्यटकों को राहत मिली है।

संघर्ष से सफलता तक : विक्की ने आईबीएम तक का सफर तय किया

रामगंजमण्डी, (निसं)। कहते हैं कि अगर मन में लगन और आत्मविश्वास हो, तो मुश्किल रास्ते भी आसान हो जाते हैं। ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी है की एक ऐसे युवा की, जिसने साधारण परिवार से निकलकर अपनी मेहनत, हौसले और संकल्प के बल पर अंतरराष्ट्रीय कंपनी आईबीएम तक का सफर तय किया।

- विक्की स्वाइन पढ़ाई के साथ अखबार बांटने का काम करते व घर पर बच्चों को ट्यूशन पढ़ाते थे

रामगंजमण्डी के विक्की का अंतर्राष्ट्रीय कंपनी में चयन होने पर सम्मान किया गया।

विक्की स्वाइन पिता मुकुंद स्वाइन एक छोटे से शहर और आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से ताल्लुक रखते हैं। घर की परिस्थितियाँ कठिन थी, लेकिन विक्की ने कभी हार नहीं मानी। पढ़ाई के साथ-साथ अखबार बांटने का काम करते और घर पर बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर परिवार की मदद करते थे। इन संघर्षों ने ही उनके हौसले को और मज़बूत बनाया। इसी दौरान उनकी मुलाकात लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष हेमंत काला से हुई। हेमंत काला ने विक्की की लगन, अनुशासन और प्रतिभा को पहचाना तथा उनकी शिक्षा की संपूर्ण जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। उनके सहयोग से विक्की ने नई ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखी। बिना किसी कोचिंग संस्थान में जाए, विक्की ने घर पर रहकर ही जेईई परीक्षा की तैयारी की और उत्कृष्ट अंकों के साथ कंप्यूटर साइंस शाखा में इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश प्राप्त किया। आज विक्की अपने कॉलेज के अंतिम वर्ष में हैं और हाल ही में उनका चयन आईबीएम जैसी प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय कंपनी में हुआ है। यह उपलब्धि केवल विक्की की नहीं, बल्कि उन सभी छात्रों के लिए प्रेरणा है जो सीमित साधनों के बावजूद बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का साहस रखते हैं। विक्की स्वाइन की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, अगर विश्वास, मेहनत और सही दिशा हो तो सफलता निश्चित है। विक्की के आईबीएम में चयन की खुशी में लघु उद्योग भारती द्वारा रविवार को उनका सम्मान समारोह आयोजित गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अखलेश मेड़तवाल, कोटा स्टोन स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेन्द्र काला, बद्री लाल काला, हुकमीचंद सोमानी, ब्रजमोहन धाकड़, सोनू मामा, उमेश माहेश्वरी, राजकुमार धाकड़, आशीष पोरवाल सहित अनेक व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने विक्की को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी और कहा कि उनका यह संघर्ष व सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है।

बजरी से भरी ट्रैक्ट्रर ट्रॉली पलटी

स्कूल जा रहे बालकों ने भागकर अपनी जान बचाई

दौसा, (निसं)। स्टेट हाइवे दौसा-बांदीकुई-कठूमर सड़क मार्ग पर गणेश मंदिर सरकीकुई कालोता में अवैध खनन बजरी की ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। ग्रामीणों ने बताया कि दिनभर सैकड़ों अवैध खनन के भरे हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली बैखोफ दोड रहे हैं। इसके बारे में कई बार खनिज विभाग व पुलिस प्रशासन को अवगत करवाने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है।

राजेश चेची ने बताया कि अवैध खनन माफियाओं के ओवरलोड वाहनों से गत वर्ष राहुल गुर्जर, सचिन राजावत सहित कई नव युवकों की जान जा चुकी है। पर प्रशासन आंख मूंदकर कर बैठा हुआ है। एक महीने पहले ओवरलोड ट्रैक्ट्रर-ट्रॉली ने 5 वर्षीय स्कूली छात्रा को भी कुचल दिया था। ग्रामीणों ने बताया कि दुडकी, चोबडीवाला, बगदेडा, भांवता भावती व गुढ़ा कटला आदि गांवों से बजरी का अवैध खनन किया जा रहा है। रोज़ सैकड़ों वाहन बजरी से भरे हुए ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली वाहन दौसा स्टेट हाइवे पर तेज़ गति से दौड़ते हैं। जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। वन नाका चौकी कुण्डल के सामने होकर अवैध खनन के सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रॉली रोज़ निकलते हैं। वन विभाग के अधिकारी मूक दर्शक बनकर देखते रहते हैं। जिससे खनन माफियाओं के होंसले बुलंद होते जा रहे हैं।

हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया हत्याकांड में एक और आरोपी गिरफ्तार

जितेंद्र उर्फ जॉनी ने डेनिस की हत्या के लिए मदिया को उपलब्ध करवाए थे लड़के

झुंझुनूं, (निसं)। धनूरी थाने के हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया की हत्या के मामले में पुलिस की लगातार धरपकड़ जारी है। पुलिस ने शनिवार को इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जिनसे पूछताछ के बाद पुलिस ने अब इस मामले में वारदात के लिए हिस्ट्रीशीटर मंदीप उर्फ मदिया को बदमाश उपलब्ध करवाने वाले आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने जिले के गोठड़ा थाना क्षेत्र के चौढानी की ढाणी तन पसरामपुरा निवासी 22 वर्षीय जितेंद्र उर्फ जॉनी पुत्र ओमप्रकाश मेघवाल को गिरफ्तार किया है, जिसके बाद इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या छह हो गई है।

जानकारी के अनुसार गिरफ्तार पांच आरोपियों से पूछताछ और मामले की जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी अजय कुमार उर्फ अज्जू, ताराचंद, पंकज जाट को मंदीप उर्फ मदिया ने जितेंद्र उर्फ जोनी के जरिए ही डेनिस बावरिया की हत्या के लिए बुलवाया था। गिरफ्तार जितेंद्र उर्फ जोनी ने पूछताछ पर बताया कि वह स्वयं पहले से ही मंदीप उर्फ मदिया की गैंग से जुड़ा हुआ था तथा मदिया से उसके व्यक्तिगत सम्पर्क भी थे। मदिया गैंग के लिए वह काम भी करता था। इसलिए 19 अक्टूबर को मंदीप उर्फ मदिया ने जितेंद्र उर्फ जोनी को डेनिस बावरिया की हत्या करने के लिए चार-पांच लड़के लेकर आने के लिए कहा था।

मंदीप उर्फ मदिया ने ऐसे लड़कों की डिमांड की थी जो पहले से उसके संपर्क में हो तथा मदिया गैंग में मिलकर वारदात कर रुपए कमाना चाहते हो। जिसके बाद जितेंद्र उर्फ जोनी ने अपने दोस्त अजय कुमार उर्फ अज्जू, ताराचंद, पंकज जाट, धर्मपाल को इस काम के लिए तैयार किया। जब जितेन्द्र उर्फ जोनी ने अजय कुमार उर्फ अज्जू वगैरा को डेनिस बावरिया की हत्या की योजना बताई तो वे तुरंत तैयार हो गए तथा जिस पर जितेन्द्र उर्फ जोनी ने उनको मंदीप उर्फ मदिया गैंग में शामिल होकर रुपए कमाने का लालच देकर मंदीप उर्फ मदिया के पास रॉयल ट्रीट होटल मंडावा रोड सीतसर झुंझुनूं पर भेजा। जहां पर मुलजिमान ने मंदीप उर्फ मदिया, दीपक मालसरिया आदि के साथ योजना बनाकर संगठित रुप से डेनिस बावरिया के साथ मारपीट व तोड़फोड़ व अपहरण करके हत्या की वारदात को अंजाम दिया।

शिविर में आपसी सहमति से हुआ खाता विभाजन

- ग्रामीण सेवा शिविर कैम्प ग्राम पंचायत फूलियाकलां में आयोजित किया गया

भीलवाड़ा, (निसं)। ग्रामीण सेवा शिविर कैम्प ग्राम पंचायत फूलियाकलां में आयोजित किया गया। उपखण्ड अधिकारी फूलियाकलां ओमप्रकाश, तहसीलदार फूलियाकलां रामदेव धाकड़, कनिष्ठ अभियंता, पंचायत समिति शाहपुरा एवं प्रशासक ग्राम पंचायत फूलियाकलां के दिशा-निर्देशन में कई विभागों ने आमजन का कार्य सम्पादित किया और मौके पर ही आमजन को राहत पहुंचाई।

शिविर के दौरान ग्राम फूलियाकलां तहसील फूलियाकलां निवासी प्रार्थी कालु पुत्र रामकरण, बद्री पुत्र रामकरण एवं शिवराज पुत्र रामेश्वर माली ने ग्राम फूलियाकलां स्थित अपनी सह खातेदारी भूमि खसरा संख्या 4493 की आपसी सहमति से खाता विभाजन करवाने के लिए उपखण्ड अधिकारी फूलियाकलां के समक्ष उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। उपखण्ड अधिकारी फूलियाकलां ने तत्काल तहसीलदार फूलियाकलां को नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। जिस क्रम में तहसीलदार फूलियाकलां के निर्देशानुसार राजस्व टीम द्वारा भी तत्परता से प्रार्थियों की समस्या को संज्ञान में लेते हुए आपसी समझाइश एवं सहमति से विभाजन प्रस्ताव मौके पर ही बनाकर तहसीलदार के समक्ष प्रस्तुत किया। तहसीलदार ने विभाजन प्रस्ताव पर सहमति विभाजन के आदेश जारी किये जाकर प्रार्थीयों को राहत प्रदान की और वर्षो पुरानी समस्या का मौके पर ही समाधान किया। सहमति से खाता विभाजन होने पर प्रार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त की और राज्य सरकार तथा पूरे प्रशासन को धन्यवाद दिया। इस प्रकार ग्रामीण सेवा शिविर ग्रामीण कृषकों को उनके अधिकार दिलाने में सफल हुआ तथा यह कैम्प उनके लिए वरदान साबित हुआ।

अलग-अलग मामलों में तीन बाप-बेटे गिरफ्तार

मंड्रेला, (निसं)। रविवार को झुंझुनूं पुलिस ने अलग-अलग मामलों में और अलग-अलग जगहों से तीन बाप-बेटों को गिरफ्तार किया।

मंड्रेला थाने में भारत ईंट उद्योग उद्योग इस्माइलपुर के मालिक अमित द्वारा दर्ज करवाए गए एक ठगी के मामले में मंड्रेला पुलिस ने यूपी से पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। अमित ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि यूपी के पीलीभीत जिले के सूनगढ़ी पीलीभीत थाना क्षेत्र के भिकारीपुर निवासी खलील अहमद तथा उसका बेटा मोहम्मद सलीम उसे ईंट भट्टे पर मजदूर दिलाने के नाम पर अलग-अलग किश्तों में बैंक और नगद 6 लाख 30 हजार रूपए ले गए। उन्होंने 10-15 मजदूर भी उपलब्ध करवाए। लेकिन ठगी के प्लान के अनुसार मजदूर उपलब्ध करवाने के दो दिन बाद ही दोनों आरोपियों ने राष्ट्रीय ओबीसी आयोग में मजदूरों को प्रताड़ित करने की झूठी शिकायत की और दिए गए मजदूर वापिस ले गए। जब अमित ने मजदूर उपलब्ध करवाने के एवज में दिए गए पैसे वापिस मांगे तो दोनों गायब हो गए। मंड्रेला पुलिस ने दोनों बाप-बेटों को यूपी में उनके गांव से ही गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

इसी तरह सूरजगढ़ पुलिस ने भी जानलेवा हमले के मामले में आरोपी पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। सूरजगढ़ सीआई धर्मेंद्र मीणा ने बताया कि 18 सितंबर को थाना इलाके के अमरपुरा कलां गांव में एक दीवार को लेकर ही एक ही परिवार के दो पक्षों में मारपीट हो गई थी। जिसमें दोनों पक्षों के पांच जनें गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस मामले में दोनों पक्षों की तरफ से मामला दर्ज किया गया था। लेकिन अब तक के अनुसंधान में मिले साक्ष्य के बाद इस मामले में आरोपी अमरपुरा कलां निवासी होशियारसिंह तथा होशियार सिंह के बेटे संपत्त कुमार को गिरफ्तार किया है। वहीं मुकुंदगढ़ पुलिस ने भी नाहरसिंघानी गांव में आपस में झगड़ा कर रहे पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है।

संस्कृत शिक्षा विभाग ने आवासीय वेद विद्यालय में प्रवेश की तैयारी शुरू की

बीकानेर, (निसं)। संस्कृत विषय में रुचि रखने वाले बीकानेर संभाग के विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। संस्कृत शिक्षा विभाग ने आवासीय वेद विद्यालय में प्रवेश की तैयारी शुरू कर दी है। तीन शिक्षकों सहित एक मंत्रालयिक कर्मचारी और एक सहायक कर्मचारी की नियुक्ति के लिए संस्कृत शिक्षा विभाग की ओर से निदेशालय प्रस्ताव भिजवा दिए गए हैं। मंजूरी मिलते ही अगले सप्ताह से प्रवेश की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। नालबड़ी गांव में स्वीकृत भूमि पर नई स्कूल बिल्डिंग बनने तक विद्यालय का अस्थाई संचालन श्रीडूंगरगढ़ ब्लॉक के राजकीय प्राथमिक विद्यालय नंबर एक आडसरबास में किया जाएगा।

संस्कृत शिक्षा विभाग ने नए शिक्षा सत्र से आवासीय वेद विद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू करने के लिए श्रीडूंगरगढ़ ब्लॉक के इस स्कूल भवन को चिन्हित किया है। इसी स्कूल भवन में छात्र-छात्राओं की पढ़ाई शुरू की जाएगी। संस्कृत शिक्षा विभाग के वरिष्ठ उप निरीक्षक गोपीचंद डूडी ने बताया कि स्कूल भवन को डेवलप करने के लिए संस्कृत शिक्षा विभाग ने 26.79 लाख रुपए का बजट का प्रावधान किया है। इस बजट में से 9.82 लाख रुपए से अस्थाई भवन में 10 -10 शौचालय, स्नानघर और कक्षा कक्षों की मरम्मत का काम होगा। छात्रावास, क्लासरूम, फर्नीचर और विद्यार्थियों की यूनिफॉर्म तथा हवन पूजन सामग्री के लिए 16.97 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं।

राजगढ़ की यही पहचान-नशा मुक्त हो हर इंसान : चंपालाल महाराज

नशा मुक्ति महाअभियान में 5100 से अधिक श्रद्धालुओं ने नशा नहीं करने की शपथ ली

अजमेर, (निसं)। अजमेर जिले के प्रसिद्ध सर्वधर्म धार्मिक स्थल श्री मसाणिया भैरव धाम राजगढ़ पर रविवारीय मेले में नशा मुक्ति को लेकर सरकार के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत "टोबेको फ्री यूथ कैम्पेन 3.0" व मसाणिया भैरव धाम के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को नशा मुक्ति हेतु विशेष अभियान चलाया गया।

धाम के प्रवक्ता अविनाश सेन ने बताया कि इस अभियान में लगभग पन्द्रह हजार श्रद्धालुओं में से 5100 से अधिक श्रद्धालुओं ने अपने दोनों हाथ उठाकर जीवन में दोबारा नशा नहीं करने का संकल्प लिया, जिसमें पुरूषों के साथ महिलाओं की भी भागीदारी रही। नशा त्यागने वाले पुरुषों व महिलाओं ने नशे करने वाली वस्तुओं को बाबा के श्रीचरणों में छोड़ा। आए हुए श्रद्धालुओं ने स्वयं के लिए तथा परिवार को नशे के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए स्वेच्छा से नशा मुक्ति का संकल्प लिया। इस दौरान शराब, तम्बाकू, गांजा आदि नशा त्यागने का संकल्प लिया गया। श्रद्धालु हाथों में नशा मुक्ति के स्लोगन लिखे व बैनर थामे हुए थे।

धाम के मुख्य उपासक चम्पालाल महाराज ने श्रद्धालुओं को नशा नहीं करने की शपथ दिलाई।

संकल्प कार्यक्रम में धाम के मुख्य उपासक चम्पालाल महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि राजगढ़ धाम की यही पहचान-नशा मुक्त हो कर इंसान। नशे के ज्यादा सेवन से दुर्घटनाओं व कैंसर जैसी बीमारियों से अधिकतर लोग असमय अकाल मृत्यु को प्राप्त होते हैं। युवा पीढ़ी के कई युवा जिनको नशे की लत लग चुकी है, जिससे उनका भविष्य अंधकारमय है। दुर्घटनाओं में अपंगता व मृत्यु, समाज में गरीबी व भयंकर बीमारियों से अकाल मृत्यु का मूल कारण नशा ही होता है, इसलिये नशे का त्याग अवश्य ही करना चाहिये। युवा, महिलाओं व लोगों को नशामुक्त करने के लिए राजस्थान सरकार चिकित्सा विभाग सामाजिक सरोकार में श्री मसाणिया भैरव धाम राजगढ़ के साथ अपनी भागीदारी निभाते रहेंगे।

नशामुक्ति महाअभियान की रैली को पूर्व आईपीएस महेंद्र सिंह चौधरी, हरीश कुमार न्यायाधीश चूरू ने चंपालाल महाराज के सानिध्य में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अजमेर की जिला सलाहकार डॉ. पूनिता जैफ ने संबोधित किया। धाम में अब तक नशामुक्ति महाअभियान के अंतर्गत पिछले कई वर्षों में लाखों लोगों का नशा छुड़ाया गया है।

धाम के प्रवक्ता सेन ने बताया कि नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाने में चन्द्र प्रकाश जोशी, रक्तिम तिवाड़ी, जय मखीजा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अजमेर की जिला सलाहकार डॉ. पूनिता जैफ व जितेन्द्र हरचंदानी, जिला महामारी रोग विशेषज्ञ मुकेश खोरवाल, कुलदीप तंवर तथा भैरव भक्त मण्डल के ओमप्रकाश सेन, रमेश सेन, राहुल सेन, अविनाश सेन, प्रकाश रांका, सुनील रांका, दिलीप राठी, कैलाश सेन, सुरेश कांकाणी, सतीश सेन, कमल शर्मा, विजय सिंह भवानी खेड़ा, रामप्रसाद मौर्य आदि का सहयोग रहा।

11 हजार वोल्ट बिजली लाइन से लगा करंट, किसान झुलसा

खेत में झूलते तारों से लोहे का पाइप छुआ, बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया

पावटा, (निसं)। विराटनगर के मेड पंचायत की झाड़ोदिया की ढाणी में 11 हजार वोल्ट बिजली लाइन से किसान झुलस गया। किसान खेत में पाइप लेकर जा रहा था। इस दौरान झूल रहे तार छू गए। उसे तुरंत मेड सीएचसी ले जाया गया, जहां से निम्स अस्पताल रेफर कर दिया गया। किसान का गंभीर हालत में इलाज जारी है। घटना के बाद आमजन में बिजली निगम की लापरवाही के प्रति गुस्सा है।

- घायल को मेड सीएचसी ले जाया गया, जहां से निम्स अस्पताल रेफर कर दिया

रतन मीणा ने बताया कि किसान मेड पंचायत की झाड़ोदिया की ढाणी निवासी विनोद मीणा सुबह खेतों में पानी देने के लिए पाइप लेकर जा रहा था। खेत के ऊपर से गुजर रहे 11 हजार वोल्ट के तार झूल रहे थे, जिससे पाइप छू गया और विनोद को करंट लग गया और झुलसकर जमीन पर गिर गया।आसपास के लोग उसकी चीख सुनकर मौके पर पहुंचे व उसे झुलसी हालत में तुरंत मेड सीएचसी पहुंचाया। चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे निम्स अस्पताल रेफर कर दिया। किसान के दोनों पैरों और हाथों में गंभीर जलन है। मनोज मीणा, सोनू मीणा, हेमराज और रामसिंह ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि झूलते तारों के बारे में कई बार विभाग को अवगत कराया गया था, लेकिन समय रहते तारों को ठीक नहीं किया गया, जिसके कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि खेत के पास लंबे समय से बिजली के तार काफी नीचे लटके हुए हैं, जिनकी कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। परिजनों ने मांग की है कि बिजली विभाग जल्द से जल्द क्षेत्र में लटकती लाइनों की मरम्मत करवाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों।

घायल को लोगों ने अस्पताल पहुंचाया।

एक आखिरी बार, सिडनी से अलविदा: ऑस्ट्रेलिया में शायद आखिरी बार ही इंटरनेशनल क्रिकेट खेला।
-रोहित शर्मा

भारतीय खिलाडी, अपने सन्यास को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

डी गुकेश

वर्ल्ड चेस चैंपियन डी गुकेश और दिव्या देशमुख ने यूरोपियन क्लब कप चेस टूर्नामेंट में डबल गोल्ड मेडल जीते हैं। इनके अलावा, ठौंडमास्टर निहाल सरीन, अभिमन्यु और पौराणिक ने भी प्रभावित किया। ठीस के रोडेस में खेले गए इस टूर्नामेंट में गुकेश ने सुपरचेस और दिव्या देशमुख ने सेरकल डी'एचेक्स डी मोंटे-कार्लो की ओर से खेलते हुए इंडिविजुअल गोल्ड जीते। इस साल के टीम इवेंट का टाइटल सुपरचेस ने जीता, जबकि अल्कलॉइड दूसरे और डिफेंडिंग चैंपियन नोवी बोर तीसरे स्थान पर रहे।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया में भी, भारत ने दोनों टीमों के बीच अब तक खेले गए 12 टी20 मैचों में से 7 जीते हैं। कप्तान के रूप में भारत के एमएस धोनी ने 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से 9 जीते हैं।

हंशिका और सारिका को रजत; भारतीय महिला टीम बनी चैंपियन

नयी दिल्ली, 26 अक्टूबर। सर्बिया के नोवी साद में अंडर-23 सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय महिला पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन किया है और चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया है। हंशिका लांबा (53 किठाा) और सारिका (59 किठाा) ने अपने-अपने भार वर्ग में रजत पदक जीते। दोनों पहलवान फाइनल में पहुंचीं, लेकिन जापानी प्रतिद्वंद्वियों से हार गईं। अपने दमदार प्रदर्शन के दम पर, भारतीय महिला कुश्ती टीम ने 125 अंक हासिल करके 2025 अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप की चैंपियन ट्रॉफी जीत ली। अमेरिका 102 अंकों के साथ दूसरे और जापान 92 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। चैंपियनशिप में भारतीय महिला पहलवानों ने अपने-अपने भार वर्ग में 5 कांस्य पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। पदक विजेता इस प्रकार हैं :55 किठाा: निशु, 57 किठाा: नेहा शर्मा, 65 किठाा: पुलकित, 68 किठाा: सृष्टि, 76 किठाा: प्रिया यह भारतीय कुश्ती के लिए गर्व का क्षण है और हमारी युवा महिला पहलवानों की कड़ी मेहनत और प्रतिभा को दर्शाता है।

फ्रेंच ओपन में चीनी शटलर, तीन फाइनल में पहुंचे

बीजिंग, 26 अक्टूबर। चीनी खिलाड़ियों ने शनिवार को फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट की तीन स्पर्धाओं में फाइनल में जगह पक्की कर ली। महिला एकल वर्ग के एक प्रमुख मुकाबले में, चीनी स्टार चेन यूफेई ने दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की एन से-यंग को 87 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 18-21, 21-16 से हराया। महिला वर्ग के दूसरे सेमीफाइनल में, चीन की वांग झीयी ने हमवतन हान यू को 21-14, 20-22, 21-14 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। महिला युगल सेमीफाइनल में भी चीनी खिलाड़ियों के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें ली यिजिंग और लुओ जुमिन ने ओलंपिक चैंपियन चेन किंगचेन और जिया यिफान को 21-16, 21-17 से हराया। फाइनल में ली और लुओ का सामना जापानी जोड़ी युकी फुकुशिमा और मायू मात्सुमोतो से होगा। मिश्रित युगल सेमीफाइनल में, चीनी जोड़ी फेंग यान्झे और हुआंग डोंगपिंग ने वापसी करते हुए हांगकांग, चीन की तांग चुन मान और त्से यिंग सुएट को 20-22, 21-17, 21-16 से हराया। अब उनका अगला मुकाबला थाई जोड़ी डेचापोल पुआवारानुक्रोह और सुपिस्सारा पेवसम्प्रान से होगा। चीन के ली शिफेंग ने पहला गेम 21-15 से जीता, जिसके बाद डेनमार्क के एंडर्स एंटनसन ने पुरुष एकल सेमीफाइनल में 21-19, 21-13 से जीत हासिल की, जबकि घरेलू प्रबल दावेदार क्रिस्टो पोपोव ने थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसार्न को सीधे गेम में हराकर फाइनल में प्रवेश किया। पुरुष युगल फाइनल दक्षिण कोरिया के किम वोन-हो और सियो सेउंग-जे और इंडोनेशियाई जोड़ी फजर अल्फियन और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी के बीच होगा। पांचों फाइनल रविवार को होने हैं।

पंजाब एफसी ने एआईएफएफ सुपर कप के लिए 26 सदस्यीय टीम की घोषणा की

मोहाली, 26 अक्टूबर। पंजाब एफसी ने एआईएफएफ सुपर कप 2025-26 के लिए अपनी 26 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। टीम का पहला ठुप 'सी' मैच गोकुलम केरल एफसी के खिलाफ कल गोवा के जीएमसी बाम्बोलिम एथलेटिक स्टेडियम में खेला जाएगा। हेड कोच पानागिओटिस डिल्मपेरिस ने एक संतुलित टीम चुनी है जिसमें पांच नए खिलाड़ी शामिल किए गए हैं, जबकि बाकी खिलाड़ी डूरंड कप की टीम का हिस्सा रहे थे। अनुभव और युवा जोश के इस मिश्रण के साथ टीम इस प्रतियोगिता में मजबूत शुरुआत करने की उम्मीद कर रही है। मैच शाम 4:30 बजे शुरू होगा। नई साइनिंग में विदेशी खिलाड़ी समीर ज़ेल्जकोविच, डेनियल रामिरेज फर्नांडीज और पाब्लो रेनन दोस सैंटोस शामिल हैं। इनके अलावा भारतीय खिलाड़ी अर्शदीप सिंह और बिकाश सिंह सागोलसेम को भी टीम में जोड़ा गया है। ये सभी खिलाड़ी टीम में गहराई, रचनात्मकता और रक्षात्मक मजबूती लाते हैं, जिससे पंजाब एफसी ठुप स्टेज में बेहतर प्रदर्शन करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है। घोषणा पर हेड कोच पानागिओटिस डिल्मपेरिस ने कहा, हमने एक संतुलित टीम तैयार की है जो हमारे वरिष्ठ खिलाड़ियों के अनुभव, अकादमी के युवाओं की ऊर्जा और कुछ रोमांचक नए खिलाड़ियों के जोश का संयोजन है। पिछले कुछ हफ्तों में खिलाड़ियों ने ट्रेनिंग में कड़ी मेहनत की है, और उनकी एकाठाता व तीव्रता से मैं बेहद संतुष्ट हूं।

लगातार सातवीं जीत के साथ पटना का सफर जारी, जयपुर घर लौटेगी

नयी दिल्ली, 26 अक्टूबर। तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स ने रविवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के एलिमिनेटर-1 मुकाबले में जयपुर पिंक पैंथर्स को 48-32 के अंतर से हरा दिया। लगातार सातवीं जीत के साथ पटना ने जहां एलिमिनेटर-2 मुकाबले में जगह बनाई जबकि एक दिन पहले मौजूदा चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स को हराने वाली जयपुर को घर वापसी करनी होगी। त्यागराज इंडोर स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में पटना की जीत में हमेशा की तरह अयान (20) हीरो बनकर उभरे। अयान इसी के साथ इस सीजन के सबसे सफल रेडर बन गए। डिफेंस में नवदीप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हाई-5 लगाया और सबसे अहम बात यह है कि उन्होंने पटना को ऐसे मुकाम पर आलआउट से बचाया था जब जयपुर वापसी के दरवाजे पर खड़ी थी। जयपुर के लिए अली समाधी और विनय ने 10-10 अंक लिए।

भारत बनाम बंगलादेश मैच बारिश के कारण हुआ रद्द

नवी मुम्बई 26 अक्टूबर। भारत और बंगलादेश के बीच रविवार को खेला जा रहे महिला विश्वकप का 28वां मैच बारिश के कारण रद्द घोषित कर दिया गया है।

भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश ने वर्षा बाधित मुकाबले में निर्धारित 27 ओवरों में नौ विकेट पर 119 रनों का स्कोर खड़ा किया। बंगलादेश की ओर से शर्मीन अख्तर ने सर्वाधिक 36 रनों की पारी खेली। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे बंगलादेश के बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके और विकेट गंवाते रहे। शोभना मोस्तारी ने (26), रूब्या हैदर ने (13) और ऋतु मोनी ने 11 रनों का योगदान दिया। बंगलादेश के सात बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके।

भारत की ओर से राधा यादव ने तीन और श्री चारणी ने दो विकेट लिये। रेणुका सिंह, दीप्ति शर्मा और अमनजोत कौर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

119 रनों के जवाब में भारत ने 8.4 ओवरों में बिना कोई विकेट खोए 57 रन बना लिये है। इसी दौरान फिर से बारिश शुरु हो गई। स्मृति मंधाना (नाबाद 34) और अमनजोत कौर (नाबाद 15) रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थी।

इसके बाद लगातार हो रही बारिश के कारण मैच को रद्द कर दिया है, भारत के लिए इस मैच में सबसे बुरी ख़बर प्रतिका रावल का चोटिल होना है। यह देखना होगा कि वह सेमीफ़ाइनल के लिए फ़िट हो पाती हैं या नहीं। बहरहाल बंगलादेश अब अंक तालिका को सातवें स्थान पर रहते हुए समाप्त करेगा। बारिश से प्रभावित मैच को पहले 43 ओवर और फिर 27 ओवर का मैच हुआ। बंगलादेश ने डीएलएस पद्धित के हिसाब से भारत को 126 रनों का लक्ष्य दिया और मांधना और अमनजोत की जोड़ी ने भारत को एक ठोस शुरुआत दिलाते हुए अर्धशतकीय साझेदारी की लेकिन फिर बारिश ने ख़लल डाला और आखिरकार मैच को बिना किसी परिणाम के रद्द करना पड़ा।

'पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त': इरफ़ान पठान

नयी दिल्ली, 26 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार को तीसरे वनडे में भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शतकधारी रोहित शर्मा और अर्धशतक बनाने वाले विराट कोहली की तारीफ करते हुए पूर्व भारतीय आलराउंडर इरफ़ान पठान ने कहा कि अपनी पारी से दोनों बल्लेबाजों ने दिखा दिया कि 'पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त'। जियोस्टार के क्रिकेट लाइव पर एक्सक्लूसिव बातचीत करते हुए विशेषज्ञ इरफ़ान पठान ने रोहित शर्मा और विराट कोहली की प्रतिभा के बारे में बात की ,आज जिस तरह से चीज़ें सामने आईं, ऐसा लगा जैसे ये होना ही था। इन दोनों महान खिलाड़ियों (विराट और रोहित) को एक साथ मैच खत्म करते देखने से बेहतर कुछ नहीं हो सकता था। विराट को ऑस्ट्रेलिया में 50 का आंकड़ा बनाए रखने के लिए इस मैच में लगभग 70-74 रनों की जरूरत थी, और उन्होंने ठीक वैसा ही किया। अगर यह न्याय नहीं है, तो और क्या है?

इरफ़ान ने कहा,रोहित ने बहुत मेहनत की, उन्होंने अपना वजन कम किया, पूरी मेहनत की, और उनकी बेहतर फिटनेस तब दिखी जब वे दूसरे मैच में रन-आउट से जल्दी उबर गए। दोनों ने दिखा दिया कि 'पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त'।

इंग्लैंड की महिला टीम ने न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हराया

विशाखापत्तनम, 26 अक्टूबर। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद ऐमी जोंस (नाबाद 86), और टैमी ब्यूमोंट (40) की शानदार पारियों के दम पर इंग्लैंड ने रविवार को महिला विश्वकप के 27वें मुकाबले में न्यूजीलैंड को 124 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया।

न्यूजीलैंड के 168 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड के लिए ऐमी जोंस और टैमी ब्यूमोंट की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़े। 15वें ओवर में लिया तहुहू ने टैमी ब्यूमोंट को पगबाधा कर इस साझेदारी को तोड़ा। ब्यूमोंट ने 38 गेंदो में सात चौके लगाकर 40 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी हीथर नाइट ने ऐमी जोंस के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। 28वें ओवर की पहली गेंद पर सोफी डिवाइन ने हीथर नाइट को पगबाधा आउट कर हार की दहलीज पर खड़ी न्यूजीलैंड को दूसरी सफलता दिलाई। हीथर नाइट ने 40 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 33 रन बनाये।

सेमीफाइनल में पहले ही जगह बना चुके इंग्लैंड ने 29.2 ओवर में दो विकेट पर 172 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। ऐमी जोंस ने 92 गेंदों में 11 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 86 रन बनाये। जोंस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। न्यूजीलैंड की ओर से सोफी डिवाइन और लिया तहुहू ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड, इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक पायी और 38.2 ओवर में 168 के स्कोर पर सिमट गई। न्यूजीलैंड के लिए जॉर्जिया प्लिमर ने सर्वाधिक 43 रनों की पारी खेली। एमेलिया केर ने (35), कप्तान सोफी डिवाइन (23), मैडी ठीन (18), इसाबेला गेज (14), सूजी बेट्स और जस केर ने 10-10 रनों का योगदान दिया। इंग्लैंड के लिए लिंसी स्मिथ ने तीन विकेट लिये। नेट शिवर ब्रंट और ऐलिस कैप्सी को दो-दो विकेट मिले। सोफी एक्लस्टोन और शार्लेट डीन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

सोफी डिवाइन की अश्रुपूर्ण विदाई

विशाखापत्तनम, 26 अक्टूबर। महिला क्रिकेट के इतिहास में दर्ज हो जाने वाले इस दिन, एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम न केवल इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच

मुकाबले का, बल्कि इस खेल की सबसे अदम्य हस्तियों में से एक सोफी डिवाइन की मार्मिक विदाई का भी गवाह बना।

अपने करियर पर विचार करते हुए, डिवाइन की आवाज़ में विनम्रता और गर्व दोनों झलक रहे थे। उन्होंने कहा, "यह कभी भी परिणाम के बारे में नहीं था, बल्कि अपने साथियों के साथ खेलने के बारे में था, उन जड़ों तक वापस जाने के बारे में था जिनकी वजह से मैंने 19 साल पहले बल्ला और गेंद उठाई थी।" उनके शब्दों में सच्ची खेल भावना का सार निहित था, यह याद दिलाता है कि क्रिकेट, अपने मूल में, जुनून, दोस्ती और उत्कृष्टता की खोज के बारे में है, न कि केवल जीत या हार के बारे में।

मुझे ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाज़ी करने में बहुत मज़ा आया : हर्षित राणा

नयी दिल्ली, 26 अक्टूबर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार को तीसरे वनडे में चार विकेट लेकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने कहा कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाजी करने में बहुत मजा आया।

जियोस्टार के क्रिकेट लाइव पर एक्सक्लूसिव बातचीत करते हुए, हर्षित राणा ने इस सीरीज में गेंदबाजी के अपने अनुभव पर कहा, "मुझे ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाजी करने में बहुत मजा आया क्योंकि मैं एक साल पहले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान यहां था, इसलिए मैं पहले से ही परिस्थितियों से वाकिफ था। मुझे पता था कि कहां गेंदबाजी करनी है और कौन सी लेंथ मेरे लिए सही रहेगी। गौती भाई (मुख्य कोच गौतम गंभीर) और मोर्न मोर्कल (गेंदबाजी कोच) का शुक्रिया, जिन्होंने मुझे लगातार सही दिशा में गेंदबाजी करने के लिए प्रेरित किया। सपोर्ट स्टाफ भी बेहतरीन था, वे मुझे अपनी भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने और अपनी ताकत पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहते रहे। यह एक सपने जैसा है क्योंकि पिछले एक साल में बहुत कुछ हुआ है। पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में डेब्यू करना और अब आज यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना, यह मेरे लिए बहुत ही भावुक और खास सफर रहा है।"

दिन के अपने पसंदीदा पल और उसमें रोहित शर्मा की भूमिका के बारे में राणा ने कहा, मिच ओवेन का विकेट मेरा सबसे पसंदीदा था। इसके पीछे एक कहानी है। शुभमन गिल ने मुझसे पूछा कि क्या मैं स्लिप लेना चाहता हूँ, और मैंने मना कर दिया। फिर रोहित भाई, जो कवर पर खड़े थे, ने मुझसे कहा, स्लिप ले ना, जाने दे मेरेको (बस स्लिप ले लो, मैं वहाँ जाकर खड़ा हो जाता हूँ)। मैं मान गया, और फिर कुछ ही देर में, किनारा सीधा स्लिप में रोहित भैया के पास चला गया! मैं उनका बहुत आभारी था। उन्होंने हंसते हुए कहा, मैंने तुमसे कहा था कि स्लिप ले लो! यह एक यादगार पल था।

राणा ने अपनी गेंदबाजी लय और प्रदर्शन के बारे में कहा, मुझे लगा कि आज मेरी गेंदबाजी लय काफी बेहतर थी। शुरुआत में, मैं आक्रमण करने की कोशिश नहीं कर रहा था; मैं बस सही क्षेत्रों में गेंदबाजी करने की कोशिश कर रहा था। मुझे शुरुआत में विकेट नहीं मिले, लेकिन नई गेंद होने के कारण यह मेरी योजना का हिस्सा था। मैं लाइन और लेंथ पर ध्यान केंद्रित कर रहा था, और यह कारगर रहा। आउटस्विंगर की बात करें तो, यह एक ऐसी चीज है जिसे मैं विकसित कर रहा हूँ, और मैं आज इसे बखूबी अंजाम देकर बहुत खुशी हुई।

दिल्ली ने 430 के विशाल स्कोर के बाद हिमाचल के 165 पर तीन विकेट झटके

नयी दिल्ली, 26 अक्टूबर। अर्पित राणा, सनत सांगवान, यश ढुल,आयुष दोसेजा, सुमित माथुर और अनुज रावत की अर्धशतकीय पारियों के दम पर दिल्ली ने रणजी ट्रॉफी दूसरे के दौर के मुकाबले के दूसरे दिन रविवार को 430 रनों का विशाल स्कोर खड़ा करने के बाद स्टंप के समय हिमाचल प्रदेश के 165 के स्कोर पर तीन विकेट झटक कर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली हैं। दिल्ली ने कल के चार विकेट पर 306 रनों से आगे खेलना शुरु किया। दिल्ली ने आज 124 रन जोड़ कर अपने छह विकेट गंवा दिये।

न्यूजीलैंड ने ब्रूक के शतक को बेअसर करते हुए जीता पहला वनडे

माउंट मॉन्गानुई, 26 अक्टूबर। हैरी ब्रूक का एक शानदार शतक अनुकूल परिणाम नहीं दे सका क्योंकि डेरिल मिशेल (78) और माइकल ब्रेसवेल (51) के अर्धशतकों ने न्यूजीलैंड को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त दिला दी। उनके शुरू होने से पहले, जकारी फॉल्क्स (4-41) और जैकब डफी (3-55) ने दमदार गेंदबाजी करके मैच की शुरुआत की, जिससे इंग्लैंड की टीम शुरुआत में ही धराशायी हो गई, लेकिन ब्रूक ने पलटवार किया।

मैट हेनरी ने मैच की पहली ही गेंद पर न्यूजीलैंड को बढ़त दिलाई, उन्होंने जेमी स्मिथ के बल्ले और पैड के बीच से गैप को चीरकर उन्हें बोल्ड कर दिया। इसके बाद फॉल्क्स ने बेन डकेट को आउट किया - जिन्होंने राउंड द स्टंप्स से गेंद को तेजी से आगे बढ़ाया और उन्हें आउट कर दिया - और जो रूट को इनस्विंगर पर बोल्ड कर दिया, जिससे मेहमान टीम का स्कोर 5/3 हो गया। जल्द ही यह स्कोर 10/4 और 33/5 हो गया क्योंकि फॉल्क्स और हेनरी ने नई गेंद के साथ अपनी साझेदारी जारी रखते हुए क्रमशः जैकब बेथेल और जोस बटलर को आउट किया। सैम करेन 12वें ओवर में फॉल्क्स के चौथे शिकार बने, जब गेंद विकेट के पीछे लगी।

ब्रूक, जिन्होंने कुछ ओवर पहले ही जवाबी हमले की आग भड़कानी शुरू कर दी थी, उनके साथ जेमी ओवरटन ने पारी को संभालने वाली साझेदारी की। ब्रूक ने तमाम उथल-पुथल के बीच भी अपने इरादे मजबूत किए और 16वें ओवर में एक शानदार छक्के की मदद से 36 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। ओवरटन भी जैकब डफी की तरफ दौड़ते हुए अपना बल्ला घुमाने में मशगूल थे। नाथन स्मिथ की बाउंसर पर ओवरटन के हेलमेट पर चोट लगी, लेकिन थोड़े समय के ब्रेक के बाद वे खेलने के लिए तैयार थे। डफी की एक धीमी गेंद पर ओवरटन ने ब्रूक के साथ अपनी साझेदारी को आधे रन तक खींच लिया, लेकिन फिर वह आउट हो गए। उन्होंने गेंद को लेग साइड पर खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद का मुख्य किनारा कवर पर डेरिल मिशेल के पास पहुंच गया और उन्होंने 54 गेंदों पर 46 रन बनाये।

भुल्लर इंटरनेशनल सीरीज फ़िलीपींस में संयुक्त सातवें स्थान पर रहे

मनीला, फ़िलीपींस, 26 अक्टूबर। स्थानीय खिलाड़ी मिगुएल तबुएना ने घरेलू प्रशंसकों को खुश किया और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों की लगातार बर्डी का सामना करते हुए, बिंगोप्लस द्वारा प्रस्तुत 20 लाख अमेरिकी डॉलर की इंटरनेशनल सीरीज फ़िलीपींस में सात अंडर 65 का शानदार स्कोर तीन शॉट की प्रभावशाली जीत के लिए पर्याप्त साबित हुआ।

गर्दन में ऐंठन के कारण एसजेएम मकाओ ओपन से हटने के ठीक एक हफ्ते बाद, अपने घरेलू कोर्स, स्टा एलेना गोल्फ क्लब में खेलते हुए, तबुएना ने कुल 24 अंडर का स्कोर बनाया, जबकि काज़ुकी हिगा (65) और योसुके असाजी (67) की जापानी जोड़ी 21 अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर रही।

तबुएना की यह चौथी जीत उन्हें एशियाई टूर पर सबसे सफल फ़िलीपीनो गोल्फर बनाती है। तीन खिताबों का पिछला रिकॉर्ड एंजेलो क्यू के नाम था। उन्होंने अपने पहले इंटरनेशनल सीरीज खिताब के साथ टूर पर करियर की 3 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कमाई भी पार कर ली।

कोरिया और चीनी ताइपे में लगातार दो खिताब जीतने वाले हिगा इस उपलब्धि के साथ एशियाई टूर ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष पर वापस आ गए। थाईलैंड के सरित सुवन्नारुत और चीन के सैम्पसन झेंग, जो तबुएना के साथ संयुक्त रूप से ओवरनाइट लीडर रहे, दोनों ने 69 का समान स्कोर बनाया और 20 अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर रहे। ऑस्ट्रेलिया के मार्क लीशमैन (65) इस सप्ताह मैदान में मौजूद कई एलआईवी गोल्फ सितारों में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर रहे और अकेले छठे स्थान पर रहे।

अमेरिका के कालेब सुराट (67) और भारत के गगनजीत भुल्लर (69) 16-अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त सातवें स्थान पर रहे। लेकिन फिलीपींस के सबसे अधिक दर्शकों वाले गोल्फ टूर्नामेंटों में से एक में यह सप्ताह और वह क्षण तबुएना के नाम रहा।

टूर्नामेंट के स्टार आकर्षण और पूर्व विश्व नंबर 1 डस्टिन जॉनसन ने 67 का स्कोर बनाया और 13 अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त 15वें स्थान पर रहे।

बिंगोप्लस द्वारा प्रस्तुत इंटरनेशनल सीरीज फ़िलीपींस, 2025 एशियन टूर शेड्यूल के नौ उच्च स्तरीय आयोजनों में से छठा था। एशियन टूर और इंटरनेशनल सीरीज अगले हफ़्ते 20 लाख अमेरिकी डॉलर के लिंक हांगकांग ओपन के लिए हांगकांग में आयोजित होंगे।

लिटन दास अब बंगलादेश के अगले टेस्ट कप्तान बनने की दौड़ में सबसे आगे

ढाका, 26 अक्टूबर । बंगलादेश के टी20 कप्तान लिटन कुमार दास ने रविवार को कहा कि अगर उन्हें टेस्ट कप्तानी की पेशकश की जाती है, तो वह इसे संभालने के लिए तैयार हैं। जुलाई में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के बाद नजमुल हुसैन शान्तो के पद छोड़ने के बाद यह पद खाली होने पर बंगलादेश वर्तमान में एक नए टेस्ट कप्तान की तलाश में है।

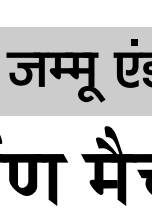

क्रिकबज ने पहले बताया था कि लिटन, नजमुल की जगह लेने की दौड़ में सबसे आगे हैं, क्योंकि शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के बाद जब बीसीबी ने उनसे दोबारा पूछा तो उन्होंने अपने फैसले पर पुनर्विचार करने से इनकार कर दिया था।

लिटन ने ज़ोर देकर कहा कि टेस्ट कप्तानी के लिए बीसीबी ने अभी तक उनसे संपर्क नहीं किया है और संकेत दिया कि वह इस भूमिका को निभाने के लिए तैयार हैं। बीसीबी के पास अपने टेस्ट कप्तान की घोषणा करने के लिए बहुत कम समय है क्योंकि उन्हें 11 नवंबर से सिलहट में शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए आयरलैंड की मेजबानी करनी है।

लिटन ने कहा, "यह बहुत मुश्किल है। अभी तक, मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता। अगर उन्हें लगता है कि मैं सक्षम हूँ।

राजस्थान - जम्मू एंड कश्मीर रणजी मैच

अपने पदार्पण मैच में अशोक शर्मा ने लिए 3 विकेट

जयपुर, 26 अक्टूबर। श्रीनगर में खेले जा रहे राजस्थान - जम्मू एंड कश्मीर रणजी मैच के दूसरे दिन का स्कोर :-

रणजी मैच राजस्थान - जम्मू एंड कश्मीर। राजस्थान पहली पारी 152 आल आउट।

जम्मू एंड कश्मीर पहली पारी 282 आल आउट।राजस्थान के गेंदबाज दीपक चाहर 39/4, अनिकेत चौधरी 65/3 व अपना पदार्पण रणजी मैच खेल रहे अशोक शर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 69 / 3 विकेट प्राप्त किये। राजस्थान दूसरी पारी दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने अपनी दूसरी पारी में 5 विकेट के नुकसान पर 41 रन बना लिए थे। टीम के लिए दीपक हुड्डा नाबाद 17 रन बनाकर खेल रहे है।जम्मू एंड कश्मीर के गेंदबाज आकिब नबी 5/5 विकेट प्राप्त किये।

वीमेन अंडर 19 टी 20 ट्रॉफी (राजस्थान ने जम्मू एंड कश्मीर को हराया)

राजस्थान की जीत में तनिका शर्मा का आतिशी अर्धशतक।भुवनेश्वर में खेली जा रही बीसीसीआई अंडर 19 वीमेन टी 20 ट्रॉफी में आज राजस्थान ने तनिका शर्मा के आतिशी अर्धशतक की सहायता से जम्मू एंड कश्मीर को हराया। राजस्थान पारी 152/6, टीम के लिए तनिका शर्मा 60, प्रतीक्षा सिंह 44 व हैप्पी कुमारी 21 रनो का योगदान दिया। जम्मू एंड कश्मीर की गेंदबाज मान्या

24/3 विकेट। जम्मू एंड कश्मीर पारी 89/8. टीम के लिए कायनात 35 रन, राजस्थान की गेंदबाज मीनाक्षी 13 / 2 , हैप्पी कुमारी , मैना सियोल , ए चौधरी 1-1 विकेट। राजस्थान - हैदराबाद अंडर 23 सी केनायडू ट्रॉफी मैच- जयपुर में आज से शुरू हुए राजस्थान - हैदराबाद अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी मैच के पहले दिन का स्कोर :-हैदराबाद पहली पारी 281/5, टीम के लिए अरवल्ली अवनीश 134, राघव 48, मयंक गुप्ता नाबाद 34 व प्रणव नाबाद 29रन। राजस्थान के गेंदबाज गणेश सुथार 29/3, मोहित चांगरा, अनिरुद्ध सिंह 1-

शाइना और दीक्षा ने स्वर्ण जीते

चेंगदू, 26 अक्टूबर। शाइना मणिमुथु (अंडर-15) और दीक्षा सुधाकर (अंडर-17) ने रविवार को अपने-अपने आयु वर्ग में स्वर्ण पदक जीते और भारत ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप 2025 में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया। अंडर-15 बालिका एकल वर्ग के फाइनल में, शाइना ने जापान की चिहारू तोमिता को 21-14, 22-20 से हराया, जिसके बाद दीक्षा सुधाकर ने अंडर-17 बालिका एकल वर्ग के फाइनल में हमवतन लक्ष्य राजेश को 21-16, 21-9 से हराया। रविवार के नतीजों का मतलब था कि भारतीय दल दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक लेकर स्वदेश लौटेगा। भारत ने पिछली बार 2013 में दो स्वर्ण पदक जीते थे, जब सिरिल वर्मा ने अंडर-15 बालक एकल वर्ग का खिताब जीता था, जबकि चिराग शेट्टी और एमआर अर्जुन ने अंडर-17 बालक युगल वर्ग का खिताब जीता था। रविवार को, शाइना अंडर-15 वर्ग का खिताब जीतने वाली चौथी भारतीय बालिका एकल खिलाड़ी बनीं।

हरियाणा ने त्रिपुरा को नौ विकेट से तथा सर्विसेज ने असम को आठ विकेट से हराया

नयी दिल्ली/तिनसुकिया, 26 अक्टूबर। रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मुकाबले के दूसरे दिन रविवार को हरियाणा ने त्रिपुरा को नौ विकेट से तथा सर्विसेज ने असम को आठ विकेट से हराया।

हरियाणा बनाम त्रिपुरा मुकाबला, पर्थ वत्स (चार और पांच विकेट) निखिल कश्यप (चार और तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत हरियाण ने आज त्रिपुरा को 19.1 ओवर में 47 के स्कोर पर ढेर करने के बाद 16 रनों के लक्ष्य को 4.3 ओवर में एक विकेट पर 18 रन बनाकर हासिल कर लिया।

अर्जुन शर्मा (नौ विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर सर्विसेज ने असम को आठ विकेट से करारी शिकस्त दी। आज यहां असम ने दूसरी पारी में कल के 56 पर पांच विकेट से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में सर्विसज के अर्जुन शर्मा और अमित शुक्ला के गेंदबाजी आक्रमण के आगे असम की पूरी टीम दूसरी पारी में 73 के स्कोर पर ढेर हो गई। अर्जुन शर्मा ने 9.3 ओवर में 20 रन देकर चार विकेट झटके। अमित शुक्ला ने छह ओवर में छह रन देकर तीन विकेट लिये। पुलकित नारंग ने दो और मोहित जांगड़ा ने एक बल्लेबाज को आउट किया। सर्विसेज को जीत के लिए 71 रनों का लक्ष्य मिला जिसे उसने 13.5 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 73 रन बनाकर हासिल कर लिया। असम के लिए रियान पराग ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। एक अन्य मैच में उत्तर प्रदेश ने ओडिशा को 243 के स्कोर पर समेटने के बाद दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट पर 262 रन बनाकर 19 रनों की बढ़त बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। तमिलनाडु बनाम नागालैंड मुकाबले में, तमिलनाडु ने तीन विकेट पर 512 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। इसके जवाब में नागालैंड ने दिन का खेल समाप्त होने के समय 150 के स्कोर पर अपने चार विकेट गंवा दिये है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में सरदार वल्लभ भाई पटेल की आगामी 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित पूर्वार्ध कार्यशाला को संबोधित किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, खेल एवं युवा मामलात मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ मौजूद थे।

मुख्यमंत्री कोलकाता में प्रवासी राजस्थानी मीट में भाग लेंगे

उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ वे 28 अक्टूबर को प्रवासी राजस्थानियों, व्यवसायियों व उद्यमियों के साथ बैठक करेंगे

जयपुर, 26 अक्टूबर। कोलकाता के प्रवासी राजस्थानी समुदाय के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल 28 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता जायेगा।

वहाँ मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 'प्रवासी राजस्थानी मीट' का आयोजन किया जाएगा और प्रवासी राजस्थानियों को 10 दिसंबर 2025 को जयपुर में आयोजित होने वाले प्रथम "प्रवासी राजस्थानी दिवस" के लिए आमंत्रित भी किया जायेगा।

मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल प्रवासी राजस्थानियों, औद्योगिक समूहों, व्यवसायियों और उद्यिमयों को राज्य के विकास में सक्रिय योगदान के लिए आमंत्रित करेगा। इस दौरान टेक्सटाइल एवं होजरी, केमिकल तथा खनिज जैसे विभिन्न व्यवसायिक क्षेत्रों में कार्यरत व्यावसायिक और औद्योगिक समूहों के प्रमुखों के साथ वन-टू-वन बैठकें भी आयोजित होंगी।

■ दस दिसम्बर 2025 को जयपुर में आयोजित "प्रवासी राजस्थान दिवस" को सफल बनाने के लिए हैदराबाद व सूरत के बाद कोलकाता में कार्यक्रम किया जा रहा है।

10 दिसंबर को आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारियों की कडी में यह तीसरा कार्यक्रम है जो कोलकाता में आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले हैदराबाद और सूरत में आयोजित प्रवासी राजस्थानी मीट्स के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों को राज्य में नए अवसरों की संभावनाएं तलाशने के लिए प्रेरित किया था।

यह मीट कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के सहयोग से आयोजित की जा रही है, जो 'प्रवासी राजस्थानी दिवस 2025' का इवेंट इंडस्ट्री पार्टनर है। 10 दिसंबर को जयपुर में आयोजित होने जा रहा "प्रवासी राजस्थानी दिवस" राज्य सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य वैश्विक प्रवासी राजस्थानी समुदाय से जुड़ाव को सुदृढ़ बनाना है।

तटरक्षकों ने 11 दिन से समुद्र में फंसे 31 मछुआरों को बचाया

बंगलूरू, 26 अक्टूबर। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने अरब सागर में फंसे 31 मछुआरों की जान बचाई है। ये मछुआरे 11 दिनों से नाव में फंसे हुए थे। नाव के स्टीयरिंग गियर में अचानक खराबी आने के कारण और खराब मौसम की वजह से यह नाव अरब सागर में काफी दूर तक बहती चली गई थी।

आईसीजी के मुताबिक, भारतीय तटरक्षक मुख्यालय संख्या 3 (कर्नाटक) को 24 अक्तूबर को गोवा की मछली पकड़ने वाली भारतीय नाव (आईएफबी) संत एंटोन- के लापता होने की सूचना मिली थी।

आखिरी सूचना मिली थी कि यह नाव न्यू मैंगलोर से लगभग 100 समुद्री मील दूर है। आईसीजी ने पहले से ही नियमित गश्त कर रहे आईसीजीएस कस्तूरबा गांधी गश्ती पोत को आखिरी बार देखी गई संकटग्रस्त नाव की जगह की तरफ रवाना कर दिया।

सरदार पटेल की 150वीं जयन्ती पर हर जिले में पदयात्रा आयोजित होगी

मुख्यमंत्री भजनलाल ने युवाओं से 150 यूनिटी मार्च व राष्ट्रव्यापी जनजागरण अभियान से जुड़ने की अपील की

जयपुर, 26 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने अपनी दृढ इच्छाशक्ति से राष्ट्र का पुनर्निर्माण किया और बिखरे हुए भारत को एकता के सूत्र में पिरोया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने दूरदर्शी सोच के साथ देश को राजनीतिक एकीकरण और आर्थिक स्वावलंबन के माध्यम से मज़बूत बनाया। उन्होंने दिखाया कि जब राष्ट्रिहत सर्वोपरि हो, तो कोई भी बाधा रास्ते में नहीं आ सकती।

शर्मा रविवार को जयपुर के सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में सरदार वल्लभ भाई पटेल की आगामी 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित पूर्वार्ध कार्यशाला के शुभारम्भ समारोह को संबोधित कर रहे थे।

■ उन्होंने कहा कि 26 नवंबर को संविधान दिवस पर राजस्थान के हर जिले से दो-दो पदयात्री पटेल की जन्म भूमि करमसद से स्टेच्यू ऑफ यूनिटी तक 152 किलोमीटर की ऐतिहासिक पदयात्रा में भाग लेंगे।

शर्मा ने कहा कि 31 अक्टूबर से 25 नवंबर तक देश के हर संसदीय क्षेत्र के सभी जिलों में 3 दिन तक 8 से 10 किमी लंबी पदयात्रा आयोजित की जाएगी। पदयात्रा के दौरान आमजन सरदार पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए आत्मनिर्भर भारत की शपथ लेंगे तथा योग एवं स्वास्थ्य शिविर, वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। साथ ही, एक जिला-एक खेल योजना के तहत प्रत्येक जिले में स्थानीय प्रचलित खेल का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि 26 नवंबर को संविधान दिवस के दिन प्रदेश के हर जिले से 2-2 पदयात्री सरदार पटेल की जन्मभूमि करमसद से लेकर एकता के प्रतीक स्टेच्यू ऑफ यूनिटी केवडिया तक देशभर के अन्य पदयात्रियों के साथ 152 किलोमीटर की ऐतिहासिक पदयात्रा करेंगे। मुख्यमंत्री ने युवाओं से सरदार पटेल के आदर्शों को आत्मसात करते हुए सरदार150 यूनिटी मार्च-राष्ट्रव्यापी जन-जागरण अभियान से अधिक से अधिक संख्या में जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि जब हर जन सरदार पटेल के विचारों को आत्मसात करेगा तो उन्हें यह सच्ची श्रद्धांजलि होगी। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने कहा कि सरदार पटेल ने देश को एक करने के लिए ऐसे साहसिक कार्य किए, जो कभी नहीं भुलाए जा सकते। उन्होंने हैदराबाद के निजाम को भारत में विलय के लिए मजबूर कर दिया। जब पाकिस्तान के कबाइलों ने कश्मीर में आक्रमण कर उसे हड़प लिया, तो पटेल ने तुरंत कदम उठाए और आधे कश्मीर को बचा लिया। खेल एवं युवा मामलात मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश को एकजुट करने का काम किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पटेल के इसी संकल्प को आगे बढ़ाया और एक भारत-श्रेष्ठ भारत पर प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया। हम सब भारतीय हैं, यही यूनिटी मार्च कार्यक्रम की प्रमुख रूपरेखा है।

कार्यक्रम के समापन पर खेल एवं युवा मामलात राज्यमंत्री के.के. विश्नोई ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान भाजपा के प्रदेश महामंत्री जितेन्द्र गोठवाल, भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष अंकित चेची सहित बड़ी संख्या में आमजन एवं युवा उपस्थित रहे।

बिहारः भाकपा-माले ने परिवर्तन संकल्प पत्र जारी किया

पटना, 26 अक्टूबर। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी लेनिनवादी (भाकपा-माले) के संस्थापक नेताओं में शामिल राम नरेश राम के 15वें स्मृति दिवस पर रविवार को बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले पार्टी ने परिवर्तन संकल्प पत्र जारी किया।

पटना में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में भाकपा-माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य तथा अन्य पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से पार्टी के नेताओं के साथ यह पत्र जारी किया। इस परिवर्तन संकल्प पत्र में लिखा गया है कि बीते दो दशकों से राज्य सत्ता में बैठी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)- जनता दल यूनाइटेड (जदयू) सरकार से राज्य को मुक्त करने का समय आ गया है। यह सरकार बिहार को विनाश की ओर धकेल चुकी है।संकल्प पत्र में कहा गया है कि महागठबंधन की सरकार के दौरान हुए सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण ने बिहार की भयावह स्थिति उजागर किया है और करीब 95 लाख परिवार महागरीबी रेखा के नीचे पाए गए। इन परिवारों को नीतीश कुमार ने दो-दो लाख रुपये सहायता देने की घोषणा की थी।

डॉ. किरोड़ी ने दुर्लभजी अस्पताल में मृतक के परिजनों को शव दिलाया

दुर्लभजी अस्पताल ने 1.89 लाख रूपए बकाया बताकर शव सौंपने से मना कर दिया था

जयपुर, 27 अक्टूबर।संतोकबा दुर्लभजी हॉस्पिटलमें इलाज के दौरान एक मरीज की मौत के बाद परिजनों को शव न देने पर हंगामा मच गया। जानकारी के अनुसार,महुआ निवासी विक्रम कुछ दिन पूर्व सड़क हादसे में घायल हुआ था और उपचार के लिए दुर्लभजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था।

■ कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने बताया कि मृतक आयुष्मान भारत तथा मुख्यमंत्री आयुष्मान स्वास्थ्य बीमा योजना का पात्र था। पर, अस्पताल ने उससे इलाज के लिए 5.75 लाख रूपये की राशि वसूल ली थी। मंत्री की सख्ती के बाद अस्पताल ने न केवल शव सौंपा बल्कि 5.75 लाख रूपये की राशि भी लौटाई।

इलाज के दौरान विक्रम की मृत्यु हो गई, लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने1.89 लाख बकाया बताकर शव देने से मना कर दिया। जबकि मृतक आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री आयुष्मान स्वास्थ्य बीमा योजना- दोनों का पात्र था। इसके बावजूद अस्पताल ने इलाज के लिए 5.75 लाखकी राशि वसूल ली।

मृतक के परिजन जब अपनी पीड़ा लेकर कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के पास पहुंचे तो मीणा रविवार तड़के स्वयं हॉस्पिटल गए।

अस्पताल प्रशासन से बात करने पर जब संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो उन्होंने मुख्य सचिव को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री की सख्ती के बाद अस्पताल प्रशासन ने न केवल शव परिजनों को सौंपा, बल्कि 5.75 लाख की पूरी राशि चेक द्वारा लौटा दी।

मौके पर ऐसे 4-5 और मामलों की शिकायतें भी सामने आईं, जिनके त्वरित समाधान के निर्देश मीणा ने दिए। उन्होंने कहा कि निजी अस्पताल सरकार की योजनाओं को पारदर्शी ढंग से लागू करें, ताकि आमजन को वास्तविक लाभ मिल सके।

इससे पहले भी डॉ. मीणा ने अपैक्स और महात्मा गांधी हॉस्पिटल में इसी तरह के मामलों में हस्तक्षेप कर परिजनों को शव दिलवाया था।

चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में विधानसभा चुनाव होने हैं। ज्ञातव्य है कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में अगले साल चुनाव होने हैं।

पश्चिम बंगाल के संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि हर ब्लॉक से सरकारी कर्मचारियों को वालंटियर के तौर पर चुना जा सकता है। ये लोग बीएलओ की मदद करेंगे। ये वॉलंटियर लोगों की जानकारी भरने में बीएलओ की मदद करेंगे और जरूरत पड़ने पर उनकी जगह भी ले सकते हैं।

भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतिबद्धताओं के 600 से ज़्यादा समझौता ज्ञापनों-एमओयू पर हस्ताक्षर किए जाएँगे। आधिकारिक सूचना के अनुसार इस कार्यक्रम में एक लाख से ज़्यादा प्रतिनिधि भाग लेंगे। इसमें 85 से ज़्यादा देशों के प्रतिनिधियों ने शामिल होने के लिए अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। इसमें देश के कई गणमान्य लोगों के अलावा वैश्विक समुद्री उद्योग के दिग्गज, अंतर्राष्ट्रीय संगठन और नीतिगत थिंक टैंक मौजूद रहेंगे।

इसरो 2 नवम्बर को नौसेना के लिए संचार उपग्रह का प्रक्षेपण करेगा

यह मल्टी बैंड संचार उपग्रह भारतीय भूभाग सहित बड़े समुद्री क्षेत्र में सेवाएँ प्रदान करेगा

चेन्नई, 26 अक्टूबर। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आज कहा कि दो नवंबर को भारी रॉकेट एलवीएम-3 से देश की नौसेना के लिए संचार उपग्रह जीएसएटी-7आर का प्रक्षेपण किया जायेगा।

■ इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने कहा कि भारतीय क्षेत्र से जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में प्रक्षेपित होने वाला यह सबसे भारी संचार उपग्रह होगा।

इसरो के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन ने गुरुवार को मीडिया को संबोधित करते हुये घोषणा की थी कि भारत का एलवीएम -3 रॉकेट नवंबर की शुरुआत में जीसैट-7आर संचार उपग्रह को प्रक्षेपित करेगा।

यह जीएसएटी-7आर या सीएमएस-03 उपग्रह 4.4 टन वजनी है जो 2.65 टन के जीएसएटी-7 या रुक्मिणी की जगह लेगा, जिसे 2013 में एरियन स्पेस के रॉकेट एरियन से प्रक्षेपित किया गया था।

इसरो ने कहा कि सीएमएस -03 एक मल्टी-बैंड संचार उपग्रह है जो भारतीय भूभाग सहित एक बड़े समुद्री क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करेगा। यह भारतीय क्षेत्र से जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में प्रक्षेपित किया जाने वाला सबसे भारी संचार उपग्रह होगा। इसे ले जाने वाले एलवीएम-3 एम5 हेवी लिफ्ट लॉन्च व्हीकल की यह पांचवीं ऑपरेशनल उड़ान होगी। एलवीएम 3 के पिछले मिशन ने चंद्रयान-3 मिशन लॉन्च किया था, जिसमें भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सफलतापूर्वक लैंड करने वाला पहला देश बन गया था।

इसरो ने कहा कि प्रक्षेपण यान को पूरी तरह से असेंबल और अंतरिक्ष यान के साथ एकीकृत कर दिया गया है और आगे के प्रक्षेपण-पूर्व कार्यों के लिए इसे 26 अक्टूबर, 2025 को प्रक्षेपण स्थल पर ले जाया जाएगा।

इसरो ने इससे पहले भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के लिए जीसैट-7ए उपग्रह लॉन्च किया था। जीसैट-7 और जीसैट-7ए भारत के दो समर्पित सैन्य संचार उपग्रह हैं जबकि पिछले सभी पृथ्वी अवलोकन और संचार उपग्रहों ने नागरिक और रक्षा क्षेत्र के दोहरे उद्देश्यों की पूर्ति की है। आगामी जीसैट-7आर उपग्रह जीसैट-7 का स्थान लेगा।

छत्तीसगढ़ में 21 नक्सलियों ने सरेन्डर किया

कांकेर, 26 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ पुलिस की 'पूना मार्गम: पुनर्वास के माध्यम से पुनर्जीवन' पहल के तहत बस्तर रेंज के कांकेर जिले में रविवार को उस समय बड़ी सफलता मिली जब रविवार को 21 नक्सली कैडरों ने समाज की मुख्यधारा में शामिल होने के लिए आत्मसमर्पण किया। इनके पास से 18 हथियार भी बरामद किए गए हैं।

■ आत्मसर्मपण करने वालों में 4 डिविज़न वाइस कमेटी मैंबर, 9 एरिया कमेटी और 8 पार्टी सदस्य हैं।

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) पी. सुंदरराज ने बताया कि ये सभी कैडर केशकल डिवीजन (नॉर्थ सब जोनल ब्यूरो) के कुएमारी/किसकोडो एरिया कमेटी से संबंधित हैं। इनमें डिवीजन कमेटी सचिव मुकेश भी शामिल हैं।

रेलवे ने छठ पूजा के यात्रियों के लिए होल्डिंग एरिया बनाये

नयी दिल्ली, 26 अक्टूबर। छठ महापर्व मनाने के बाद वापस लौटने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने व्यापक इंतजाम किये हैं। इसके लिए बिहार- पूर्वांचल क्षेत्र के 30 रेलवे स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया भी बनाए गये हैं जहां यात्री ट्रेन की रवानगी के पहले अपना समय गुजार सकते हैं।

■ बिहार व पूर्वांचल के 30 रेलवे स्टेशनों पर ट्रेन रवाना होने से पहले यात्री इस एरिया में समय बिता सकेंगे।

रेलवे की ओर से रविवार को जारी विज्ञप्त के अनुसार छठ महापर्व के समापन के बाद बिहार और उसके आस-पास के जिलों से बड़ी संख्या में यात्री अलग-अलग गंतव्यों के लिए रवाना होंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। यात्रियों को सुव्यवस्थित रखने, भीड़ नियंत्रण और ट्रेनों के सुचारू संचालन के उद्देश्य से रेलवे ने बिहार और उसके निकटवर्ती राज्यों के प्रमुख स्टेशनों पर विशेष होल्डिंग एरिया बनाए हैं।

रेलवे के अनुसार इन होल्डिंग एरिया का मुख्य उद्देश्य स्टेशन परिसर में समय से पहले पहुंचने वाले यात्रियों को सुव्यवस्थित रूप से ठहराना और ट्रेन के प्रस्थान के समय उन्हें कतारबद्ध तरीके से प्लेटफॉर्म तक पहुंचाना है, ताकि किसी भी प्रकार की अफरा-तफरी या भीड़भाड़ से बचा जा सके।

रेलवे ने कहा है कि स्टेशन परिसर और उसके आस-पास बनाए गए इन होल्डिंग एरिया में यात्रियों के लिए बैठने की उचित व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, पंखा, शौचालय, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, पूछताछ केंद्र, यूटीए तथा एमयूटीएस टिकटिंग, रियल टाइम ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड और चिकित्सा सहायता बूथ जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गयी हैं।

सीबीआई ने करूर भगदड़ में फिर केस दर्ज किया

नयी दिल्ली, 26 अक्टूबर। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 27 सितंबर को करूर में आयोजित रैली के दौरान हुए भगदड़ हादसे में फिर से केस दर्ज किया है। यह रैली तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) पार्टी ने आयोजित की थी और इसमें 41 लोग मारे गये थे।

सीबीआई की एक टीम ने हाल ही में करूर में घटनास्थल का निरीक्षण किया और पीड़ितों और उनके परिवारों से मुलाकात कर बयान दर्ज किये थे। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय के एक आदेश के बाद इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गयी है। उच्चतम न्यायालय ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस निर्देश को भी रद्द कर दिया है जिसमें विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने का निर्देश दिया गया था। उच्च न्यायालय ने इस मामले में अधिकारी आशा गर्ग के नेतृत्व में एसआईटी के गठन का निर्देश दिया था। विजय के नेतृत्व वाली टीवीके पार्टी ने उच्च न्यायालय के एसआईटी आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी।

जौनपुर सड़क हादसे में तीन की मौत

■ श्रद्धालुओं से भरी कार सड़क के किनारे खड़े ट्रक से टकराई, जिसके कारण पति-पत्नी समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं।

जौनपुर, 26 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में रामपुर थाना क्षेत्र के गधौना गांव के पास रविवार सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग पर विंध्याचल से देवी का दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी कार सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गई,जिसके कारण पति-पत्नी सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं।

सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी के ट्रॉमा सेंटर भेज दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पीड़ित अंबेडकरनगर जनपद के इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र के पालीपट्टी गांव के निवासी थे। ये लोग शनिवार को विंध्याचल धाम दर्शन करने गए थे और रविवार सुबह वापस घर लौट रहे थे।

पूर्वाह्न 11:30 बजे पीड़ितों की कार जैसे ही जौनपुर जिले के रामपुर थाना क्षेत्र में गंधोना गांव स्थित एचपी पेट्रोल पंप के पास पहुंची, तो सड़क किनारे खड़ी ट्रक से जा टकरायी।

हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। वाहन में फंसे लोगों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी विनोद कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया।

जेसीबी की मदद से कार को सड़क किनारे हटवाया गया। पुलिस तथा स्थानीय लोगों ने बड़ी मशक्कत के बाद घायलों को बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर भिजवाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया।

आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने कुआलालंपुर पहुँचे राष्ट्रपति ट्रंप

वे थाईलैंड-कंबोडिया शांति समझौते के हस्ताक्षर समारोह में शामिल होंगे, जिसकी मध्यस्थता का वे दावा कर चुके हैं

कुआलालंपुर, 26 अक्टूबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप 47वें आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रविवार को कुआलालंपुर पहुंचे। इस यात्रा के साथ ही उन्होंने मलेशिया, जापान और दक्षिण कोरिया की एक महत्वपूर्ण राजनयिक यात्रा शुरू की। इस यात्रा का मकसद व्यापार संबंधों को नया रूप देना, प्रमुख गठबंधनों को मजबूत करना और एक वैश्विक नेता तथा शांतिदूत के रूप में अपनी छवि को चमकाना है।

ट्रंप की छह दिवसीय यह यात्रा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की नई भागीदारी की शुरुआत का प्रतीक है और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ एक बैठक के साथ समाप्त होगी।

यह यात्रा ऐसे समय हो रही है जब अमेरिका और चीन के बीच आर्थिक तनाव बढ़ रहा है क्योंकि दोनों देश टैरिफ बढ़ा रहे हैं और दुनिया में अपनी धाक जमाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। ट्रंप थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर समारोह में शामिल होंगे। यह एक ऐसा समझौता है जिसके बारे में उनका दावा है कि उन्होंने स्वयं इसकी मध्यस्थता की थी।

■ ट्रंप की मलेशिया, जापान व दक्षिण कोरिया की यात्रा का उद्देश्य व्यापार संबंधों को नया रूप देना, प्रमुख गठबंधनों को मजबूत करना और एक वैश्विक नेता तथा शांति दूत के रूप में अपनी छवि को चमकाना है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में व्यापार, सुरक्षा और शांति निर्माण प्रयासों पर चर्चा करने वाले सत्रों में भाग लेने की उम्मीद है।

अमेरिकी राष्ट्रपति आसियान नेताओं के साथ एक रात्रिभोज में भी शामिल होंगे। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा, "मैं मलेशिया जा रहा हूं, जहां मैं उस महान शांति समझौते पर हस्ताक्षर करूंगा, जिसकी मध्यस्थता मैंने कंबोडिया और थाईलैंड के बीच गर्व से की थी। दुख की बात है कि थाईलैंड की राजमाता का हाल ही में निधन हो गया है। मैं थाईलैंड के महान लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। जब हम वहां पहुंचेंगे तो मैं उनके प्रधानमंत्री से मिलूंगा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908